

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0:

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 5 अंक: 48 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शनिवार 28 नवम्बर 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

साइबर गुलामी नहीं, साइबर सिंडिकेट है ये !

नोएडा के कॉल सेंटर से चल रहा था अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का कथित नेटवर्क, 165 विदेशी नागरिकों की भूमिका संदिग्ध

- 355 मोबाइल फोन बरामद
- 175 से अधिक डेस्कटॉप और लैपटॉप
- 165 विदेशी नागरिकों की भूमिका संदिग्ध
- एक मलेशियाई नागरिक गिरफ्तार
- दो भारतीय कथित संचालक फरार



355 मोबाइल फोन, 175 से अधिक कंप्यूटर बरामद; एक मलेशियाई नागरिक गिरफ्तार, दो भारतीय कथित संचालक फरार

समाज जागरण/विशेष संवाददाता नोएडा। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नोएडा में संचालित एक कथित अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क का पदार्फाश किया है। शुरूआती जांच में करीब 165 विदेशी नागरिकों की भूमिका सामने आई है। इनमें 92 इंडोनेशियाई और 72 मलेशियाई नागरिक बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से 355 मोबाइल फोन, 175 से अधिक डेस्कटॉप और लैपटॉप कंप्यूटर तथा बड़ी संख्या में सिम कार्ड बरामद किए हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय सिम कार्ड भी शामिल हैं। मामले में एक मलेशियाई नागरिक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो भारतीय नागरिकों की तलाश जारी है।

कॉरपोरेट कार्यालय की आड़ में चल रहा था कथित साइबर नेटवर्क

जांच के शुरूआती चरण में विदेशी नागरिकों को बंधक बनाकर साइबर ठगी कराने की आशंका जताई गई थी, लेकिन पुलिस की पड़ताल में अब तक ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया है। जांचकताओं के मुताबिक, विदेशी नागरिक कारोबारी वीजा पर भारत आए थे और कथित साइबर अपराध गतिविधियों में अपनी इच्छा से शामिल थे।

बताया जा रहा है कि विदेशी नागरिक पेइंग गेस्ट आवासों में रहते थे और नोएडा स्थित कॉल सेंटर आने-जाने के लिए उन्हें कैब की सुविधा दी जाती थी। उनके रहने और काम करने की व्यवस्था सामान्य कॉरपोरेट कार्यालय जैसी थी। जांच एजेंसियों को संदेह है कि वैध कारोबारी गतिविधियों का दिखावा कर इस नेटवर्क को संचालित किया जा रहा था, ताकि पुलिस और अन्य एजेंसियों को संदेह न हो।

बार-बार बदले जाते थे मोबाइल फोन

बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में करीब 20 बिल्कुल नए मोबाइल फोन भी शामिल हैं। जांचकताओं को आशंका है कि मोबाइल फोन बदलना इस नेटवर्क की कार्यप्रणाली का हिस्सा था। बड़ी संख्या में कंप्यूटर, मोबाइल और सिम कार्ड की बरामदगी से साइबर ठगी के संगठित और व्यापक स्तर पर संचालित होने के संकेत मिले हैं।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस कथित नेटवर्क के जरिए कितने लोगों को निशाना बनाया गया, कितनी रकम की ठगी हुई और यह गिरोह कितने समय से सक्रिय था। साथ ही, ठगी के लिए इस्तेमाल किए गए तरीकों और तकनीकी संसाधनों की भी जांच की जा रही है।

पर्दे के पीछे कौन चला रहा था पूरा खेल?

क्राइम ब्रांच उन कथित संचालकों और मुख्य साजिशकताओं की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने नेटवर्क को वित्तीय सहायता दी और पर्दे के पीछे से इसका संचालन किया। दो भारतीय नागरिकों के फरार होने के बाद उनकी भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस को आशंका है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

साइबर गुलामी और साइबर अपराध में फर्क

यह मामला साइबर गुलामी और संगठित साइबर अपराध के बीच अंतर को भी सामने लाता है। भारत सरकार और जांच एजेंसियां विदेशों में साइबर ठगी के लिए चलाए जा रहे स्कैम कंपाउंड से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए लगातार कार्रवाई करती रही हैं। वर्ष 2022 से 2025 के बीच म्यांमार, कंबोडिया और लाओ पीडीआर से हजारों भारतीयों को वापस लाए जाने की जानकारी सामने आई थी।

नोएडा का यह मामला शुरूआती जांच के आधार पर बंधक बनाकर काम कराने के बजाय कथित संगठित साइबर अपराध नेटवर्क का संकेत देता है। हालांकि, गिरोह की पूरी संरचना, विदेशी नागरिकों की वास्तविक भूमिका और ठगी के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का खुलासा पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा।

संविधान हमारी आत्मा से जुड़ा है : विजेंद्र गुप्ता

समाज जागरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आत्मा से जुड़ा हुआ है।



संविधान के माध्यम से ही 'संकल्प से सिद्धि' का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में संविधान बनाए गए, कुछ देशों के संविधान समय के साथ टूटे और दोबारा लिखे गए, लेकिन भारत का संविधान देशवासियों की आत्मा से जुड़ा है। इसकी प्रस्तावना 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है, जो लोकतंत्र में जनता की सर्वोच्च भूमिका को दशार्ती है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व होना चाहिए। संविधान को केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि उसके मूल्यों को अपने जीवन में भी अपनाना चाहिए।

परिसीमन विधेयक पर सर्वदलीय चर्चा की जरूरत : तेजस्वी यादव

पटना। परिसीमन विधेयक पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को चर्चा और विचार-विमर्श के लिए साथ लाना बेहतर होता। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पार्टी का रुख पहले से स्पष्ट है।



समुद्री जहाजों और नाविकों की सुरक्षा के लिए वैश्विक सहयोग जरूरी: जयशंकर

समाज जागरण

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने समुद्री जहाजों और नाविकों पर होने वाले हमलों को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी दुनिया को मिलकर काम करना होगा। नई दिल्ली में हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) की बैठक में उन्होंने समुद्री व्यापार की सुरक्षा, आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध मछली पकड़ने जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। जयशंकर ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने समुद्री सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि का सम्मान करने की आवश्यकता भी बताई। यह बैठक भारत की वर्ष 2025-2027 की आईओआरए अध्यक्षता के तहत आयोजित की जा रही है।



अब सिर्फ सीमा पर नहीं, दिमाग पर भी हमला !

भविष्य के बहु-क्षेत्रीय युद्ध को लेकर सीडीएस जनरल सुब्रमणि की चेतावनी

समाज जागरण/नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि विरोधी देश गुप्त रूप से लोगों की सोच और धारणा को प्रभावित करने का प्रयास भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध और शांति के बीच का अंतर धुंधला हो रहा है तथा लगातार संघर्ष जैसी स्थिति बनी हुई है। 27 नवंबर को भविष्य की युद्धकला और भारत की बहु-क्षेत्रीय अभियान क्षमता पर आयोजित एक कार्यक्रम में जनरल सुब्रमणि ने इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली को आधुनिक बनाने और सभी क्षेत्रों में सैन्य क्षमताएं बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल को संयुक्त, एकीकृत और बहु-क्षेत्रीय सैन्य अभियान का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।



सीडीएस ने कहा कि तनाव बढ़ने की स्थिति में भारत हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार था। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने किया।

गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 नागरिकों की हत्या के बाद भारतीय सेना ने 7 मई 2025 को ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल शुरू किया था। इस अभियान के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

पश्चिम एशिया में बढ़ते हमलों और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से बाजार में बिकवाली, निफ्टी भी 1% से ज्यादा फिसला

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 989 अंक टूटा

आईटी, ऑटो और रियल्टी शेयरों में भारी दबाव; मिडकैप और स्मॉलकैप ने दिखाई मजबूती

समाज जागरण/बिजनेस डेस्क मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते हमलों और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भारतीय शेयर बाजार की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशकों की चिंता बढ़ने के बीच बाजार में चौतरफा दबाव रहा और कई प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

कारोबार समाप्त होने पर बीएसई सेंसेक्स 989.33 अंक यानी 1.17 प्रतिशत टूटकर 83,339.26 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी-50 में 277.30 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 25,607.20 अंक पर आ गया।



कारोबार के दौरान निचले स्तर पर पहुंचे दोनों सूचकांक

शुक्रवार के कारोबार में बाजार की कमजोरी लगातार बनी रही। सेंसेक्स दिन के दौरान 83,208.33 अंक तक नीचे चला गया, जबकि निफ्टी ने 25,565.90 अंक का निचला स्तर छुआ। वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों ने जोखिम वाले शेयरों से दूरी बनाई।

आईटी और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव

निफ्टी के प्रमुख गिरावट वाले शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, बजाज ऑटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और टीसीएस शामिल रहे। इन शेयरों में करीब 2.5 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि बाजार में कुछ शेयरों ने मजबूती भी दिखाई। बीईएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एसबीआई लाइफ, ओएनजीसी और इंडिगो लाभ में रहने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे।

छोटे और मझोले शेयरों ने दिखाई मजबूती

बाजार की बड़ी कंपनियों में गिरावट के बावजूद व्यापक बाजारों का प्रदर्शन बेहतर रहा। निफ्टी मिडकैप सूचकांक में 0.10 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 0.56 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इससे संकेत मिला कि बड़ी कंपनियों में बिकवाली के बावजूद चुनिंदा छोटे और मझोले शेयरों में निवेशकों की रुचि बनी रही।

आईटी, रियल्टी और ऑटो क्षेत्र लाल निशान में

क्षेत्रवार कारोबार में निफ्टी आईटी सूचकांक 1.88 प्रतिशत गिरा। निफ्टी ऑटो में 1.48 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 1.43 प्रतिशत और निफ्टी प्राइवेट बैंक सूचकांक में 1.12 प्रतिशत की गिरावट रही। इसके विपरीत निफ्टी केमिकल और निफ्टी मेटल सूचकांक में 1.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी मीडिया 0.53 प्रतिशत और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.26 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

अगले सप्ताह बाजार की दिशा पर नजर

शुक्रवार की गिरावट ने बाजार के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। अब निवेशकों की नजर अगले सप्ताह के कारोबार पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के लिए यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों का दबाव आगे भी बना रहता है या बाजार में सुधार की संभावना बनती है। आने वाले कारोबारी सत्र यह तय करने में अहम होंगे कि शुक्रवार की गिरावट व्यापक सुधार की शुरूआत है या बाजार में अस्थायी ठहराव।



लोकसभा और विधानसभाओं में 50 प्रतिशत तक बढ़ेंगी सीटें

नए परिसीमन के तुरंत बाद महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण, वर्ष 2051 तक सीटों के अनुपात में बदलाव नहीं

समाज जागरण

नई दिल्ली। महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की ओर से लोकसभा में पेश किए जाने वाले 132वें संविधान संशोधन विधेयक, 2026 में इसके लिए नई व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। विधेयक के अनुसार, नए परिसीमन के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की लोकसभा तथा विधानसभा सीटों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि की जाएगी। इसके बाद लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

लोकसभा में राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 सदस्य चुने जाने का प्रस्ताव, विधानसभा सदस्यों की अधिकतम संख्या 650 होगी

लोकसभा में 850 तक हो सकती है सदस्य संख्या

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत लोकसभा में राज्यों से निर्वाचित सदस्यों की अधिकतम संख्या 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 तक हो सकती है। इस प्रकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या 850 तक पहुंचने का प्रस्ताव है। वहीं राज्य विधानसभाओं में सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 से बढ़ाकर 650 करने की तैयारी है।

नए परिसीमन के दौरान प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की सीटों में समान अनुपात से वृद्धि करने का प्रस्ताव है, ताकि राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का संतुलन बना रहे।

जनगणना की प्रतीक्षा किए बिना लागू होगा आरक्षण

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के तहत महिला आरक्षण को वर्ष 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना और उसके बाद परिसीमन से जोड़ा गया था। इससे आरक्षण लागू होने में देरी की आशंका बनी हुई थी। नए विधेयक में इस बाधा को दूर करने का प्रस्ताव है। इसके अनुसार, संविधान संशोधन लागू होने के बाद परिसीमन कराया जाएगा और नए निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण के तुरंत बाद लोकसभा तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रभावी हो सकेगा।

राष्ट्रपति चुनाव में भी होगा बदलाव

प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत अनुच्छेद 54, 55, 81, 82, 170, 330, 332 और 334क में बदलाव किए जाने की बात कही गई है। राष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित अनुच्छेद 54 में दिल्ली और पुडुचेरी के साथ जम्मू-कश्मीर को भी शामिल करने का प्रस्ताव है।

वर्ष 2051 तक स्थिर रहेगा सीटों का अनुपात

नए परिसीमन के बाद निर्धारित होने वाली सीटों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं वर्ष 2051 तक स्थिर रखने का प्रस्ताव है। अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा की विधानसभाओं में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण की मौजूदा विशेष व्यवस्था भी अगले समायोजन तक जारी रखने की बात कही गई है। यह विधेयक संसद से पारित होने के बाद ही कानून का रूप लेगा। इसके लागू होने पर देश की राजनीतिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आने की संभावना है और संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

यूपी का बजट नहीं उठा पाएगा अखिलेश के वादों का बोझ



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की बिसात बिछ चुकी है और समाजवादी पार्टी (सपा) ने जन-मन का मैनिफेस्टो, सत्ताइस का संकल्प, पीडीए का प्रण पत्र जारी कर सियासी पारा चढ़ा दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा जारी इस 28 पन्नों के दस्तावेज में समाज के हर वर्ग युवा, महिला, किसान, गरीब और सरकारी कर्मचारियों को साधने के लिए कई लोकलुभावन वादे किए गए हैं। लेकिन, सियासी गलियारों और आर्थिक विशेषज्ञों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि सत्ता में आने पर इन वादों को पूरा करने के लिए कितने धन की आवश्यकता होगी? और क्या उत्तर प्रदेश का मौजूदा बजट इस भारी-भरकम खर्च को झेल पाएगा, या फिर इसकी कीमत राज्य की बुनियादी विकास योजनाओं को चुकानी पड़ेगी? समाजवादी पार्टी ने अपने घोषणापत्र के केंद्र में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा को रखा है। पार्टी के प्रमुख वादों पर नजर डालें तो इनमें सीधे तौर पर सरकारी खजाने पर असर डालने वाली कई बड़ी योजनाएं शामिल हैं। पात्र महिलाओं और बुजुर्गों को सालाना 40,000 रुपये की आर्थिक सहायता (पेंशन) देने का वादा किया गया है। वहीं, अगले पांच वर्षों में 25 लाख सरकारी नौकरियां देने और स्नातक बेरोजगार युवाओं को नौकरी मिलने तक हर महीने 5,000 रुपये भत्ता देने की घोषणा की गई है। घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली, सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली, किसानों के बकाया बिजली बिलों की 100 फीसदी माफी और तत्काल किसान कर्जमाफी का संकल्प लिया गया है। इसी प्रकार गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, 5 रुपये में भोजन की थाली वाली समाजवादी कैंटीन, सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना की बहाली और बंद पड़े 26,000 प्राथमिक स्कूलों को फिर से खोलने जैसे वादे भी घोषणा पत्र में शामिल हैं।

अखिलेश का दावा बनाम अर्थशास्त्रियों का गणित

इन वादों को जमीन पर उतारने के लिए कितने धन की जरूरत पड़ेगी, इस पर दो बिल्कुल अलग-अलग आंकड़े सामने आ रहे हैं। एक तरफ समाजवादी पार्टी की घोषणापत्र समिति के प्रमुख और प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन का दावा है कि पार्टी के इन प्रमुख वादों को सालाना लगभग 80,000 करोड़ रुपये के खर्च में पूरा किया जा सकता है। उनके अनुसार, यह राशि उत्तर प्रदेश के करीब 9 लाख करोड़ रुपये के कुल वार्षिक बजट के दसवें हिस्से से भी कम है, जिसे संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से जुटाया जा सकता है। दूसरी तरफ, स्वतंत्र वित्तीय विश्लेषकों की एक रिपोर्ट में किए गए शुरूआती राजकोषीय आकलन एक बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करते हैं। इस आकलन के मुताबिक, यदि इन सभी प्रमुख वादों को एक साथ लागू किया जाए, तो राज्य के खजाने पर सालाना 1.5 लाख करोड़ से 2.5 लाख करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। अकेले 300 यूनिट मुफ्त बिजली योजना पर ही सालाना 12,000 से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आने का अनुमान है। यदि राज्य की करोड़ों पात्र महिलाओं को 40,000 रुपये सालाना दिए जाएं, तो केवल इसी एक योजना का बजट 60,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये के पार जा सकता है। इसके अलावा, 25 लाख नई सरकारी नौकरियों के सृजन से वेतन और भत्तों का स्थायी खर्च कई गुना बढ़ जाएगा, जबकि पुरानी पेंशन योजना की बहाली दीर्घकाल में राज्य की देनदारियों को विकराल बना सकती है।

यूपी के मौजूदा बजट की हकीकत, कितना है खजाने में दम?

किसी भी नई योजना के लिए धन आवंटित करने से पहले राज्य के मौजूदा बजट की संरचना को समझना जरूरी है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश का कुल शुद्ध व्यय 8,50,901 करोड़ रुपये (सकल बजट लगभग 9.12 से 9.13 लाख करोड़ रुपये) अनुमानित है। राज्य की शुद्ध प्राप्तियां 7,32,420 करोड़ रुपये हैं, जबकि राजकोषीय घाटा 1,18,481 करोड़ रुपये है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 3 प्रतिशत है। सबसे खास यह है कि राज्य का प्रतिबद्ध व्यय सरकारी कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और पुराने कर्जों के ब्याज भुगतान पर ही यूपी सरकार को 3,53,743 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते हैं, जो राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों का लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा है। इसका सीधा अर्थ यह है कि बजट का लगभग आधा हिस्सा पहले से ही बंधा हुआ है, जिसमें किसी भी तरह की कटौती संभव नहीं है। शेष बचे बजट में से शिक्षा (12.4 फीसदी), कृषि (9 फीसदी), स्वास्थ्य (6 फीसदी) और कानून-व्यवस्था जैसे अनिवार्य क्षेत्रों का संचालन होता है।

विकास योजनाओं पर पूंजीगत व्यय में कटौती का खतरा

अर्थशास्त्र का सीधा नियम है कि जब सरकार का राजस्व व्यय (मुफ्त बिजली, भत्ते, पेंशन और नकद सहायता) अचानक बढ़ता है, तो उसका सीधा असर पूंजीगत व्यय पर पड़ता है। पूंजीगत व्यय वह धन होता है जो एक्सप्रेस-वे, सड़कों, पुलों, नए अस्पतालों, बिजली संयंत्रों और औद्योगिक गलियारों के निर्माण पर खर्च किया जाता है। यही खर्च राज्य में दीर्घकालिक रोजगार पैदा करता है और अर्थव्यवस्था को गति देता है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी ढांचे और पूंजीगत कार्यों के लिए कुल बजट का लगभग 19.5 प्रतिशत (करीब 1.78 से 2 लाख करोड़ रुपये) आवंटित किया है। यदि सपा सरकार बनने पर घोषणापत्र के वादों को पूरा करने के लिए सालाना 1.5 लाख करोड़ से 2.5 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त जरूरत पड़ती है, तो यह राशि राज्य के कुल बजट के 17 से 27 प्रतिशत के बराबर होगी। चूंकि एफआरबीएम कानून के तहत राज्य सरकार अपने राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी के 3 प्रतिशत की सीमा से अधिक नहीं बढ़ा सकती, इसलिए नई सरकार के पास धन जुटाने के केवल दो ही रास्ते बचेंगे या तो वह टैक्स बढ़ाए या फिर बुनियादी ढांचे (पूंजीगत व्यय) के बजट में भारी कटौती करे। चुनावी माहौल में टैक्स बढ़ाना राजनीतिक रूप से आत्मघाती हो सकता है, ऐसे में सबसे आसान निशाना विकास परियोजनाएं ही बनती हैं। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो विस्तार, नई सिंचाई परियोजनाओं और औद्योगिक पार्कों के लिए आवंटित धन को लोकलुभावन योजनाओं की तरफ मोड़ना पड़ सकता है। लब्बोलुआब यह है कि समाजवादी पार्टी का घोषणापत्र सामाजिक न्याय और तात्कालिक आर्थिक राहत के नजरिए से मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को आकर्षित करने की क्षमता रखता है। हालांकि, राजकोषीय अनुशासन के तराजू पर यह बेहद चुनौतीपूर्ण नजर आता है। यदि पार्टी के 80,000 करोड़ रुपये के अनुमान को भी मान लिया जाए, तब भी यूपी के पहले से तंग बजट में इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था करना आसान नहीं होगा। सत्ता में आने पर नई सरकार के सामने सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वह मुफ्त योजनाओं और नकद सहायता के वादों को पूरा करते हुए उत्तर प्रदेश की विकास रफ्तार और पूंजीगत निवेश को पटरी से उतरने से कैसे बचाती है।

संजय सक्सेना, लखनऊ

परिसीमन-महिला आरक्षण पर फिर आर-पार, विपक्ष में दरार



संसद एक बार फिर उस सवाल पर लौट रही है, जिस पर अप्रैल में सरकार को अपनी पहली बड़ी संसदीय हार झेलनी पड़ी थी। लोकसभा 30 नवंबर और राज्यसभा 2 दिसंबर को बैठेगी और कार्यवाही 3 दिसंबर तक चलेगी। सरकार इसे आवश्यक सरकारी कामकाज बता रही है, लेकिन माना जा रहा है कि वह 131वां संविधान संशोधन विधेयक, 2026 फिर लाएगी, जिसमें लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव है। आज 27 नवंबर को मोदी कैबिनेट की बैठक में इस पर चर्चा भी हुई। अप्रैल का घटनाक्रम इस पूरी बहस की कुंजी है। तब सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक विशेष सत्र बुलाया था और 17 अप्रैल को यह संशोधन लोकसभा में 298 के मुकाबले 230 मतों से गिर गया, जो दो-तिहाई बहुमत से काफी कम था। उस दिन सदन में मौजूद 528 सदस्यों के हिसाब से जरूरी आंकड़ा 352 था। अंतिम क्षणों में गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के लिए 50 फीसदी आनुपातिक बढ़ोतरी को बिल में जोड़ने की पेशकश की, पर विपक्ष अपने रुख पर कायम रहा। इसके बाद सरकार ने परिसीमन और केंद्रशासित प्रदेशों से जुड़े दोनों साथ वाले विधेयक वापस ले लिए।

इस विवाद की जड़ 2023 के कानून में है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, यानी 128वां संशोधन, लोकसभा में 454-2 के भारी बहुमत से पारित हुआ था। राज्यसभा में उसे सभी 214 सदस्यों का समर्थन मिला। पर कानून में पेंच यह था कि आरक्षण जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन पर आधारित है, और मौजूदा जनगणना की संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 है। इसलिए 2029 के आम चुनाव से पहले उस आधार पर परिसीमन पूरा होने की संभावना कम मानी जाती है। सरकार का तर्क था कि अगली जनगणना और परिसीमन में समय लगेगा और महिलाओं की भागीदारी टलेगी, इसलिए 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाए। यही प्रस्ताव विपक्ष को खटका। विपक्ष की आपत्ति दो बातों पर है। पहली, शशि थरूर ने कहा था कि महिला कोटे को परिसीमन से जोड़ना महिलाओं की आकांक्षाओं को बंधक बनाना है। दूसरी, दक्षिणी राज्यों को डर है कि उनका प्रभाव घटेगा और बदलाव का फायदा उत्तर में मजबूत भाजपा को मिल सकता है। कांग्रेस का कहना है कि वह आरक्षण के पक्ष में है, पर परिसीमन और सीटें बढ़ाना अनिवार्य बनाने पर उसे आपत्ति है। पी. चिदंबरम का सुझाव है कि अनुच्छेद 334 हटा दिया जाए तो आरक्षण तुरंत लागू हो सकता है।

खैर, तमाम किंतु-परंतु के बीच मोदी सरकार के सामने अब असली लड़ाई संख्या बल की है। 540 की प्रभावी सदस्य संख्या में बिल पास कराने के लिए 361 वोट चाहिए, जबकि अप्रैल में एनडीए को 298 मिले थे। एनडीए के पास अभी करीब 320 सांसद हैं और सरकार की नजर डीएमके के 22 और एनसीपी (शरद पवार) के आठ सांसदों पर है। इन दोनों को जोड़ने पर भी आंकड़ा 355 तक पहुंचता है, यानी पांच कम। इसलिए वाईएसआरसीपी, जेएमएम, वीसीके और आरएलपी जैसे छोटे दलों से बातचीत चल रही है और कुछ विपक्षी सांसदों की गैरहाजिरी की भी उम्मीद है। बहरहाल, कयास यह लगाए जा रहे हैं कि मोदी सरकार को लोकसभा में 41 और राज्यसभा वोट कम पड़ रहे हैं, जबकि राज्यसभा में एनडीए के 142 सदस्य हैं और 161 चाहिए, यानी 19 की कमी। आंकड़ों का यह अंतर अलग-अलग गणना का नतीजा हो सकता है, पर दोनों में कमी साफ है।

इस समय डीएमके की शर्तें इस पूरे गणित का केंद्र हैं। पार्टी उसी सूरत में समर्थन की बात कर रही है, जब तमिलनाडु का करीब 7.2 फीसदी हिस्सा सुरक्षित रहे। वह 1971 की जनगणना पर आधारित रोक को 25 साल और बढ़ाने और ऐसे सुरक्षा उपाय बिल के पाठ में ही शामिल करने की मांग भी कर रही है। सुप्रिया सुले ने भी बिल देखकर रुख तय करने की बात कही है और सभी राज्यों में 50 फीसदी की समान बढ़ोतरी पर समर्थन के संकेत दिए हैं। सरकार के लिए असली चुनौती इन गारंटियों को कानूनी शक्ल देना है, क्योंकि अप्रैल में विपक्ष ने सवाल उठाया था कि ऐसे सुरक्षा उपाय मूल बिल में क्यों नहीं थे।

उधर, सियासी बयानबाजी की धार तेज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि महिलाओं को न्याय दिलाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती और हार के लिए एक विपक्षी दल को जिम्मेदार ठहराया। अप्रैल में तो उन्होंने कांग्रेस, डीएमके, सपा और टीएमसी पर आरोप लगाते हुए इसकी तुलना भ्रूण हत्या से कर दी थी। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता जयराम रमेश इसे संविधान पर हमला बता रहे हैं और मनीष तिवारी ने सवाल उठाया कि विशेष सत्र को नियमित शीतकालीन सत्र का विकल्प नहीं बनाया जाना चाहिए। एनसीपी (सपा) ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर दिया है। विपक्ष की एकजुटता पर सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि कुछ दल बिल के विवादित प्रावधानों में बदलाव चाहते हैं और सुर अलग-अलग दिख रहे हैं। इसके बावजूद सपा, टीएमसी और कांग्रेस जैसे बड़े दलों के रुख से लगता है कि पुराना स्वरूप दोहराया गया तो नतीजा भी पुराना हो सकता है।

अब सवाल यह है कि पांच राज्यों के चुनाव पर इसका कितना असर पड़ेगा। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव होने हैं और पंजाब को छोड़कर चारों में भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। सीधा असर परिसीमन का नहीं होगा, क्योंकि 2027 की शुरूआत का विधानसभा चुनाव मौजूदा नक्शे पर ही लड़ा जाएगा। असर नैरेटिव का होगा। भाजपा हार को महिला प्रतिनिधित्व पर जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही है, ताकि जाति और क्षेत्र से परे महिलाओं का एक वर्ग साध सके। बिल पास हुआ तो वह इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में महिला मतदाताओं के बीच भुनाएगी। गिरा तो विपक्ष ने फिर रोका महिला आरक्षण बिल का अभियान और तेज होगा।

इस सबके बीच विपक्ष के लिए जोखिम भी है और मौका भी। उसने 2023 में आरक्षण के पक्ष में वोट दिया था और अब परिसीमन के तरीके पर सवाल उठा रहा है। यह तर्क पंजाब जैसे राज्य में असर कर सकता है, जहां अकाली दल ने सभी राज्यों के लिए समान 50 फीसदी बढ़ोतरी के साथ दोनों बिल पारित करने की मांग की है। पर इन मुद्दों की पेचीदगी आम मतदाता तक पहुंचाना कठिन है, जबकि महिला विरोधी का आरोप सरल संदेश है। इसलिए चुनावी असर का बड़ा हिस्सा इस पर निर्भर करेगा कि सरकार संशोधित बिल में डीएमके जैसे दलों की चिंताएं दर्ज करती है या नहीं। आज की तारीख में मतदाताओं पर प्रभाव का कोई ठोस सर्वे नहीं है, इसलिए इसे अनुमान ही मानना चाहिए।



स्वदेश कुमार ,लखनऊ

अब भारत में ही पूरा होगा विश्वस्तरीय शिक्षा का सपना

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। लंबे समय तक विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले भारतीय विद्यार्थियों को अपना देश छोड़कर विदेश जाना पड़ता था। अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। अनेक विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर स्थापित कर रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को देश में रहकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के नए अवसर मिल सकते हैं। यह परिवर्तन केवल शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का संकेत नहीं है, बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करने की व्यापक संभावनाओं से भी जुड़ा है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में 25 नवंबर 2026 को शिक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई। इसमें देश में विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों की उपस्थिति और भारतीय शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर चर्चा की गई। मंत्रालय के आधिकारिक विवरण के अनुसार, भारत में लगभग 21 विदेशी उच्च शिक्षण संस्थान कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने के लिए 17 आशय पत्र जारी किए हैं। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और इटली के संस्थान शामिल हैं।

इन आँकड़ों को समझते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि कार्यरत संस्थानों और आशय पत्र प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालयों की संख्या अलग-अलग श्रेणियों को दशार्ती है। आशय पत्र किसी प्रस्तावित परिसर के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति का संकेत है। इसे परिसर का संचालन आरंभ होने अथवा विद्यार्थियों का प्रवेश शुरू हो जाने का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने की अनुमति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने वर्ष 2023 में इसके लिए नियामकीय व्यवस्था निर्धारित की। इसके अंतर्गत विदेशी संस्थानों के प्रस्तावों की समीक्षा की जाती है। आयोग की स्थायी समिति आवेदन पर विचार करती है और उसकी अनुशंसा के आधार पर आशय पत्र जारी किया जाता है। परिसर की तैयारी पूरी होने के बाद शैक्षणिक संचालन की अनुमति प्रदान की जाती है।

इस व्यवस्था का उद्देश्य विदेशी संस्थानों को भारत में अवसर उपलब्ध कराने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता और नियामकीय उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना है। विदेशी विश्वविद्यालयों को अपने मूल परिसर के अनुरूप शैक्षणिक स्तर बनाए रखना होगा। उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली योग्यताओं को संबंधित भारतीय उच्च शिक्षण योग्यताओं के समकक्ष मान्यता देने का प्रावधान भी है। इससे विद्यार्थियों को उपाधियों की मान्यता संबंधी अनिश्चितताओं से राहत मिल सकती है।

विदेशी विश्वविद्यालयों की भारतीय परिसरों में उपस्थिति अब केवल प्रस्ताव तक सीमित नहीं है। गुजरात की गिफ्ट सिटी में ऑस्ट्रेलिया के डीकिन विश्वविद्यालय, वोलोंगोंग विश्वविद्यालय और ब्रिटेन के क्वीन्स विश्वविद्यालय बेलफास्ट ने शैक्षणिक गतिविधियाँ आरंभ की हैं। ब्रिटेन के साउथैम्पटन विश्वविद्यालय ने भी भारत में अपना परिसर स्थापित किया है। जून 2026 में ब्रिस्टल विश्वविद्यालय, यॉर्क विश्वविद्यालय और न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय को परिसर स्थापित करने के लिए स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इससे पहले साउथैम्पटन और लिवरपूल विश्वविद्यालयों को भी ऐसे पत्र मिल चुके थे।

इन संस्थानों के विस्तार से विद्यार्थियों के सामने शिक्षा के अनेक नए विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं। व्यवसाय, अर्थशास्त्र, वित्त, संगणक विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आँकड़ा विज्ञान, साइबर सुरक्षा और जैवचिकित्सा जैसे क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम आरंभ होने की संभावना है। आधुनिक तकनीक और शोध से जुड़े विषयों में अंतरराष्ट्रीय अनुभव विद्यार्थियों को बदलते रोजगार बाजार के अनुरूप तैयार करने में सहायक हो सकता है। हालांकि प्रत्येक संस्थान के पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क और शैक्षणिक सत्र की जानकारी अलग-अलग होगी।

विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत आने का एक प्रमुख लाभ यह हो सकता है कि विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनिवार्य रूप से विदेश नहीं जाना पड़ेगा। विदेश में अध्ययन के दौरान यात्रा, आवास और जीवनयापन पर होने वाले खर्च की तुलना में भारत में अध्ययन करना कुछ परिवारों के लिए सुविधाजनक हो सकता है। विद्यार्थियों को अपने परिवार और सामाजिक परिवेश के निकट रहते हुए नई शैक्षणिक पद्धतियों से परिचित होने का अवसर भी मिलेगा।

फिर भी यह मान लेना उचित नहीं होगा कि विदेशी विश्वविद्यालयों की भारतीय परिसरों में शिक्षा अनिवार्य रूप से सस्ती होगी। वास्तविक आर्थिक लाभ संस्थान के शुल्क, छात्रवृत्ति, आवास व्यवस्था और पाठ्यक्रम की अवधि पर निर्भर करेगा। यदि शुल्क अत्यधिक हुआ तो ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और सामान्य आय वाले वर्गों के विद्यार्थियों की पहुँच सीमित रह सकती है। इसलिए शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की सफलता का मूल्यांकन केवल विश्वविद्यालयों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से भी होना चाहिए कि समाज के विभिन्न वर्गों को कितने अवसर प्राप्त हुए।

विदेशी विश्वविद्यालयों के आगमन से भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों के सामने भी नई परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी। उन्हें शिक्षण की गुणवत्ता, शोध सुविधाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन पर अधिक ध्यान देना होगा। शिक्षकों के प्रशिक्षण, आधुनिक पाठ्यक्रमों के विकास और उद्योगों के साथ सहयोग को प्रोत्साहन मिल सकता है। लेकिन प्रतिस्पर्धा का लाभ तभी व्यापक होगा जब सरकारी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ।

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में अनेक उत्कृष्ट संस्थान पहले से मौजूद हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान, केंद्रीय विश्वविद्यालय और विभिन्न शोध संस्थान देश की शैक्षणिक क्षमता के महत्त्वपूर्ण आधार हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करते समय भारतीय संस्थानों की उपलब्धियों और स्वायत्तता को समान महत्त्व दिया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग का उद्देश्य केवल विदेशी ज्ञान को अपनाना नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, भाषाओं, संस्कृति और अनुसंधान को विश्व के सामने प्रस्तुत करना भी होना चाहिए।

शिक्षा मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए चार प्रमुख दिशाओं पर बल दिया है। इनमें विदेशी संस्थानों के साथ शैक्षणिक और शोध सहयोग, विदेशी विद्यार्थियों को भारत में अध्ययन के लिए आकर्षित करना, विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने की सुविधा देना और भारतीय संस्थानों को विदेशों में परिसर स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। यह दृष्टिकोण शिक्षा को एकतरफा आदान प्रदान के स्थान पर पारस्परिक सहयोग का माध्यम बनाता है।

इस दिशा में भारतीय संस्थानों की विदेशी उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास ने जांजीबार में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली ने अबू धाबी में और भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद ने दुबई में अपने परिसर स्थापित किए हैं। ये उदाहरण बताते हैं कि भारत केवल विदेशी विश्वविद्यालयों को आकर्षित करने वाला देश नहीं है, बल्कि स्वयं भी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रदान करने की क्षमता विकसित कर रहा है।

विदेशी परिसरों के विस्तार के साथ कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। विद्यार्थियों को प्रवेश से पहले यह स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए कि संबंधित संस्थान को किस प्रकार की अनुमति प्राप्त है, उसके पाठ्यक्रम की मान्यता क्या है और कुल शुल्क कितना होगा। शिक्षकों की योग्यता, प्रयोगशालाओं की उपलब्धता, छात्रावास की सुविधा और उपाधि प्रदान करने की व्यवस्था भी सार्वजनिक होनी चाहिए।

विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कोई संस्थान बीच में अपना संचालन बंद कर दे तो अध्ययनरत विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित न हो। शुल्क वापसी, शिकायत निवारण और पाठ्यक्रम परिवर्तन की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। नियामक संस्थाओं को समय समय पर शैक्षणिक गुणवत्ता की समीक्षा करनी चाहिए, जिससे प्रतिष्ठित नामों के आधार पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को निराशा का सामना न करना पड़े।

भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों का विस्तार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खोल सकता है। इससे विद्यार्थियों को विविध पाठ्यक्रम, शोध के नए अवसर और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त हो सकते हैं। भारतीय संस्थानों को भी अपनी क्षमताओं का विस्तार करने और वैश्विक सहयोग बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

इस परिवर्तन की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि शिक्षा कितनी गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और समाजोपयोगी बनती है। भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की आकांक्षा तभी सार्थक होगी जब अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा कुछ संपन्न परिवारों तक सीमित न रहकर व्यापक विद्यार्थी समुदाय के लिए उपलब्ध हो। शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण प्रतिष्ठा और प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़कर समान अवसर, ज्ञान के आदान प्रदान और राष्ट्रीय विकास का माध्यम बने, यही समय की आवश्यकता है।



महेन्द्र तिवारी

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

पात्र मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज कराने के लिए चलेगा व्यापक अभियान

28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान, सभी मतदान केंद्रों पर तैनात रहेंगे बीएलओ

समाज जागरण/नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान-2027 की प्रगति की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता पंजीकरण, दावे-आपत्तियों, प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन तथा बूथ स्तर के अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवासीय सोसायटियों, आरडब्ल्यूए, एओए, औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और समाचार माध्यमों के सहयोग से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। विशेष रूप से 18 और 19 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जाए।

आगामी 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान दिवसों पर सभी मतदान केंद्रों में बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। अभियान की निगरानी नियंत्रण कक्ष से होगी और प्रत्येक दो घंटे में प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कम प्रपत्र प्राप्त करने वाले बीएलओ के कार्यों का स्थलीय सत्यापन भी कराया जाएगा। नया नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र-6, नाम हटवाने के लिए प्रपत्र-7 तथा संशोधन एवं निवास परिवर्तन के लिए प्रपत्र-8 भरा जा सकता है। सहायता के लिए हेल्पलाइन 1950 और 0120-2978702 पर संपर्क किया जा सकता है।

30 नवंबर तक जारी रहेगा स्व-गणना कार्यक्रम

जनगणना-2027 : स्व-गणना में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश

समाज जागरण/नोएडा। जनगणना-2027 के अंतर्गत जनपद में 16 से 30 नवंबर तक चल रहे स्व-गणना कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को जनगणना कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

प्रमुख जनगणना अधिकारी ने सभी विभागों के कार्यालयाध्यक्षों को अपने



अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शत-प्रतिशत स्व-गणना सुनिश्चित कराने को कहा। जिन कर्मचारियों ने निर्धारित पोर्टल पर अभी तक प्रवेश नहीं किया है, उन्हें तत्काल यह प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए।

जनसामान्य को स्व-गणना के प्रति जागरूक करने के लिए ऊंची इमारतों वाली आवासीय सोसायटियों, आरडब्ल्यूए, एओए, श्रमिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों और समाचार माध्यमों का सहयोग लेने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को प्रतिदिन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करने और आपसी समन्वय से अधिकाधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।



पोषण योजनाओं की समीक्षा, कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

आंगनबाड़ी केंद्रों की सुविधाएं सुधारने और पात्र लाभार्थियों तक पोषाहार पहुंचाने पर जोर

समाज जागरण/नोएडा। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोषण अभियान, पोषण ट्रैकर, घर ले जाने वाला राशन, गर्म पका भोजन, आंगनबाड़ी केंद्रों की सुविधाओं तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।



मुख्य विकास अधिकारी ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, शिशुओं तथा कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी, समय से स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यकता पड़ने पर पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने को कहा। पोषाहार वितरण में शासन के निर्धारित मानकों का पालन करने तथा सभी पात्र लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की उपस्थिति, अभिभावक बैठकों और पोषण संबंधी अभिलेखों में सुधार लाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में दिव्यांगजन सत्यापन, बच्चों की अपार पहचान संख्या बनाने तथा मातृ वंदना योजना में कम प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

मोटर वाहन चालानों के निस्तारण के लिए आज विशेष लोक अदालत

सूरजपुर दीवानी न्यायालय परिसर में सुबह 10 बजे से होगा आयोजन

समाज जागरण/सूरजपुर। मोटर वाहन चालानों के निस्तारण के लिए 28 नवंबर को विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशन में यह आयोजन किया जा रहा है।

विशेष लोक अदालत दीवानी न्यायालय परिसर, सूरजपुर में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। इसमें मोटर वाहन चालानों से संबंधित लंबित मामलों का निस्तारण किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, अधिवक्ताओं, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और आम नागरिकों की सुविधा के लिए न्यायालय परिसर में विशेष कक्ष आरक्षित किए गए हैं। जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित न्यायालय कक्षों में पहुंचकर अपने लंबित मोटर वाहन चालानों का निस्तारण कराएं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर, युवा उद्यमी विकास और ग्रामीण आजीविका मिशन के ऋण आवेदनों की होगी समीक्षा

सरकारी ऋण योजनाओं में पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता दें बैंक

सीडी अनुपात बढ़ाने पर जोर, लंबित ऋण प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण कराने के निर्देश

समाज जागरण/नोएडा। जनपद की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाने और सरकारी ऋण योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला स्तरीय समीक्षा समिति तथा जिला परामर्शदात्री समिति के कार्यों की समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैंक अधिकारियों से कहा कि वे सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए सरकारी ऋण योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण स्वीकृत करें। उन्होंने विभिन्न विभागों के माध्यम से बैंकों को भेजे गए ऋण आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



जनपद का सीडी अनुपात 57.29 प्रतिशत

बैठक में बैंकिंग कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद का ऋण-जमा अनुपात पिछली तिमाही में 57.29 प्रतिशत रहा। मुख्य विकास अधिकारी ने कम ऋण-जमा अनुपात वाली बैंक शाखाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित बैंकों को पत्र भेजकर विस्तृत कार्ययोजना प्राप्त करने तथा भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित मानकों के अनुरूप ऋण-जमा अनुपात बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा।

लंबित ऋण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लंबित ऋण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने पर जोर दिया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर बैंक शाखाओं का भ्रमण करने तथा लंबित प्रकरणों के समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वित्तीय समावेशन योजनाओं का प्रचार-प्रसार

बैठक में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि बैंक आने वाले प्रत्येक ग्राहक को इन योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक वित्तीय समावेशन से जुड़ सकें।

इसके अतिरिक्त जनशिकायत निवारण पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा जनपद में संचालित आधार सेवा केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक राम विनोद कुमार, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-105 में 16 दिसंबर से नौ दिवसीय श्रीराम कथा

महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद भारती करेंगे कथा, 25 दिसंबर को हवन और भंडारा

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। सेक्टर-105 के सामुदायिक केंद्र में 16 से 24 दिसंबर तक नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन शाम पांच बजे से होगी। कथा व्यास अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद भारती जी महाराज होंगे। कथा आयोजन के संबंध में सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने महाराज श्री का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और फल अर्पित कर स्वागत किया। उन्होंने क्षेत्रवासियों की ओर से कथा के आयोजन की स्वीकृति देने पर आभार व्यक्त किया। दिव्य कृष्णात्रेय ने बताया कि कथा की जानकारी अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने के लिए आमंत्रण दिया जा रहा है, ताकि क्षेत्र के श्रद्धालु परिवार सहित शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन में सत्य, सेवा, त्याग और पारिवारिक मयार्दा का संदेश देते हैं।



आयोजन के तहत 25 दिसंबर को हवन और विशाल भंडारे का कार्यक्रम होगा। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने नोएडा के निवासियों और श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होने का आग्रह किया है।

आर्य समाज गोविन्दपुरम के 24वें वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

वैदिक संस्कृति चरित्र, संवेदना और मानव कल्याण का आधार : आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री

गाजियाबाद। आर्य समाज गोविन्दपुरम के 24वें त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव का शुक्रवार को महायज्ञ के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। सहारनपुर से पधारे आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री ने महायज्ञ का ब्रह्मत्व किया। मुख्य यज्ञमान डॉ. सुरेन्द्र सिंह-सरोज बाला सिंह, यज्ञ दत्त शर्मा-ममता शर्मा, सुमित चौधरी-अभिलाषा चौधरी और सुनील पंवार-अरुणा पंवार रहे। प्रधान पूनम चौधरी, समारोह अध्यक्ष मुरारी लाल और कृपाल वर्मा ने ध्वजारोहण कर समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया।

खोड़ा में नौ लोगों की गिरफ्तारी के बाद पहचान और दस्तावेजों के सत्यापन की मांग

समाज जागरण

पुलिस नेटवर्क की जांच में जुटी, फर्जी दस्तावेज मिलने की बात; सीमावर्ती क्षेत्रों में सत्यापन की जरूरत पर उठे सवाल

दिल्ली-एनसीआर। खोड़ा क्षेत्र में नौ बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद पहचान और दस्तावेजों के सत्यापन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों के पास से कथित रूप से फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य भारतीय दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर उनके संपर्कों और नेटवर्क की जांच कर रही है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपी कई माह से कथित रूप से फर्जी नाम-पते के आधार पर एक फैक्ट्री में काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिले में



सत्यापन अभियान चलाने और संदिग्ध दस्तावेजों की जांच करने की तैयारी है। आरोपियों को वापस भेजने की प्रक्रिया भी शुरू किए जाने की बात कही गई है। गाजीपुर डेयरी, भोवापुर और कौशांबी क्षेत्र में पहचान, सरकारी जमीन पर कथित कब्जे तथा दस्तावेजों की जांच को लेकर स्थानीय निवासियों और सामाजिक कार्यकताओं की पुरानी शिकायतों का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि, इन शिकायतों और विभिन्न व्यक्तियों या बस्तियों से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र तथा आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। किसी व्यक्ति की नागरिकता या अपराध में संलिप्तता का निर्धारण जांच और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही किया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पुरानी शिकायतों की समीक्षा कर दस्तावेजों और भूमि संबंधी मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती यह है कि वास्तविक संदिग्धों पर कार्रवाई हो और सत्यापन के नाम पर निर्दोष लोगों को परेशान न किया जाए।

सुनील छेत्री और अनन्या पांडे ने नोएडा में सामुदायिक खेल अभियान को दिया बढ़ावा

स्केचर्स के दो दिवसीय आयोजन में 10 हजार अंकों का लक्ष्य, पूरा होने पर 100 जोड़ी खेल जूते दान किए जाएंगे

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। खेल और फिटनेस को सामाजिक सरोकार से जोड़ने के उद्देश्य से स्केचर्स ने 24 और 25 नवंबर को नोएडा के मॉल ऑफ इंडिया में ह्यकम्युनिटी गोल चैलेंजह्न आयोजित किया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से सामूहिक रूप से 10 हजार अंक हासिल करने का लक्ष्य रखा।

कुटुंब फाउंडेशन के साथ साझेदारी में आयोजित इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद युवाओं के बीच खेल और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देना है। आयोजकों के अनुसार,



सामूहिक लक्ष्य पूरा होने पर स्केचर्स 100 जोड़ी खेल जूते दान करेगा। कुटुंब फाउंडेशन 18 से 30 वर्ष की आयु के पात्र लाभार्थियों के बीच इनका वितरण करेगा।

प्रतिभागियों के लिए एक किलोमीटर ट्रेडमिल पर दौड़ना अनिवार्य था। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट की ह्यकैच एंड विनह्न या फुटबॉल की ह्यरिंग सॉकरह्न गतिविधि में हिस्सा लिया। प्रत्येक गतिविधि चक्र पूरा होने पर सामुदायिक लक्ष्य में अंक जोड़े गए। कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित विशेष समापन समारोह में भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री और अभिनेत्री अनन्या पांडे शामिल हुए। कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि इस पहल के माध्यम से फिटनेस, सामूहिक भागीदारी और समाज के प्रति जिम्मेदारी को एक साथ बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

जेवर में सीआईएसएफ जवानों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच शुरू

कैलाश अस्पताल की चिकित्सा टीम करेगी स्वास्थ्य परीक्षण, कार्यस्थल पर ही उपलब्ध होगी जांच सुविधा

समाज जागरण/संदीप गर्ग

जेवर। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों के लिए कैलाश अस्पताल, जेवर ने वार्षिक चिकित्सा जांच अभियान 2026 शुरू किया है। यह पहल सीआईएसएफ इकाई, नोएडा के सहयोग से की जा रही है।

अभियान के तहत कैलाश अस्पताल की विशेष चिकित्सा टीम सीआईएसएफ इकाई परिसर में जवानों की स्वास्थ्य जांच करेगी। इसका उद्देश्य नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को बढ़ावा देना और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान करना है, ताकि सुरक्षाकर्मी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बेहतर तरीके से कर सकें।



अस्पताल के उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. (कर्नल) अशोक मोहंती ने बताया कि सुरक्षा बलों के जवानों की जिम्मेदारी को देखते हुए उनका स्वस्थ और फिट रहना जरूरी है। व्यस्त ड्यूटी के कारण कई बार नियमित जांच नहीं हो पाती। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्यस्थल पर स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

जांच में रक्त गणना, रक्त शर्करा, गुर्दे और यकृत की कार्यक्षमता से संबंधित परीक्षण तथा हृदय की गतिविधि की जांच के लिए ईसीजी शामिल हैं। अस्पताल के अनुसार, यह पहल नियमित स्वास्थ्य जांच और रोगों की रोकथाम के महत्व को बढ़ावा देने की दिशा में है।

बिसरख क्षेत्र में पुलिस की फुट पेट्रोलिंग, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट



गौतमबुद्धनगर के पुलिस आयुक्त के निर्देशन और डीसीपी सेंट्रल नोएडा के पर्यवेक्षण में एसीपी-2 सेंट्रल नोएडा ने पुलिस बल के साथ थाना बिसरख क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर फुट पेट्रोलिंग की।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी करना है।

जेएसएस विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह, 50 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विद्यार्थियों से निरंतर सीखने और ज्ञान का जिम्मेदारी से उपयोग करने का आह्वान किया

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। जेएसएस विश्वविद्यालय, नोएडा का पहला दीक्षांत समारोह शुक्रवार को सेक्टर-62 स्थित विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ। समारोह में विश्वविद्यालय के प्रथम बैच के 50 विद्यार्थियों को उपाधियां और डिप्लोमा प्रदान किए गए। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मुख्य अतिथि रहे।

उपाधि प्राप्त करने वालों में डिप्लोमा इन फामेर्सी के 32, मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस के 16 और मास्टर ऑफ फामेर्सी के दो विद्यार्थी शामिल रहे। इनमें 37 छात्र और 13 छात्राएं हैं। एम.फार्मा में शिवम सिंह, एमसीए में शाक्षी और डी.फार्मा में ऋतिक भाटी को स्वर्ण पदक प्रदान



किए गए। शिवम सिंह को एंडोमेंट पदक भी मिला।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह उसके शैक्षणिक सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, लगातार सीखने, बदलाव को अपनाने और नैतिकता के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता काम करने के तरीकों को बदलेंगी, लेकिन तकनीक को विवेक और अंतरात्मा का स्थान नहीं लेना चाहिए।

कुलपति डॉ. संजय त्यागी ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए शोध, मान्यता और शैक्षणिक साझेदारियों की जानकारी दी। समारोह में कुलाधिपति जगद्गुरु श्री शिवरात्रि देशिकेंद्र महास्वामीजी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

140 करोड़ आहुतियों के संकल्प के साथ भारत उत्कर्ष महायज्ञ शुरू

महर्षि नगर में 108 कुंडीय देवी भगवती सहस्त्र महायज्ञ, 5 दिसंबर को होगी पूर्णाहुति

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। राष्ट्र की समृद्धि, विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना के साथ महर्षि आश्रम, महर्षि नगर में नौ दिवसीय भारत उत्कर्ष महायज्ञ का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। महर्षि महेश योगी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित 108 कुंडीय देवी भगवती सहस्त्र महायज्ञ की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार, गौ पूजन और कलश पूजन के साथ हुई। आयोजन में 140 करोड़ आहुतियां समर्पित करने का संकल्प लिया गया। महायज्ञ जगद्गुरु



शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज के संरक्षण में आयोजित किया जा रहा है। पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और धर्मप्रेमी शामिल हुए। वैदिक मंत्रों के बीच देवी भगवती का आह्वान किया गया और श्रद्धालुओं ने राष्ट्र तथा मानवता के कल्याण की कामना की। महायज्ञ के साथ प्रख्यात कथावाचक देवी कृष्ण प्रिया जी के श्रीमुख से श्रीमद् देवी भागवत कथा का भी शुभारंभ हुआ। पहले दिन देवी भगवती की महिमा, शक्ति स्वरूप और आध्यात्मिक महत्व का वर्णन किया गया।

आयोजन परिसर में भारत आरोग्य मेला, कला गांव, रेत कला प्रदर्शनी, पुस्तक मेला, गौ सेवा प्रकल्प और अन्न क्षेत्र भी लगाए गए हैं। महायज्ञ 5 दिसंबर तक गेट नंबर-6, महर्षि आश्रम, महर्षि नगर में आयोजित होगा। इसी दिन पूर्णाहुति की जाएगी।

बीएल वर्मा ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मतदाता जोड़ो अभियान की समीक्षा की

बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और नए मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने पर जोर, मिशन २०२७ की तैयारियों पर चर्चा

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह



फिरोजाबाद। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय पर पूर्व पदा धिकारियों, जिला पदाधिकारियों और सभी मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक कर संगठनात्मक कार्ययोजना पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मतदाता जोड़ो अभियान की समीक्षा करते हुए अभियान में तेजी लाने और अधिक से अधिक नए मतदाताओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में बीएल वर्मा ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर सक्रियता जरूरी है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने संगठन की कार्यपद्धति, जनसेवा और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व पदाधिकारियों का अनुभव, समर्पण और उत्साह संगठन की ताकत है। सामूहिक प्रयासों से मिशन 2027 के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह और महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर सहित सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से घर-घर जाकर नए मतदाताओं से संवाद स्थापित करने तथा उन्हें पार्टी की रीति-नीति और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने केंद्रीय राज्य मंत्री को भरोसा दिलाया कि जिले में संगठन पूरी एकजुटता और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जिले की पांचों सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पदाधिकारी बूथ स्तर पर प्रवास कर रहे हैं।

बैठक में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी गिर्राज सिंह कुशवाहा, महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर, क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी डॉ. अमित गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष मानवेन्द्र प्रताप सिंह लोधी, महेश राजपूत, अविनाश सिंह भोले, आकाश शर्मा, ओमेन्द्र बघेल, योगेंद्र सिंह चौहान, आकाश गुप्ता, राघवेन्द्र सिंह, डॉ. उम्मेद सिंह राजपूत, दीपक राजोरिया, सतेन्द्र भारद्वाज, पवन चक, शीलू सविता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

जेडा झाल परियोजना संभालने में नाकाम भाजपा सरकार : सौली

विधायक के पत्र पर सपा नेता ने उठाए सवाल, बोले- सोशल मीडिया पर पत्र डालने से नहीं मिलेगी जल संकट से राहत

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह



फिरोजाबाद। शहर में जेडा झाल नहर से पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं होने पर नगर विधायक मनीष असीजा की ओर से नगर आयुक्त को लिखे पत्र पर सपा के राष्ट्रीय सचिव एवं सामाजिक कार्यकर्ता सतेन्द्र जैन सौली ने निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जेडा झाल जैसी बड़ी जल परियोजना को संभालने में नाकाम साबित हो रही है। शहर में तमाशे की राजनीति हो रही है और जनता पानी के लिए परेशान है।

सतेन्द्र जैन सौली ने कहा कि जेडा झाल जल परियोजना समाजवादी सरकार में प्रोफेसर रामगोपाल यादव और सांसद अक्षय यादव के प्रयासों से तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मंजूर कराई गई थी। अब भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार इस परियोजना का संचालन ठीक से नहीं कर रहे हैं उन्होंने नगर विधायक मनीष असीजा के पत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि विधायक ने खुद पत्र में लिखा है कि कई बार टेलीफोन और लिखित रूप से नगर आयुक्त को अवगत कराने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में उसी अधिकारी को पत्र भेजकर उसे सोशल मीडिया पर डालने से क्या हासिल होगा। बेहतर होता कि उच्च अधिकारियों, शासन या विधानसभा की अनुश्रवण समिति के माध्यम से प्रभावी कार्रवाई की मांग की जाती, जिससे जनता को राहत मिलती।

सौली ने कहा कि कागजी नूरा-कुश्ती से जल संकट का समाधान नहीं होगा। उन्होंने शहर का भूजल स्तर 400 फीट से नीचे होने का हवाला देते हुए विधायक से पिछले 10 वर्षों में इसे सुधारने के लिए किए गए प्रयासों का जवाब मांगा। साथ ही जेडा झाल से पानी मिलना बंद होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शहर की जनता तमाशे की राजनीति से ऊब चुकी है।

एसएसपी ने शुक्रवार परेड की सलामी ली, पुलिस लाइन की शाखाओं का किया निरीक्षण

- पुलिसकर्मियों को फिटनेस के लिए दौड़ और अनुशासन बनाए रखने को कराया ड्रिल अभ्यास

समाज जागरण

फिरोजाबाद। रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार को आयोजित परेड में एसएसपी आदित्य लांगेहे ने सलामी ली। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए दौड़ लगवाई गई। साथ ही अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल का अभ्यास कराया



गया। एसएसपी ने परेड में शामिल पुलिसकर्मियों का टर्नआउट चेक किया और टोलीवार ड्रिल की कार्रवाई कराई। उन्होंने यातायात पुलिसकर्मियों को यातायात व्यवस्था को सुचारू और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। परेड के बाद एसएसपी ने पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। परिवहन शाखा, रेडियो शाखा, बैरक, भोजनालय, गैस गोदाम, कैंटीन, साइबर थाना, क्वार्टर गार्द, आर्म्स वर्कशॉप, स्टोर और डीएफएमडी कक्ष का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक जयबिन्द गुप्ता, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

लाभार्थीपरक योजनाओं के लंबित आवेदनों का 10 से 12 दिनों में निस्तारण सुनिश्चित करें बैंक: जिलाधिकारी

सीएम युवा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की ऋण स्वीकृति में तेजी लाने के निर्देश, 10 दिसंबर को होगी पुनः समीक्षा

समाज जागरण

सम्भल (बहजोई) 27 नवंबर 2026। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में आज जिलाधिकारी कार्यालय पर शासन की विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं यथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा), पीएम स्वनिधि एवं पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आदि के लंबित एवं स्वीकृत आवेदनों की प्रगति को लेकर बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों (आरएम) के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विगत बैठक के बाद सीएम युवा योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की ऋण स्वीकृति एवं लंबित प्रकरणों की बैंकवार समीक्षा की। इस दौरान एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, पीएनबी, यूपी ग्रामीण बैंक, सेंट्रल बैंक, यूनियन बैंक एवं केनरा बैंक सहित विभिन्न बैंकों से प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने संबंधित बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऋण आवेदनों की स्वीकृति की प्रगति में तेजी लाते हुए अगले 10 से 12 दिनों में लंबित प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने एलडीएम को निर्देश दिए कि बैंकों की प्रगति संतोषजनक न होने पर संबंधित बैंकों के महाप्रबंधकों (जीएम) के साथ बैठक को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही 10 दिसंबर को पुनः समीक्षा के लिए आवश्यक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने एलडीएम को यह भी निर्देशित किया कि विभिन्न बैंकों में लंबित आवेदनों एवं उनके निस्तारण की दैनिक रिपोर्ट बैंकों के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप पर अनिवार्य रूप से साझा की जाए, ताकि प्रतिदिन की प्रगति की निगरानी की जा सके।

बैठक में एनआरएलएम के अंतर्गत सीसीएल एवं नए बैंक खाते खोलने से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई तथा उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट,अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर अभिमन्यु कुमार, डिप्टी कलेक्टर नीरज कुमार द्विवेदी, डिप्टी कलक्टर रामानुज ,उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार, एलडीएम ललित कुमार रॉय, विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला समन्वयक तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्राओं को मतदाता पंजीकरण के लिए किया जागरूक, फॉर्म- 6 भरवाए

28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान, पात्र युवाओं से नाम जुड़वाने की अपील

समाज जागरण



फिरोजाबाद। मतदाता सूची में पात्र युवाओं के नाम शामिल कराने के लिए शुक्रवार को सुगरा बेगम गर्ल्स इंटर कॉलेज में मतदाता जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पात्र छात्राओं से मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 भरवाए गए और निर्वाचन आयोग के ECINET एप की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा और उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल के निर्देशन में आयोजित अभियान में ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा ने छात्राओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया समझाई। विद्यालय स्टाफ के मोबाइल फोन में ECINET एप इंस्टॉल कराकर इसके माध्यम से मिलने वाली निर्वाचन संबंधी सुविधाओं और ऑनलाइन पंजीकरण की जानकारी भी दी गई। छात्राओं और स्टाफ को 28 व 29 नवंबर को आयोजित होने वाले विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान के बारे में बताया गया। जानकारी दी गई कि जिन युवाओं की आयु एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरी हो रही है या इससे अधिक है, वे फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। डॉ. हिमांशु शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम होना जरूरी है।

युवाओं को स्वयं जागरूक होने के साथ परिवार और आसपास के लोगों को भी पंजीकरण के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्रधानाचार्या जाकिया सुल्तान ने मतदाता जागरूकता को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए अभियान में विद्यालय की ओर से सहयोग का भरोसा दिया। डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने भी पात्र युवाओं से विशेष अभियान में पंजीकरण कराने की अपील की। कार्यक्रम में साइमा परवीन, मिन्नत फातिमा सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

नजीबूदौला मजार पर मृत मिला 30 वर्षीय युवक, पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने की जांच

एसपी सिटी केजी सिंह बोले—नशे का आदी था युवक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगी मौत की वजह

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। नगर स्थित नजीबूदौला मजार पर शुक्रवार को एक युवक मृत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हलचल मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान अंकुर (30) पुत्र मनोहर लाल निवासी नजीबाबाद के रूप में हुई है। सूचना पर एसपी सिटी केजी सिंह, नव नियुक्त थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और घटना के संबंध में जानकारी की। एसपी सिटी केजी सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक नशे का



आदी था और भारी नशे की हालत में मजार पर पहुंचा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना को लेकर कानून व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजनौर में नॉन-फंक्शनल ईवीएम और वीवीपैट मशीनों को भेजने की प्रक्रिया शुरू, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में खोला गया स्ट्रांग रूम

जिला निर्वाचन अधिकारी जोगिंदर सिंह की उपस्थिति में नियमानुसार हुई कार्रवाई, पहले रामपुर और फिर हैदराबाद भेजी जाएंगी खराब मशीनें; प्रशासन की पारदर्शी प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों ने जताया संतोष।

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर । भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुपालन में जनपद में गत माह ईवीएम एवं वीवीपैट की संपन्न हुई फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) के दौरान नॉन-फंक्शनल (कार्य न करने वाली) पाई गई बैलेट यूनिट (बीयू), कंट्रोल यूनिट (सीयू) एवं वीवीपैट मशीनों को सुरक्षित रखने के लिए अलग स्ट्रांग रूम में रखा गया था। गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी जोगिंदर सिंह की उपस्थिति में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष उक्त स्ट्रांग रूम को नियमानुसार खोला गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी जोगिंदर सिंह ने बताया कि एफएलसी के दौरान नॉन-फंक्शनल पाई गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत पहले जनपद रामपुर भेजा जा रहा है। वहां इन मशीनों को केंद्रीय रूप से एकत्रित किया जाएगा, जिसके उपरांत इन्हें हैदराबाद भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ईवीएम एवं वीवीपैट से संबंधित समस्त कार्यवाही पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संपन्न कराई जा रही है। स्ट्रांग रूम खोले जाने के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया एवं की गई कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

शकुन्तला महाविद्यालय, नूरपुर रोड, चांदपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर भव्य सेमिनार का सफल आयोजन

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर



चांदपुर। शकुन्तला महाविद्यालय, नूरपुर रोड, चांदपुर में आज एक शानदार एवं ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के फायदे तथा नुकसान, हम अपनी स्किल को कैसे बढ़ाएं और मोटिवेशनल स्पीच'।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिस्टर के० गिरी रहे, जबकि कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर वंशिका यादव रहीं। दोनों विद्वानों ने छात्र-छात्राओं को बड़े ही सरल, रोचक और प्रेरणादायक अंदाज में समझाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य को कैसे बदल रहा है।

मुख्य अतिथि ने बताया कि ए०आई० से हमारा काम आसान हुआ है, लेकिन अगर हम इस पर पूरी तरह निर्भर हो गए तो हमारी अपनी सोचने की शक्ति कम हो जाएगी। इसलिए ए०आई० को अपना नौकर बनाइए, मालिक मत बनाइए। अपनी स्किल को रोज बढ़ाइए, क्योंकि डिग्री से ज्यादा आज स्किल की कीमत है।

वंशिका यादव जी ने मोटिवेशनल स्पीच में अपने विचार रखें । सेमिनार में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निदा, देवेश लंबा, लव कुमार, सलोनी, अलीशा, अमन, दीया, मोहम्मद अली, मोहम्मद आदिल, टीना, पायल आदि छात्र-छात्राओं ने प्रश्न पूछकर और अपने विचार रखकर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० एच० जी० पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा - ए०आई० युग में वही छात्र आगे बढ़ेगा, जो तकनीक के साथ-साथ अपने संस्कार और अपनी स्किल को भी साथ लेकर चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मनोज कुमार, उप प्राचार्या डॉ० शिवानी शर्मा, बी०एड० डिपार्टमेंट के प्रभारी नरेश कुमार, मितुल कुमार, हर्षी अग्रवाल, पारुल राव, नैंसी त्यागी, स्वाति शर्मा, गुंजन शर्मा, अमित कुमार, अमित चौहान, अभिषेक अग्रवाल सहित समस्त शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे ए०आई० का सदुपयोग करेंगे और अपनी स्किल को बढ़ाकर अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करेंगे।

'FTA का ज्यादा फायदा उठा रहे साझेदार देश, बोले RBI गवर्नर: भारतीय निर्यातक भी अपने लिए मौके तलाशें

भारतीय निर्यात का महज 20 से 30 फीसदी हिस्सा ही देश के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत मिलने वाली शुल्क में छूट का लाभ उठा रहा है। लेकिन साझेदार देशों से भारत को किए जाने वाले निर्यात में 60 से 70 फीसदी हिस्सा इन समझौतों का फायदा उठा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यह बात कही। उन्होंने उद्योगों से आग्रह किया कि वे अपने उत्पाद से संबंधित मुक्त व्यापार समझौतों की जानकारी हासिल करें। मल्होत्रा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को घरेलू बाजार से आगे बढ़कर विदेशी बाजारों में अवसर तलाशने चाहिए और इन समझौतों का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए। एसएमई फाइनैंस ऐंड इन्वेस्टमेंट समिट में मल्होत्रा ने कहा, हम इस अवसर का पूरा फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रम आधारित एमएसएमई क्षेत्र व्यापार से मिलने वाले लाभ को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत ने ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड सहित कई देशों के साथ एफटीए किए हैं। मल्होत्रा ने कहा, घरेलू बाजार से आगे बढ़कर देखें। भारत के महज 20 से 30 फीसदी पात्र निर्यातक ही एफटीए के तहत कम शुल्क दरों का लाभ उठा रहे हैं। साझेदार देशों से भारत को किए जाने वाले निर्यात के मामले में यह आंकड़ा 60 से 70 फीसदी है। उन्होंने एमएसएमई से गुणवत्ता, मानकों और प्रमाणन में निवेश करने को कहा ताकि वे विदेशी बाजारों तक पहुंच बना सकें। उन्होंने कहा कि भारत के बढ़ते एफटीए नेटवर्क से एमएसएमई को नए बाजारों तक पहुंच, कम लागत पर बेहतर कच्चा माल और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में विशेषज्ञता हासिल करने के अवसर मिल रहे हैं।

मल्होत्रा ने कहा कि महामारी के बाद भारत की 7.4 फीसदी से अधिक आर्थिक वृद्धि में एमएसएमई का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने इस क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के कम इस्तेमाल पर चिंता जताई। भारत में करीब 15 फीसदी एमएसएमई ही एआई को अपना रहे हैं जबकि चीन, अमेरिका और जर्मनी में इसका इस्तेमाल अधिक है। उन्होंने एक हालिया सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा 76 फीसदी एमएसएमई किसी न किसी रूप में एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और महज 5 फीसदी ने इसे अपने कामकाज का मुख्य हिस्सा बनाया है।

उन्होंने कहा, ह्यएक अनुमान के अनुसार, एआई एमएसएमई क्षेत्र के लिए 490 से 685 अरब डॉलर का आर्थिक मूल्य सृजित कर सकता है। मल्होत्रा से जब पूछा गया कि ऋण को गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घोषित करने की 90 दिन की अवधि बढ़ाकर 180 दिन करने की उद्योग की मांग पर उनकी क्या राय है तो उन्होंने कहा कि बैंक से भुगतान की अवधि बढ़ाने पर बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा, अगर आप भुगतान की अवधि बढ़ा लेते हैं तो 90 दिन की अवधि भी बाद में शुरू होगी। मल्होत्रा ने बैंकों से उद्यमियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए शाखाओं में अलग व्यवस्था बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऋण भरोसे पर दिया जाता है। बैंकों को कारोबार और उससे जुड़े लोगों को समझना चाहिए। उन्हें उद्यमों की जरूरतों, क्षमताओं और ऋण चुकाने की क्षमता का आकलन करने में अधिक समय देना चाहिए। सितंबर 2026 में समाप्त 12 महीनों के दौरान एमएसएमई को बैंक ऋण में सालाना आधार पर 27 फीसदी की वृद्धि हुई जबकि कुल बैंक ऋण 19.4 फीसदी बढ़ा। पिछले पांच वर्षों के दौरान एमएसएमई ऋण में सालाना औसतन करीब 19 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़त हुई है। बकाया ऋण सितंबर 2021 के 17.97 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर 2026 में 42.89 लाख करोड़ रुपये हो गया।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, ह्यऋण की कमी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है लेकिन इसमें काफी तेजी से कमी आई है।

मदरसा शिक्षा परिषद की मुंशी/मौलवी एवं आलिम परीक्षा वर्ष-2027 के ऑनलाइन आवेदन की समय - सारिणी निर्धारित

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर 27 नवबंर 2026 । जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोमिन हसन ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा अरबी-फारसी की मुंशी/मौलवी (सेकेण्ड्री अरबी-फारसी) एवं आलिम (सीनियर सेकेण्ड्री अरबी-फारसी) परीक्षा वर्ष-2027 के आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरे जाने के संबंध में समय-सारिणी निर्धारित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मदरसों के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या द्वारा छात्र-छात्राओं के परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरने की प्रक्रिया 23 नवंबर 2026 से प्रारम्भ हो चुकी है। परीक्षा वर्ष-2027 हेतु निर्धारित परीक्षा शुल्क ट्रेजरी चालान के माध्यम से राजकीय कोष में जमा करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं के ऑनलाइन परीक्षा आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2026 निर्धारित है। मदरसों के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या द्वारा नियमानुसार मदरसा पोर्टल पर आवेदन पत्रों को लॉक करने की अंतिम तिथि 17 दिसंबर 2026 तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा संदिग्ध डाटा को सम्मिलित करते हुए आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर लॉक करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त मदरसों के प्रधानाचार्यों/ प्रधानाचायाओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार छात्र-छात्राओं के परीक्षा आवेदन पत्र भरने एवं उन्हें पोर्टल पर लॉक करने की कार्यवाही समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी छात्र-छात्रा को परीक्षा आवेदन से वंचित न होना पड़े।

मदरसा शिक्षा परिषद की मुंशी/मौलवी एवं आलिम परीक्षा वर्ष-2027 के ऑनलाइन आवेदन की समय-सारिणी निर्धारित

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर 27 नवबंर 2026 । जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोमिन हसन ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा अरबी-फारसी की मुंशी/मौलवी (सेकेण्ड्री अरबी-फारसी) एवं आलिम (सीनियर सेकेण्ड्री अरबी-फारसी) परीक्षा वर्ष-2027 के आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरे जाने के संबंध में समय-सारिणी निर्धारित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मदरसों के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या द्वारा छात्र-छात्राओं के परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरने की प्रक्रिया 23 नवंबर 2026 से प्रारम्भ हो चुकी है। परीक्षा वर्ष-2027 हेतु निर्धारित परीक्षा शुल्क ट्रेजरी चालान के माध्यम से राजकीय कोष में जमा करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं के ऑनलाइन परीक्षा आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2026 निर्धारित है। मदरसों के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या द्वारा नियमानुसार मदरसा पोर्टल पर आवेदन पत्रों को लॉक करने की अंतिम तिथि 17 दिसंबर 2026 तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा संदिग्ध डाटा को सम्मिलित करते हुए आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर लॉक करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त मदरसों के प्रधानाचार्यों/प्रधानाचायाओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार छात्र-छात्राओं के परीक्षा आवेदन पत्र भरने एवं उन्हें पोर्टल पर लॉक करने की कार्यवाही समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी छात्र-छात्रा को परीक्षा आवेदन से वंचित न होना पड़े।

छात्र से मारपीट के आरोप में मौलाना की सेवाएं समाप्त, समिति सदस्य को नोटिस

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। ग्राम हर्षवाडा स्थित मदरसा जामिया अरबिया शमशुल उलूम में छात्र से मारपीट के आरोप के मामले में प्रबंधन समिति ने संबंधित मौलाना की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। वहीं, समिति के सदस्य हाफिज फैयाजुद्दीन को प्रस्ताव में कथित अनधिकृत बदलाव और अभिलेखों से छेड़छाड़ के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा गया है। प्रबंधन समिति के अनुसार, मदरसे के एक छात्र के साथ मारपीट में उसके हाथ में गंभीर चोट आई थी। चिकित्सकीय जांच और एक्स-रे में फ्रैक्चर का उल्लेख होने के बाद समिति ने मामले को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए 24 नवंबर से संबंधित मौलाना की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया। वहीं, 23 नवंबर को हुई समिति की बैठक में सेवा समाप्ति संबंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के दौरान सदस्य हाफिज फैयाजुद्दीन पर प्रस्ताव में कथित तौर पर काट-छांट करने और अनधिकृत बदलाव करने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही गई है। दोनों पत्र मदरसे के नायब सचिव (कार्यवाहक सचिव) शमशुल हई की ओर से जारी किए गए हैं। पत्रों की प्रतिलिपि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, बिजनौर को भी भेजी गई है। यह मामला प्रबंधन समिति द्वारा जारी पत्रों पर आधारित है, जबकि सदस्य पर लगाए गए आरोपों पर उनका पक्ष सामने आना बाकी है।

बागपत मिल के 27 गांवों के किसानों का गन्ना भी दूसरी मिलों में भेजने की मांग

विधायक योगेश धामा ने गन्ना आयुक्त को लिखा पत्र, गेहूं की बुवाई प्रभावित होने का दिया हवाला

समाज जागरण

बागपत। बागपत चीनी मिल की पावर टरबाइन क्षतिग्रस्त होने से पेराई कार्य बंद होने के बाद किसानों की परेशानी बढ़ गई है। किसानों को राहत दिलाने के लिए बागपत सदर विधायक योगेश धामा ने गन्ना आयुक्त एवं चीनी उद्योग उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर मिल गेट से जुड़े 27 गांवों के किसानों का गन्ना भी आसपास की दूसरी चीनी मिलों में भिजवाने की मांग की है। विधायक ने पत्र में बताया कि बागपत चीनी मिल को इस पेराई सत्र में गेट सहित कुल 35 गन्ना क्रय केंद्र आवंटित किए गए थे। इनका कुल गन्ना क्षेत्रफल 13,711 हेक्टेयर है। मिल ने 13 नवंबर 2026 से पेराई शुरू की थी, लेकिन 25 नवंबर की सुबह करीब 4:40 बजे पावर टरबाइन क्षतिग्रस्त होने से पेराई कार्य बाधित हो गया। इसके बाद गन्ना आयुक्त ने मिल के 34 क्रय केंद्रों का गन्ना अस्थायी रूप से आसपास की दूसरी चीनी मिलों को आवंटित कर दिया है। विधायक ने बताया कि मिल गेट से जुड़े 27 गांवों के किसानों का गन्ना अभी दूसरी मिलों में भेजने की व्यवस्था किया जाना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में छोटे किसान अधिक हैं। गन्ने की कटाई और आपूर्ति में देरी होने से किसानों के सामने गेहूं की बुवाई का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने मिल दोबारा चालू होने तक इन गांवों के किसानों का गन्ना भी नजदीकी चीनी मिलों में भेजने की व्यवस्था करने की मांग की है।

शाहमल स्टेडियम में खेल सुविधाओं का टोटा , युवाओं में आक्रोश

समाज जागरण



बड़ौत। बाबा शाहमल स्टेडियम में खेल सुविधाओं की बदहाली को लेकर समाजसेवी मोहित चौहान ने शुक्रवार को स्टेडियम का दौरा किया और अभ्यास कर रहे युवाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। युवाओं ने बताया कि स्टेडियम में मानक सिंथेटिक ट्रैक आज तक नहीं बन पाया है। ट्रैक के नाम पर बिछाई गई रबड़ की टाइलें जगह-जगह से उखड़ी और असमतल हैं। इस पर दौड़ने से युवाओं को घुटनों के दर्द, शिन पेन और अन्य गंभीर चोटों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सेना व पुलिस भर्ती की तैयारी प्रभावित हो रही है। स्टेडियम में बनी शूटिंग रेंज भी लंबे समय से बंद पड़ी है। करोड़ों की लागत से बनी इस बिल्डिंग का लाभ खिलाड़ियों को नहीं मिल रहा है। बागपत-बड़ौत में निशानेबाजी की अपार प्रतिभा होने के बावजूद न कोच है, न बुनियादी सुविधा। युवाओं का कहना है कि वे कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। मोहित चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवा दिन-रात मेहनत कर देश सेवा और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी करते हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधा तक नहीं मिल रही। ट्रैक के नाम पर उखड़े टुकड़े बिछाना और शूटिंग रेंज पर ताला लगाना युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द उच्च गुणवत्ता वाला सिंथेटिक ट्रैक बनवाया जाए और शूटिंग रेंज चालू कर योग्य कोच नियुक्त किया जाए। मांग पूरी न होने पर युवाओं के हक के लिए बड़ा जन-आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस दौरान दर्जनों युवा खिलाड़ी मौजूद रहे।

स्मार्ट वैल्यू लिमिटेड ने लगाया निःशुल्क भंडारा, हजारों लोगों ने ग्रहण किया भोजन प्रसाद

व्यापार संघ अध्यक्ष देवेंद्र चौहान अतिथि के रूप में रहे मौजूद, कंपनी की टीम ने संभाली आयोजन की जिम्मेदारी

समाज जागरण

मोदीपुरम। स्मार्ट वैल्यू लिमिटेड की ओर से शुक्रवार को रुड़की रोड स्थित इंद्रलोक कॉलोनी के निकट मंदिर ब्लॉक कॉम्प्लेक्स में निःशुल्क भोजन वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हजारों लोगों ने पहुंचकर भोजन प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में पल्लवपुरमझरुड़की रोड व्यापार संघ



के अध्यक्ष देवेंद्र चौहान अपने पदाधिकारियों संरक्षक पूरण चंद सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण सैनी, उपाध्यक्ष धीरज चावला, उपाध्यक्ष रवि खुराना, उपाध्यक्ष जफर सैफी के साथ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंदों और आमजन के लिए इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सहयोग और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। स्मार्ट वैल्यू लिमिटेड की ओर से कंपनी के डीजीएम हिमांशु टिक्कू, प्रमोद गहलोत और अब्दुल वाहिद ने व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। शिविर के सफल आयोजन में कंपनी के टीम लीडर सूरज शर्मा, पुष्पेंद्र पाली, रवि शर्मा, मनोज कुमार सहित पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

तीन सहकारी समितियों में 51 करोड़ 22 लाख रुपये की फसली ऋण सीमा निर्धारित

-लहचौड़ा, फिरोजपुर और सिंगौलीतगा की बी-पैक्स समितियों की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक में किसानों के हितों पर चर्चा

-ठेके की जमीन पर खेती करने वाले किसानों को भी खाद देने, गोदामों की मरम्मत और नई बैंक शाखा खोलने के प्रस्ताव पारित

समाज जागरण



बागपत। खेकड़ा क्षेत्र की तीन बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों में आयोजित वार्षिक सामान्य निकाय की बैठकों में किसानों के लिए आगामी फसली सीजन की ऋण व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बी-पैक्स लहचौड़ा, फिरोजपुर और सिंगौली तगा समितियों ने कुल 51 करोड़ 22 लाख रुपये की अधिकतम फसली ऋण सीमा निर्धारित की। बैठकों में खाद की उपलब्धता आसान बनाने, गोदामों की मरम्मत और नई बैंक शाखा खुलवाने के प्रस्ताव भी रखे गए। साथ ही ठेके की जमीन पर खेती करने वाले किसानों को भी उर्वरक उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। बी-पैक्स लहचौड़ा मुख्यालय खैला की बैठक सभापति कृष्णपाल चौधरी की अध्यक्षता और सचिव नेपाल सिंह के संचालन में हुई। इसमें किसान क्रेडिट कार्ड के तहत फसली ऋण के लिए सात करोड़ 30 लाख रुपये की अधिकतम सीमा तय की गई। पवन बालियान ने खाद वितरण प्रक्रिया सरल बनाने तथा सुभाष प्रधान खैला ने ठेके की जमीन पर खेती करने वाले किसानों को भी खाद उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। सभापति ने किसानों से समय पर ऋण लेने और उसका भुगतान करने की अपील की। बैठक में कोडीराम संचालक, वेद सिंह प्रधान, पवन, राधेश्याम, शिवदत्त शर्मा, शीशपाल, महावीर और सुधीर कुमार आदि मौजूद रहे। बी-पैक्स फिरोजपुर की बैठक सभापति प्रमोद बंसल की अध्यक्षता में हुई। सचिव नेपाल सिंह ने संचालन किया। इसमें 21 करोड़ 32 लाख रुपये की फसली ऋण सीमा निर्धारित की गई। श्रीपाल डायरेक्टर ने खाद की उपलब्धता बढ़ाने, ब्रह्मदत्त मास्टर ने जर्जर उर्वरक गोदाम की मरम्मत कराने और दर्शन पंडित ने ठेके पर ली गई जमीन पर खेती करने वाले किसानों को भी खाद देने का प्रस्ताव रखा। सभापति ने बताया कि बकाया ऋण जमा करने के बाद किसान दोबारा सात प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण ले सकते हैं। इससे उन्हें चार प्रतिशत ब्याज अनुदान का लाभ मिलेगा। उन्होंने किसानों से समय पर बकाया जमा करने की अपील की। वहीं, बी-पैक्स सिंगौलीतगा की बैठक सभापति सतीश त्यागी की अध्यक्षता और प्रबंध निदेशक सचिव विकास शर्मा के संचालन में हुई। इसमें समिति की 22 करोड़ 60 लाख रुपये की अधिकतम ऋण सीमा निर्धारित की गई। पूर्व चेयरमैन रविशंकर शर्मा ने समिति की चारदीवारी कराने और पूर्व संचालक आजादवीर ने क्षेत्र में नई बैंक शाखा खुलवाने का प्रस्ताव रखा। मांगेराम जाटव ने किसानों से बकाया ऋण जमा करने का आग्रह किया। बैठक में महेश त्यागी, पवन शर्मा, सुकेंद्र और हरीश आदि शामिल रहे।

चीनी मिल की टर्बाइन खराब होने पर भाकियू नेता ने उठाए सवाल, तीन साल के खर्च की जांच की मांग

समाज जागरण

बागपत। बागपत सहकारी चीनी मिल की टर्बाइन में खराबी आने के बाद मशीनों के रखरखाव और मरम्मत पर हुए खर्च को लेकर भाकियू एनसीआर महासचिव प्रदीप धामा ने सवाल उठाए हैं। शुक्रवार को उन्होंने डीएम दिव्यांशु पटेल से पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान मिल में मशीनों, टर्बाइन और अन्य संयंत्रों की मरम्मत व कलपुर्जों की खरीद पर हुए खर्च की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के खर्च की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि खरीद आदेश, निविदा, कोटेशन, बिल-वाउचर और भुगतान के अभिलेखों का मिलान कराया जाए। साथ ही कलपुर्जे आपूर्ति करने वाली फर्मों के चयन और खरीद प्रक्रिया की भी जांच हो। टर्बाइन की पिछले तीन वर्षों की सर्विसिंग और हालिया खराबी का तकनीकी परीक्षण कराने, मिल को हुए आर्थिक नुकसान तथा बंद रहने की अवधि का आकलन करने की मांग की। इसके अलावा रखरखाव के लिए निर्धारित बजट और वास्तविक खर्च का मिलान कर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका तय करने को कहा। जांच में अनियमितता या लापरवाही मिलने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और नुकसान की वसूली कराई जाए। साथ ही जांच रिपोर्ट की प्रति भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि चीनी मिल हजारों गन्ना किसानों की आजीविका से जुड़ी है, इसलिए इसके सुचारु संचालन और पारदर्शिता के लिए जांच जरूरी है। इन्हीं बिंदुओं पर भाकियू एनसीआर महासचिव और गन्ना समिति के निदेशक ने आरटीआई से सूचना भी मांगी है।

तीन दिवसीय विशेष नेत्र जांच शिविर प्रारंभ, 48 की जांच, 4 के ऑपरेशन , 12 को चश्मा

समाज जागरण

बागपत। लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र अग्रवाल मंडी टटीरी में नेत्र रोगियों की सुविधा के लिए तीन दिवसीय विशेष नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया



गया। शिविर में डॉक्टर दीपक शर्मा ने 48 रोगियों की जांच की। चार को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। 12 रोगियों को चश्मा प्रदान किए गए। शिविर के मुख्य संयोजक दृष्टि दूत एमजेएफ लायन अभिमन्यु गुप्ता ने बताया कि यह शिविर आयुष्मान कार्ड धारकों को विशेष सुविधा प्रदान करने के लिए लगाया गया है। क्योंकि प्राइवेट में 30 नवंबर तक आयुष्मान कार्ड से निशुल्क ऑपरेशन करने की सुविधा मिलेगी। उसके बाद सरकारी अस्पताल में ऑपरेशन करने पड़ेंगे। इसलिए अधिक से अधिक स्त्री-पुरुषों से लाभ उठाने की अपील करते हुए इस शिविर का लाभ उठाने का आग्रह किया।

बसी में 29 नवंबर को होगा सीनियर पुरुष कबड्डी टीम का चयन

-चयनित खिलाड़ी 53वीं सीनियर पुरुष कबड्डी राज्य चौंपियनशिप में करेंगे प्रतिभाग

-स्टेट चैम्पियनशिप में दम दिखाएंगे खिलाड़ी

-कंवरसैन नैन एकेडमी में दोपहर 12 बजे से होंगे चयन ट्रायल

समाज जागरण



बागपत। बागपत जनपद के कबड्डी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलने जा रहा है। जिला कबड्डी एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी 29 नवंबर को बसी गांव स्थित कंवरसैन नैन एकेडमी में सीनियर पुरुष कबड्डी टीम की चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जनपद की टीम में जगह मिलेगी और वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बागपत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह और सचिव वंदना सरगम ने बताया कि चयन प्रतियोगिता रविवार को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। ट्रायल में चयनित खिलाड़ी छह और सात दिसंबर को बसी गांव में ही आयोजित होने वाली 53वीं सीनियर पुरुष कबड्डी राज्य चैम्पियनशिप जोन-बी में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि चयन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का बागपत जनपद का निवासी होना अनिवार्य है। खिलाड़ियों को ट्रायल के दौरान अपना आधार कार्ड, पहचान पत्र और कबड्डी फेडरेशन का पंजीकरण कार्ड साथ लाना होगा। उन्होंने जनपद के योग्य खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में चयन प्रतियोगिता में पहुंचने की अपील की। उधर, बसी गांव में राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन और जनपद की टीम के चयन की तैयारियों को लेकर खिलाड़ियों और ग्रामीणों में उत्साह बना हुआ है।

गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प यात्रा में शामिल होने मेरठ रवाना हुए भाजपा कार्यकर्ता

समाज जागरण

बागपत। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर रामलीला मैदान, दिल्ली रोड, मेरठ में आयोजित विशाल समरसता संकल्प यात्रा एवं जनसभा में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए बागपत से भाजपा



कार्यकर्ताओं का काफिला मेरठ के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर कुलदीप भारद्वाज जिला उपाध्यक्ष भाजपा बागपत ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज का संपूर्ण जीवन समानता, सामाजिक समरसता, मानवता और भाईचारे की प्रेरणा देता है। उनके विचार हमें जाति, भेदभाव और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर एक ऐसे समाज के निर्माण का संदेश देते हैं, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और समान अधिकार प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी के आदर्श केवल स्मरण करने के लिए नहीं बल्कि जीवन में अपनाने के लिए हैं। सामाजिक एकता, समरसता और भाईचारे को मजबूत करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर दिनेश प्रधान मंडल अध्यक्ष, सत्येंद्र मौर्य क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य, सोनवीर नैन, सतेंद्र नैन, प्रमोद ऋषि, पाल रामकुमार, डॉ. रामदिया, जीत सिंह, अनिल भूरा आदि उपस्थित रहे।

मोबाइल लूट के 24 घंटे के भीतर पुलिस का शिकंजा, मुठभेड़ में दो आरोपी घायल

-गंदराऊ के जंगल में पुलिस पर फायरिंग करने का आरोप, जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में लगी गोली

-छीना गया मोबाइल, दो अवैध तमंचे और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

-सलमान पर गैंगस्टर एक्ट समेत 11 और तस्लीम पर तीन मुकदमे दर्ज

समाज जागरण



कैराना। नगर में मोबाइल छीनने की वारदात के 24 घंटे के भीतर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गंदराऊ के जंगल में आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन, अवैध असलहे और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। नगर के मोहल्ला पिपलोतला निवासी कलीम पुत्र अय्यूब गुरुवार शाम करीब साढ़े छह बजे गोल्ड प्लाजा से मोबाइल फोन पर बात करते हुए अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सुशील स्पेयर पार्ट्स की दुकान के सामने बाइक सवार दो युवकों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया था। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया था। शुक्रवार दोपहर अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी हेमंत कुमार के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस और बाइक सवार दो संदिग्धों के बीच गंदराऊ के जंगल में मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग करने की बात कही है, जिसमें दोनों आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मोहल्ला पीरजादगान निवासी सलमान उर्फ भैया पुत्र सलीम और मोहल्ला छड़ियान निवासी तस्लीम पुत्र सलीम हैं। उनके कब्जे से छीना गया सैमसंग मोबाइल फोन, दो अवैध तमंचे, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने बताया कि प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

लूट, चोरी और गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज हैं मुकदमे

पुलिस के मुताबिक, सलमान उर्फ भैया के विरुद्ध कैराना, शामली और झिंझाना थानों में लूट, चोरी, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत वर्तमान प्रकरण को मिलाकर 11 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, तस्लीम के विरुद्ध वर्तमान प्रकरण समेत तीन मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार, उपनिरीक्षक राहुल कुमार और अशोक कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

अतिक्रमण की गिरफ्त में कैराना के बाजार, रोजाना जाम से जूझ रहे व्यापारी और खरीदार

-दुकानों के आगे अतिक्रमण, रेहड़ियों और अनावश्यक ई-रिक्शाओं की आवाजाही से बिगड़े हालात

समाज जागरण



कैराना। नगर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण और जाम की समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। दुकानों के आगे अवैध अतिक्रमण, रेहड़ियों और ई-रिक्शाओं की अनावश्यक आवाजाही के चलते बाजारों में पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। जाम के कारण व्यापारियों के साथ-साथ खरीदारी करने आने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर के शामली बस स्टैंड से लेकर चौक बाजार, जोड़वा कुआं, मेंढकी दरवाजा, मीना बाजार, निर्मल चौराहा और जामा मस्जिद बाजार तक जाम की समस्या बनी हुई है। एक ओर जहां मुख्य मार्ग पर जाम से राहत है, वहीं अंदरूनी बाजारों में स्थिति विकट बनी हुई है। बाजारों में अतिक्रमण के चलते रास्ते संकरे हो गए हैं। ऐसे में ई-रिक्शाओं की आवाजाही समस्या को और बढ़ा रही है।व्यापारी सोनू बंसल का कहना है कि बाजार में अवैध अतिक्रमण के चलते प्रतिदिन विकट हालात उत्पन्न हो रहे हैं। व्यापारी संजय राजवंशी ने बताया कि शामली बस स्टैंड से ही जाम की समस्या शुरू हो जाती है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं, व्यापारी अभिषेक ने भी पुलिस-प्रशासन से जाम की समस्या का समाधान कराने की मांग की है। व्यापारियों की मांग है कि बाजारों को अतिक्रमण मुक्त कराने के साथ ही ई-रिक्शाओं की अनावश्यक आवाजाही पर अंकुश लगाया जाए, ताकि व्यापारियों और खरीदारों को जाम की समस्या से निजात मिल सके। अब देखना यह है कि पुलिस-प्रशासन बाजारों की

दूल्हे के पिता अजय संगल को विवाह उत्सव पर समाजसेवी ने भेंट किया पौधा

समाज जागरण

शामली। नगर स्थित पुष्पराज हेरिटेज में आयोजित रिद्धि एवं अंशुल सुपुत्र रेखा संगल-अजय संगल निवासी शामली के विवाह उत्सव में सामाजिक संस्था आँखें द्वारा संचालित विवाह संस्कार में पौधारोपण संस्कार अभियान के तहत पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए समाजसेवी आरआरडी उपाध्याय ने समाजसेवी एवं उद्यमी अजय संगल को गुड़हल का पौधा भेंट कर पौधारोपण का संकल्प दिलाया। समाजसेवी आरआरडी उपाध्याय ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हमारी जागरूकता उतनी ही महत्वपूर्ण



है, जितनी सृष्टि के संचालन में सूर्य की। जैसे सूर्य के बिना सौरमंडल का कोई अस्तित्व नहीं, उसी प्रकार प्रदूषित पर्यावरण व पेड़-पौधों के बिना जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। इसीलिए पर्यावरण के प्रति जागरूकता हमारा नैतिक कर्तव्य है। समाजसेवी अजय संगल ने आँखें द्वारा संचालित पौधारोपण अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि विवाह संस्कार में पौधारोपण संस्कार अभियान हम सबके लिए प्रेरणा है। यह अभियान मानव कल्याण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। ऐसे अभियानों को प्रोत्साहित करना हम सब की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मुख्य रूप से रेखा संगल, विनय कुमार आर्य, अभय संगल, निखिल कुमार, रोबिन, युवराज उपाध्याय, प्रिया उपाध्याय, रानी उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

डीके कॉन्वेंट में कक्षा दो और तीन के विद्यार्थियों ने दिखाई खेल प्रतिभा

-कॉन रेस, म्यूजिकल चेयर्स और कलेक्ट द बॉल रॉल रेस में बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

-स्कूल प्रबंधन ने की विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने की घोषणा

समाज जागरण



कैराना। नगर के डीके कॉन्वेंट स्कूल में शुक्रवार को ग्रुप-सी की खेल प्रतियोगिताओं का उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ। कक्षा दो और तीन के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल स्पधाओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। नन्हे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा दो की कॉन रेस प्रतियोगिता में आलिया और उवैश ने प्रथम, सिया और अभिनव ने द्वितीय तथा रुद्राक्षी और शिवम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, म्यूजिकल चेयर्स प्रतियोगिता में दिपांशी और सूरज प्रथम, सिया और तैयब द्वितीय तथा महनूर और उवैश तृतीय स्थान पर रहे। इसी क्रम में कक्षा तीन की कॉन रेस प्रतियोगिता में मीत और अब्दुल समद ने प्रथम, रूद्र और वैष्णवी ने द्वितीय तथा अरनव वर्मा और अक्षरा वर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। कलेक्ट द बॉल रॉल रेस में रिया और अब्दुल समद प्रथम, अलिजा और फरहान द्वितीय तथा अक्षरा और सरस तृतीय स्थान पर रहे। स्कूल कोऑर्डिनेटर कमलेश कुमार की देखरेख में खेल प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। स्कूल प्रबंधक एसके गोयल और प्रधानाचार्य राजकुमार सेन ने संयुक्त रूप से सभी विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने की घोषणा की। प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन में स्कूल डायरेक्टर दीपिका गुप्ता, गीता रानी, कमलेश कुमार, अमृत गोयल, नितिन कुमार, अनिता भारती और अंकिता सैनी आदि का विशेष सहयोग रहा।

बड़ौत में आज वीरांगना एवं भूतपूर्व सैनिक सम्मान समारोह, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी होगा आयोजन

समाज जागरण

बड़ौत। देश की रक्षा और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले वीर सैनिकों एवं वीरांगनाओं के सम्मान में चौ. केहर सिंह एजुकेश नल ट्रस्ट एवं बड़ौत मेडिसिटी हॉस्पिटल द्वारा विशेष सम्मान समारोह एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह गौरवपूर्ण कार्यक्रम शनिवार, आज दोपहर 12:00 बजे बड़ौत मेडिसिटी हॉस्पिटल परिसर, कोताना रोड, बड़ौत में आयोजित होगा। कार्यक्रम में वीरांगनाओं एवं भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन होगा।कार्यक्रम में सम्मान एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत विशेष प्रस्तुतियां होंगी। दोपहर 1:00 बजे भोजन की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी वीरांगनाओं, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र
200 रुपये रोज मे।

बिसरख के डूब क्षेत्र में प्राधिकरण का बुलडोजर, 12 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त

अवैध प्लॉटिंग के लिए बनाई जा रही बाउंड्री ध्वस्त, जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से जानकारी लेने की अपील

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बिसरख के डूब क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 12 हजार वर्ग मीटर जमीन को मुक्त कराया है। शुक्रवार को प्राधिकरण की टीम ने अवैध प्लॉटिंग के उद्देश्य से बनाई जा रही बाउंड्री को ध्वस्त कर दिया।

प्राधिकरण के अनुसार, कार्रवाई बिसरख क्षेत्र के खसरा संख्या 341 और 357 की जमीन पर की गई। कालोनाइजर डूब क्षेत्र में बाउंड्री बनाकर अवैध रूप से भूखंड काटने



का प्रयास कर रहे थे। प्राधिकरण की टीम ने निर्माण हटाकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। एसीईओ सुमित यादव ने कहा कि प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण की अनुमति नहीं है। अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर भूमि की स्थिति और वैधता की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। अवैध कॉलोनियों में निवेश कर अपनी मेहनत की कमाई जोखिम में न डालें।

ग्रेटर नोएडा में प्रतिबंधित पॉलिथीन के खिलाफ अभियान, 16 हजार रुपये जुमार्ना

दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी संचालकों को किया जागरूक, नियम तोड़ने वालों से पॉलिथीन जब्त

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। शहर को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता और जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पॉलिथीन जब्त की गई और करीब 16 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। प्राधिकरण के अनुसार, कासना, सेक्टर डेल्टा-1 मार्केट सहित ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण किया गया। दुकानदारों, नागरिकों और रेहड़ी-पटरी संचालकों को प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण में



सहयोग करने के लिए जागरूक किया गया। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी संचालकों से प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की गई। खुले में कूड़ा डालने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने नागरिकों और व्यापारियों से प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े, जूट तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की। प्राधिकरण का कहना है कि नियमित जागरूकता और कार्रवाई से प्लास्टिक प्रदूषण कम करने तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए ग्रेनो प्राधिकरण ने तेज की कार्रवाई

11 हॉटस्पॉट पर निगरानी, 21 टीमें तैनात; 100 उल्लंघनकर्ताओं पर 5.28 करोड़ रुपये जुमार्ना

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। शहर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने विशेष अभियान तेज कर दिया है। प्राधिकरण ने 11 प्रदूषण हॉटस्पॉट पर निगरानी बढ़ाने और अगले दो माह तक नियमित कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। धूल नियंत्रण के लिए 21 टीमें गठित की गई हैं।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. बलकार सिंह ने प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा करते हुए चिह्नित स्थानों पर सफाई, सड़क धुलाई और धूल नियंत्रण के निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने गौड़ चौक अंडरपास, मकौड़ा गोलचक्कर, तिलपता गोलचक्कर तथा अन्य स्थानों को हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किया है।

प्राधिकरण के मुताबिक, धूल प्रभावित सड़कों



पर 107 वाटर टैंकर और 32 ट्रक व एंटी स्मॉग गन से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। सड़कों की सफाई के लिए 14 यांत्रिक सफाई मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों को सफाई से पहले और बाद की तस्वीरों का अभिलेख रखने के निर्देश दिए गए हैं।

वर्ष 2026 में प्रदूषण और ग्रेप नियमों के उल्लंघन पर 100 लोगों के खिलाफ 5.28 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इसमें तैयार कंक्रीट मिश्रण संयंत्रों के 48 मामलों में 4.65 करोड़ रुपये का जुमार्ना शामिल है। निर्माण कार्यों, कूड़ा जलाने और अन्य उल्लंघनों पर भी कार्रवाई की गई है।

सीईओ ने जुमार्ने की वसूली सुनिश्चित करने और भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ वसूली प्रमाणपत्र जारी करने के निर्देश दिए। निर्माण स्थलों पर 247 एंटी स्मॉग गन, उचित घेराबंदी और वाहनों के पहियों की धुलाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। शहर में कूड़ा जमा होने वाले 56 स्थानों की सफाई और सौंदर्यीकरण के निर्देश भी दिए गए हैं।

शिक्षाविद मुकेश शर्मा समाजवादी पार्टी में शामिल

लखनऊ में अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की मौजूदगी में ग्रहण की सदस्यता

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। नोएडा के शिक्षाविद और समाजसेवी मुकेश शर्मा समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने लखनऊ में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर गौतमबुद्ध नगर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान, नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। पार्टी नेताओं ने मुकेश शर्मा का



स्वागत किया। मुकेश शर्मा शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहने के साथ नोएडा में सामाजिक और जनसेवा से जुड़े कार्यों में भी भाग लेते रहे हैं। हाल में उनके द्वारा आयोजित 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम चर्चा में रहा था, जिसमें वक्ता डॉ. कुमार विश्वास ने भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और मयार्दाओं से जुड़े प्रसंग प्रस्तुत किए थे।

मुकेश शर्मा के समाजवादी पार्टी में शामिल होने को नोएडा और गौतमबुद्ध नगर के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में एक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने पार्टी की सदस्यता लेकर अपनी नई राजनीतिक पारी की शुरूआत की है।

मथुरा जंक्शन का होगा कायाकल्प

प्लेटफार्म एक से हटेंगे रेलवे दफ्तर, तीसरी एंट्री पर 11 करोड़ की लागत से बनेंगे नए भवन

प्लेटफार्म 11 का भी होगा उच्चीकरण, भविष्य में सवारी गाड़ियों के ठहराव की बनेगी सुविधा

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए रेलवे प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर संचालित रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के सभी कार्यालयों को जल्द ही यहां से हटाया जाएगा। इन कार्यालयों को स्टेशन की तीसरी एंट्री पर मूवमेंट कंट्रोल ऑफिस (एमसीओ) के समीप स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए रेलवे करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से नए आधुनिक कार्यालय भवनों का निर्माण कराएगा।

गतिशक्ति यूनिट ने शुरू किया स्थलीय सर्वे

रेलवे प्रशासन ने नए कार्यालय भवनों के निर्माण की जिम्मेदारी गतिशक्ति यूनिट को सौंपी है। कार्यदायी संस्था ने प्रस्तावित स्थल पर निर्माण शुरू करने से पहले स्थलीय सर्वे का काम शुरू कर दिया है। सर्वे के माध्यम से निर्माण के लिए उपलब्ध भूमि और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं का आकलन किया जा रहा है।

सर्वे पूरा होते ही निर्माण कार्य की प्रक्रिया तेज की जाएगी। तीसरी एंट्री पर बनने वाले नए भवनों में विभिन्न



विभागों के कार्यालय एक ही छत के नीचे संचालित हो सकेंगे। इससे रेलवे के प्रशासनिक कार्यों को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। वहीं, प्लेटफार्म संख्या एक पर कार्यालयों के हटने से यात्रियों के आवागमन और सुविधाओं के विस्तार के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सकेगी।

जीआरपी और आरपीएफ थाने भी होंगे शिफ्ट

स्टेशन के पुनर्विकास की योजना के तहत प्लेटफार्म संख्या एक पर स्थित रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के थानों को भी हटाया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रखते हुए दोनों थानों को तीसरी एंट्री पर स्थानांतरित करने की योजना है।

इसके अतिरिक्त जीआरपी थाने के पीछे बनी पुलिस बैरक को भी वहां से हटाकर दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। रेलवे प्रशासन का उद्देश्य प्लेटफार्म संख्या एक पर यात्रियों के लिए अधिक जगह उपलब्ध कराना और स्टेशन परिसर की व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

प्लेटफार्म संख्या 11 पर भी रुकेंगी सवारी गाड़ियां

कार्यालय भवनों के निर्माण के साथ-साथ गतिशक्ति यूनिट प्लेटफार्म संख्या 11 के उच्चीकरण का कार्य भी करेगी। वर्तमान में इस प्लेटफार्म की लंबाई कम होने और यात्री सुविधाओं के अभाव के कारण इसका उपयोग मुख्य रूप से मालगाड़ियों के ठहराव के लिए किया जाता है।

उच्चीकरण के बाद प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाई जाएगी और आवश्यक यात्री सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे भविष्य में यहां सवारी गाड़ियों का ठहराव भी संभव हो सकेगा।

स्टेशन निदेशक मथुरा जंक्शन सुनील कुमार शर्मा के अनुसार, प्लेटफार्म संख्या एक पर बने कार्यालयों के साथ जीआरपी और आरपीएफ थानों को तीसरी एंट्री पर शिफ्ट करने की योजना है। प्लेटफार्म संख्या 11 का भी उच्चीकरण किया जाएगा। इन सभी कार्यों पर करीब 11 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

परखम में मुख्यमंत्री योगी आज करेंगे प्रकल्पों का लोकार्पण और शिलान्यास

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी करेंगे शिरकत

समाज जागरण संवाददाता

फरह (मथुरा)। दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के तत्वावधान में दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, गऊ ग्राम परखम में शनिवार को भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 10 बजे यहां निर्मित विभिन्न प्रकल्पों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस-प्रशासन तथा आयोजन समिति ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है।

इन प्रकल्पों की मिलेगी सौगात

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पशु आयुर्वेद एवं पारंपरिक ज्ञान में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का विमोचन करेंगे। इसके साथ ही आयुर्वेद और पंचगव्य अनुसंधान केंद्र तथा विद्यार्थियों के लिए







नवनिर्मित श्री नंदीश्वर छात्रावास का लोकार्पण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री द्वारा आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय, पशु चिकित्सालय महाविद्यालय और कर्मचारियों के लिए दो बीएचके आवासीय परिसर का शिलान्यास भी किया जाएगा। इन प्रकल्पों के माध्यम से पशु आयुर्वेद, पंचगव्य अनुसंधान और प्रशिक्षण से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाने की दिशा में पहल की जाएगी।

दिग्गज नेताओं और संतों का होगा समागम

समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे।

गऊ ग्राम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी कार्यक्रम के मुख्य वक्ता होंगे। समारोह में निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज और जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज का आशीर्वचन प्राप्त होगा।

इसके अतिरिक्त केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह और आयुष मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' भी उपस्थित रहेंगे। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, देव संस्कृति विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलाधिपति डॉ. चिन्मय पंड्या और विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रवीण रामदास भी समारोह में शामिल होंगे।

युद्ध स्तर पर पूरी हुई तैयारियां

कार्यक्रम मीडिया प्रभारी कीर्ति पी. कुमार ने बताया कि समारोह को लेकर गऊ ग्राम परिसर की रंगाई-पुताई और साफ-सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री के उद्बोधन के लिए भव्य मंच और पंडाल तैयार किया गया है।

यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए वीआईपी, विशिष्ट अतिथियों, पत्रकारों और आम आगंतुकों के वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पुलिस-प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

अतिक्रमण पर नगर निगम का अभियान

दो दिन में 52 ठेले और 35 अवैध होर्डिंग हटाए, 9,500 रुपये का जुमार्ना वसूला

सड़क और फुटपाथ घेरने वालों पर कार्रवाई, प्रतिबंधित पॉलीथिन और गंदगी फैलाने वालों के चालान

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। जनपद की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए नगर निगम मथुरा-वृंदावन ने सख्त रुख अपना लिया है। नगर निगम के प्रवर्तन दल ने लगातार दो दिनों तक शहर के प्रमुख मार्गों और व्यस्त बाजारों में सघन अभियान चलाकर सड़क व फुटपाथ घेरने वालों पर कार्रवाई की।

इस दौरान दर्जनों ठेलों और अवैध होर्डिंग्स को हटाया गया। प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग करने और गंदगी फैलाने वालों से कुल 9,500 रुपये का जुमार्ना भी वसूला गया।

शुक्रवार को तीन जोनों में एक साथ चला अभियान

शुक्रवार 27 नवंबर को प्रवर्तन दल की औरंगाबाद, सिटी और भूतेश्वर जोन की टीमों ने अलग-अलग मार्गों पर कार्रवाई की। औरंगाबाद और सिटी जोन की संयुक्त टीम ने भूतेश्वर तिराहा से अभियान शुरू किया। इसके बाद बीएसए कॉलेज, नया बस स्टैंड, एसबीआई चौराहा, टैंक चौराहा, सिविल लाइन होते हुए वेटरनरी कॉलेज तक सड़क किनारे जमे अवैध कब्जों को हटाया गया। भूतेश्वर जोन की टीम ने भूतेश्वर तिराहा से श्रीकृष्ण जन्मभूमि गेट नंबर एक, डीग गेट, गोविंद नगर थाना, अग्रसेन चौक, जयसिंहपुरा और बिरला मंदिर से एसकेएस फार्म हाउस तक अस्थायी अतिक्रमण साफ कराया।

सड़क से हटाए ठेले और घोड़ा-बग्गियां

शुक्रवार की कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक मार्गों और फुटपाथों पर यातायात बाधित कर रहे 40 ठेले और धकेल, पांच काउंटर तथा पांच घोड़ा-बग्गियों को मौके से हटवाया गया। टीम ने 35 अवैध होर्डिंग उतारे और सात अस्थायी अतिक्रमण ध्वस्त किए।

प्रवर्तन दल ने मौके से दो लकड़ी की टेबल, एक लोहे का जाल, पांच किलो का एक खाली गैस सिलेंडर, दो और एक किलो के बाट, पांच बैनर-बोर्ड, तीन तिरपाल, तीन बांस



और पांच प्लास्टिक की टोकरियां भी जब्त कीं।

धौली प्याऊ बाजार में भी कार्रवाई

इससे पहले गुरुवार 26 नवंबर को नगर निगम की टीम ने एसबीआई मेन ब्रांच से लेकर धौली प्याऊ के पूरे व्यावसायिक बाजार में अभियान चलाया था। दुकानों के बाहर सड़क पर सामान फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 12 ठेले और धकेल, 10 बोर्ड, एक लकड़ी का काउंटर, एक लोहे का काउंटर और प्लास्टिक स्टूल जब्त किए गए।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कुल 9,500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। इसमें अतिक्रमण करने पर 4,500 रुपये, प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग पर 4,000 रुपये और गंदगी फैलाने पर 1,000 रुपये का जुमार्ना शामिल था।

व्यापारियों से सहयोग की अपील

नगर निगम प्रशासन ने स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों के बाहर सड़क और फुटपाथ पर सामान न रखें तथा प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग बंद करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और जाम मुक्त बनाए रखने के लिए प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अदम्य साहस की कहानियों से विद्यार्थियों को मिली प्रेरणा

टीएमयू में टेडएक्स 2026 का आयोजन, सैन्य नेतृत्व से लेकर सिनेमा, स्वास्थ्य सेवा और उद्यमिता की हस्तियों ने साझा किए अनुभव

समाज जागरण संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में आयोजित टेडएक्स टीएमयू 2026 में विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों ने अपने संघर्ष, अनुभव और सफलता की कहानियां साझा कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में सैन्य नेतृत्व, सिनेमा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता, महिला सशक्तिकरण और युवा नेतृत्व से जुड़े वक्ताओं ने जीवन की चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए सा हस, अनुशासन तथा दृढ़ संकल्प का संदेश दिया। एयर चीफ मार्शल सेवानिवृत्त बीएस धनोआ ने कहा कि युद्ध केवल हथियारों से नहीं जीते जाते, बल्कि साहस, रणनीति, विश्वास और टीम के सामूहिक प्रयास भी महत्वपूर्ण होते हैं। टीएमयू के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन ने विद्यार्थियों से स्वयं का मूल्यांकन अपनी सोच, दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प के आधार पर करने का आह्वान किया। सेवानिवृत्त एडमिरल आर. हरि कुमार कृष्णन ने युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, चुनौतियों को अवसर के रूप में देखने और टीम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। पूर्व मेजर मोहम्मद अली शाह ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ चुनौतियों का सामना किया जा सकता है।

ब्रज की भक्ति में रमे अनंत अंबानी

गिरिराज जी के दर्शन और परिक्रमा को पहुंचे गोवर्धन, शनिवार को बांके बिहारी के दरबार में टेकेंगे मत्था

निजी धार्मिक दौरे पर कान्हा की नगरी पहुंचे उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी शुक्रवार को अपने दो दिवसीय निजी धार्मिक दौरे पर कान्हा की नगरी मथुरा पहुंचे। ब्रज आगमन के साथ ही उन्होंने गोवर्धन स्थित गंगा धाम में पड़ाव डाला। यहां से वे सीधे जतीपुरा स्थित गिरिराज महाराज के मुख्य मुखारबिंद मंदिर पहुंचे और पूरे विधि-विधान के साथ गिरिराज जी का पूजन-अर्चन किया।

दर्शन के दौरान उन्होंने गिरिराज महाराज के समक्ष मनौती मांगी और गिरिराज पर्वत की परिक्रमा की। ब्रज में धार्मिक स्थलों के दर्शन को लेकर उनके कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भी



उत्सुकता दिखाई दी।

पुख्ता सुरक्षा के बीच रात्रि विश्राम

अनंत अंबानी के हाई-प्रोफाइल दौरे को देखते हुए जिला पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गोवर्धन में दर्शन और परिक्रमा संपन्न होने के बाद वे मथुरा में ही रात्रि विश्राम करेंगे। उनके ठहरने के स्थान से लेकर यात्रा मार्ग तक सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए गोवर्धन से लेकर वृंदावन तक सुरक्षा कर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन और मंदिर प्रबंधन की ओर से भी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

शनिवार को वृंदावन में करेंगे दर्शन

तय कार्यक्रम के अनुसार दौरे के दूसरे दिन शनिवार सुबह अनंत अंबानी धर्मनगरी वृंदावन पहुंचेंगे। यहां वे विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में हाजिरी लगाकर ठाकुर जी की विशेष पूजा-अर्चना करेंगे और आशीर्वाद लेंगे।

उनके ब्रज प्रवास को लेकर आम श्रद्धालुओं में भी खासा कौतूहल देखा जा रहा है। दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।

आरोही भारद्वाज को श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार ने किया सम्मानित

अष्टादश गीता श्लोक जनसंदेश अभियान के तहत चार वर्षों से दे रही हैं गीता ज्ञान का संदेश

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

भिवानी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति के बैनर तले संचालित अष्टादश गीता श्लोक जनसंदेश अभियान से जुड़ी पर्यावरण संरक्षण अभियान की ब्रांड एंबेसडर आरोही भारद्वाज को श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार, भिवानी की ओर से सम्मानित किया गया। परिवार के पदाधिकारियों ने आरोही को स्मृति चिह्न, गीता ज्ञान यज्ञ की पुस्तक एवं नकद पुरस्कार भेंट कर उनके प्रयासों की सराहना की। गौरतलब है कि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज के मार्गदर्शन में आरोही पिछले चार वर्षों से गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज एवं श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की प्रेरणा से गीता संदेश और अष्टादश गीता श्लोकों के उच्चारण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने में जुटी हुई हैं। इस अभियान के माध्यम से लोगों को श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान, संस्कारों और जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि इस जागरूकता अभियान को मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से देश-विदेश तक पहुंचाया



जा रहा है। इस अवसर पर श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार, भिवानी के अध्यक्ष नरेश आहूजा एवं महासचिव विनोद छाबड़ा ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज का घर-घर गीता संदेश पहुंचाने का संकल्प साकार हो सकता है। उन्होंने आरोही के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतनी छोटी उम्र से गीता प्रचार के कार्य से जुड़ना अपने आप में प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि आरोही भारद्वाज मात्र तीन वर्ष की आयु में ही गीता संदेश कार्यक्रम एवं जनसंदेश अभियान से जुड़ गई थीं। यह भिवानी के लिए गौरव की बात है कि स्वयं गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज भी आरोही को सम्मानित कर चुके हैं। इसके अलावा आरोही तीन बार जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में विवेकानंद हाई स्कूल के विद्यार्थियों के साथ अष्टादश गीता श्लोकों के सामूहिक उच्चारण का नेतृत्व कर चुकी हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि आरोही जैसी बाल प्रतिभाओं के प्रयास समाज में भारतीय संस्कृति, संस्कारों और श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर गीता प्रेमी आत्म प्रकाश टुटेजा,विनोद छाबड़ा, समाजसेवी बृजेश जावला, डॉ विनोद अंचल, डॉ ओपी नन्दवानी, डॉक्टर सुमन, विजय कुमार, पवन कुमार , मनोज कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सडक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर डीसी साहिल गुप्ता ने की समीक्षा बैठक

- डीसी ने अधिकारियों को मौके पर जाकर सडक सुरक्षा के प्रबंधन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

भिवानी, 27 नवंबर। लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन नीति की



समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों की सफाई, मुख्य मार्गों और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) पर सफेद पट्टियां बनाने तथा उचित संकेतक लगाने को कहा। साथ ही भारी वाहनों और ट्रैक्टरों पर रिफ्लेक्टर लगवाने के निर्देश दिए, ताकि धुंध और रात के समय दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। उन्होंने बिना हेलमेट और तेज रफ्तार वाहन चालकों के अधिक से अधिक चालान करने को भी कहा। डीसी ने बताया कि एक जनवरी से 31 अक्टूबर तक जिले में सड़क दुर्घटनाओं में 121 लोगों की मौत हुई, जिनमें 70 दोपहिया वाहन सवार और 22 पैदल यात्री शामिल थे। सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के तहत जनवरी से अक्टूबर तक 577 स्कूल बसों की जांच कर 70 चालान किए गए। अक्टूबर में पुलिस विभाग ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर 4382 चालान किए। वहीं परिवहन विभाग ने जनवरी से अक्टूबर तक 2439 चालान कर 6.32 करोड़ रुपये से अधिक की कंपाउंडिंग फीस वसूली। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सीजेएम पवन कुमार और मीता कोली ने बाल सेवा आश्रम का किया औचक निरीक्षण

- बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

भिवानी, 27 नवंबर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरपर्सन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. गगनदीप कौर सिंह के निदेर्शानुसार सीजेएम-कम-सचिव पवन कुमार तथा सीजेएम मीता कोली ने जिले के बाल सेवा आश्रम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आश्रम में बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं पुनर्वास से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आश्रम प्रबंधन को बच्चों के अधिकारों एवं कल्याण से जुड़े सभी प्रावधानों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीजेएम पवन कुमार ने आश्रम प्रबंधन को निर्देश



दिए कि बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाया जाए तथा उनके सर्वांगीण विकास का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की देखभाल, शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है। सीजेएम मीता कोली ने आश्रम में रह रही लड़कियों से अलग से बातचीत कर उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, रहन-सहन एवं दैनिक समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने बालिकाओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण देने तथा उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस अवसर पर बाल संरक्षण अधिकारी नरेंद्र कुमार, सीडीसी महिला सदस्य नीलम रानी सहित आश्रम का स्टाफ उपस्थित रहा।

भाजपा युवा मोर्चा हरियाणा की प्रदेश कार्यकारिणी में सर्वजोत सिंह जोती सरा को मिली अहम जिम्मेदारी

समाज जागरण

कालांवाली 27 नवम्बर (सुरेश जोरासिया) भाजपा युवा मोर्चा हरियाणा की प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किए जाने पर सर्वजोत सिंह जोती सरां ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अर्चना गुप्ता, प्रदेश प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी सहित पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने विशेष रूप से युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अक्षित दहिया तथा राजेंद्र सिंह देसुजोधा का हृदय से आभार जताया। जोती सरां ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी, मेहनत और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह पद नहीं, बल्कि संगठन, देश और युवाओं की सेवा करने का महत्वपूर्ण अवसर है। संगठन सर्वोपरि है, और जनता का हित उनकी प्राथमिकता रहेगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि उनका स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।



महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने टीआईटीएस का किया औचक निरीक्षण, छात्राओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

हरियाणा राज्य महिला आयोग छात्राओं के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर: मीना परमार

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

भिवानी, 27 नवंबर। हरियाणा राज्य महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार ने शुक्रवार को स्थानीय टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल्स एंड साइंसेज सहित गर्ल्स हॉस्टल का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान में आंतरिक शिकायत निवारण समितियों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली तथा समितियों के गठन और उनके द्वारा की जा रही कार्रवाई का जायजा लिया। उन्होंने संस्थान प्रबंधन को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था को दुरूस्त किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि वे छात्राओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा शिकायतों के निवारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मीना परमार ने छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं



और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छात्राएं पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित कर जीवन में आगे बढ़ें। किसी भी प्रकार की परेशानी, डर या चिंता होने पर चुप न रहें, बल्कि गलत गतिविधियों का खुलकर विरोध करें। उन्होंने छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बारे में जागरूक रहने तथा किसी भी अनुचित व्यवहार के खिलाफ निडर होकर आवाज उठाने की सलाह दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हरियाणा महिला आयोग छात्राओं के हितों की रक्षा के लिए सदैव उनके साथ खड़ा है। उन्होंने संस्थान प्रबंधन को निर्देश दिए कि छात्राओं की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए और परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखते हुए उन्हें सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला आयोग के पास किसी भी प्रकार की शिकायत पहुंचने पर उसका गंभीरता से संज्ञान लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान संस्थान में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इस दौरान निदेशक बीके बेहरा, डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. मुकेश, डॉ. चारुमानी, डॉ. गुंजन सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा ।

संत रविदास के 650वें जन्मोत्सव वर्ष पर सीबीएलयू में विशेष व्याख्यान आयोजित , सामाजिक समरसता का दिया संदेश

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

भिवानी, 27 नवंबर। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा आज डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार, पुराना परिसर में संत शिरोमणि रविदास जी के 650वें जन्मोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व विद्यालय की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धमार्णी ने की। कार्यक्रम में प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य अकादमी मुख्य अतिथि, समाजसेवी श्री सुरेश पाल विशिष्ट अतिथि तथा सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य श्री रविंद्र वैद्य मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास जी के चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि संत रविदास जी ने भारतीय चिंतन को सामाजिक समता का मंत्र दिया। उनका 'बेगमपुरा' का संकल्पना केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज का प्रतिबिम्ब है जहाँ कोई दुखी न हो, सभी समान हों, उच्च नीच का भेदभाव ना हो। मनुष्य जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बन सकता है। आज के युवा को रविदास वाणी में निहित श्रम की प्रतिष्ठा और आत्म-सम्मान के भाव को समझना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलगुरु प्रो. दीप्ति



धमार्णी ने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व केवल डिग्री देना नहीं, संस्कार देना भी है। भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा संत रविदास जी पर यह आयोजन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विश्व विद्यालय भविष्य में भी ऐसे महापुरुषों की जयंती पर शोध एवं व्याख्यान की परंपरा को जारी रखेगा। विशिष्ट अतिथि श्री सुरेश पाल ने कहा कि संत रविदास जी की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने जात-पात से ऊपर उठकर मानवता का संदेश दिया। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में भाईचारा और समरसता को मजबूत करना चाहिए। इस तरह के आयोजन हमारी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। विद्यार्थियों को उन्होंने एक संदेश दिया कि किसी भी महापुरुष की जयंती पर हमें उनके साहित्य एवं शिक्षाओं पर को जानना चाहिए।
मुख्य वक्ता श्री रविंद्र वैद्य ने अपने विशेष व्याख्यान में कहा कि 650 वर्ष पूर्व काशी में जन्मे संत रविदास ने अपनी दोहा-वाणी से आडंबरों पर प्रहार किया। "मन चंगा तो कठौती में गंगा" - यह केवल पंक्ति नहीं, आंतरिक पवित्रता का दर्शन है। उन्होंने बताया कि कैसे रविदास जी ने भक्ति आंदोलन को जन-आंदोलन बनाया। विभागाध्यक्ष डॉ जितेंद्र ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन व्यक्त किया और कहा कि संत रविदास जी के विचार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल्यों के अनुरूप हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी से आए हुए श्री मंजीत सिंह ने संत शिरोमणि रविदास के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डाला।

मंच संचालन डॉ दीपक कुमारी ने किया।

कार्यक्रम में हरियाणा साहित्य अकादमी के सदस्य सचिव श्री मनजीत सिंह,डॉ वेदप्रकाश,डॉ मुकेश यादव,डॉ प्रमोद मलिक,डॉ सुशीला ,डॉ महक,डॉ उमा शाह , डॉ रचना, श्री धर्मवीर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तार पूर्वक दी जानकारी:- प्राचार्य डॉ शन्नो देवी

समाज जागरण

कालांवाली 27 नवंबर (सुरेश जोरासिया) राजकीय महाविद्यालय कालांवाली में कार्यकारी प्राचार्य डॉ शन्नो देवी की अध्यक्षता में भारत का संविधान उद्देशिका के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रोफेसर गगन गिल ने संविधान दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों और अधिकारियों के बारे मे बताया। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अमन कुमार को 22नवम्बर 2026 ,यूथ हाफ मैराथन कालांवाली,5किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय का नाम रोशन करने की बधाई दी।



और कहा कि ऐसे विद्यार्थियों पर हम सभी गर्व करते हैं। प्रोफेसर जसपाल सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि 26नवम्बर को हर साल हम सभी संविधान दिवस मनाते हैं। हमारे में संविधान में सभी को समान जीवन देने की बात कही गई है। हमें समय समय पर संविधान को पढ़ना चाहिए। प्रोफेसर डॉ जगसीर सिंह ने अनुशासन पर बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा महाविद्यालय में व अपने जीवन में अनुशासन का पालन करना चाहिए। प्राध्यापिका सुषमा देवी ने विद्यार्थियों को संविधान की शपथ दिलाई। महाविद्यालय में संविधान दिवस को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर गीता, प्रोफेसर राजवीर, प्रोफेसर डॉ हरजीत कौर, प्रोफेसर डॉ प्रीति गिल प्रोफेसर उर्मिला ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम के समापन पर कार्यकारी प्राचार्य डॉ शन्नो देवी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सब भारत के वासी हैं। भारत धर्म निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य हैं।सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, संप्रभुता को सुनिश्चित करने वाले संविधान को धूमधाम से मनाना जरुरी है।

बहल में खंड स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन, खंड शिक्षा अधिकारी दर्शना श्योराण ने दीप प्रज्ज्वलन व गीता पूजन के साथ किया शुभारंभ

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

बहल, 27 नवंबर। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बहल के तत्वावधान में आज पीएम श्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहल में खंड स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव- 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती दर्शना श्योराण द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व गीता पूजन के साथ किया गया। अपने संबोधन में श्रीमती दर्शना श्योराण ने कहा कि श्रीमद्भगवद् गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए जीवन जीने का शाश्वत मार्गदर्शन है। गीता में कुल 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं, जिनमें कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया दिव्य उपदेश समाहित है। जब अर्जुन मोह और विषाद में डूब गए थे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग का संदेश दिया। गीता हमें सिखाती है - कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन अर्थात कर्म करो, फल की चिंता मत करो। यही संदेश आज के विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है - बिना डरे, बिना रुके, अपने कर्तव्य का पालन करना।
उन्होंने कहा कि गीता हमें समता, धैर्य, अनुशासन, निष्काम कर्म और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का बोध कराती है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का



उद्देश्य ही यही है कि हमारी नई पीढ़ी अपनी गौरवशाली संस्कृति, नैतिक मूल्यों और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी रहे। हरियाणा की पावन भूमि कुरुक्षेत्र से शुरू हुआ यह महोत्सव आज पूरे विश्व में मनाया जाता है। महोत्सव में खंड बहल के विभिन्न सरकारी व निजी विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं को दो वर्गों में करवाया गया - वर्ग-1 (कक्षा 6 से 8) तथा वर्ग-2 (कक्षा 9 से 12)। प्रति योगिताओं में निबंध लेखन, गीता श्लोकोच्चारण, भाषण प्रतियोगिता, संवाद (कृष्ण-अर्जुन / संजय-धृतराष्ट्र), प्रश्नोत्तरी (क्विज) व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्लोकोच्चारण में विद्यार्थियों ने शुद्ध उच्चारण व भाव के साथ श्लोक सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भाषण में बच्चों ने गीता की शिक्षाओं को अपने जीवन से जोड़कर प्रस्तुत किया। संवाद में बच्चों ने कृष्ण-अर्जुन के जीवंत अभिनय से मंच को सजीव कर दिया। पेंटिंग में बच्चों ने गीता दर्शन, जीवन मूल्य व प्रकृति को रंगों के माध्यम से उकेरा।
निर्णायक मंडल द्वारा प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के साथ-साथ 03 सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। खंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अब जिला स्तरीय गीता महोत्सव में खंड बहल का प्रतिनिधित्व करेंगे।
कार्यक्रम के अंत में खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती दर्शना श्योराण ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी तथा शिक्षकों, निर्णायकों व विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में संस्कार, नैतिक मूल्य व भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव पैदा करते हैं।

बहल के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, महिलाओं ने दिखाया दमखम

जिला कार्यक्रम अधिकारी मंजू राणा व सरपंच प्रतिनिधि दीपक पनिहार ने हरी झंडी दिखाकर किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

बहल, 27 नवंबर। महिला एवं बाल विकास विभाग, खंड बहल द्वारा राजीव गांधी खेल स्टेडियम, बहल में खंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खंड के विभिन्न गांवों की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कार्यक्रम अधिकारी (DPO) भिवानी श्रीमती मंजू राणा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच प्रतिनिधि बहल दीपक पनिहार ने शिरकत की। दोनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन महिला



एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (WCDPO) श्रीमती उषा रानी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में महिलाओं के लिए दो आयु वर्ग निर्धारित किए गए, जिनमें दौड़, साइकिल दौड़, म्यूजिकल चेयर एवं चक्का फेंक सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया।

30 वर्ष से कम आयु वर्ग के परिणाम :

300 मीटर दौड़ - चहड़ कलां की मुस्कान प्रथम, चहड़ कलां की प्रियंका द्वितीय तथा बहल की प्रीति तृतीय। 400 मीटर दौड़ - सिरसी की प्रिया प्रथम, सलेमपुर की रितिका द्वितीय तथा मंढोली कलां की अंजली तृतीय। 5 किलोमीटर साइकिल दौड़ - शरियारपुर की योगेश प्रथम, नूनसर की शर्मिला द्वितीय तथा बहल की पूजा तृतीय।

30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के परिणाम :

100 मीटर दौड़ - बहल की विमला प्रथम, बहल की बादो द्वितीय तथा सिरसी की पूनम तृतीय। म्यूजिकल चेयर - मंढोली कलां की रोशनी प्रथम, ओबरा की सीमा द्वितीय तथा नूनसर की आशा तृतीय। चक्का फेंक - बिधनोई की सोनिया प्रथम, कासनी खुर्द की संजू द्वितीय तथा बहल की मीना तृतीय। इस प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताएं ग्रामीण महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग से सहायक सुखबीर सिंह, क्लर्क बिजेंद्र, सुपरवाइजर ललिता एवं रितु, सेवादार हीरा सिंह तथा डीईओ अनीता उपस्थित रहे। वहीं खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय बहल से लेखाकार प्रमोद शर्मा, करण सिंह, एबीएफ नीरज तथा पीटीआई जसविंद्र, राकेश एवं नरेश ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में सिलोचना, रोशनी मंढोली कलां, अनीता बहल ढ़ाणी, मोनिका गोयल, पुष्पा बहल सहित विभिन्न गांवों की आंगनवाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं एवं ग्रामीण महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

आईटी, बड़े बैंकों ने निफ्टी को नीचे खींचा

ऐसे समय में जब कारोबारी और निवेशक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की चिंता से राहत की उम्मीद कर रहे थे, उन्हें एक बड़ा झटका लगा। पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत 98 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होकर लगभग 92.9 पर आ गया और घरेलू बॉन्ड यील्ड 3 आधार अंक बढ़कर 7.27 फीसदी हो गई। इसका बुरा असर सीधे तौर पर शेयरों की कीमतों पर पड़ा। निफ्टी 277.30 अंक गिरकर 25,60 7.20 पर आ गया और सेंसेक्स 989 .33 अंक (यानी 1.17 फीसदी) की गिरावट के साथ 83,339.26 पर बंद हुआ। निफ्टी कुछ समय के लिए गुरुवार के बंद स्तर से ऊपर कारोबार कर रहा था, लेकिन फिर फिसलकर 25,56 5.90 पर आ गया और दिन के निचले स्तर के करीब बंद हुआ। दोनों सूचकांकों में पांच हफ्तों में पहली बार साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई, जिसमें निफ्टी 0.75 फीसदी नीचे रहा। निफ्टी अपने 52-हफ्तों के उच्च स्तर से 2.9 फीसदी नीचे है। दिलचस्प यह है कि जिन वजहों से लार्ज कैप शेयरों पर बुरा असर पड़ा, उनका मिड और स्मॉल कैप शेयरों पर कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा। एनएसई पर 1,566 शेयरों में तेजी आई, जबकि 1,181 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी स्मॉलकैप 250 में 0.53 फीसदी की बढ़त रही और मिडकैप 150 स्थिर रहा, जबकि निफ्टी के 50 में से 40 शेयरों में गिरावट आई। आईटी शेयरों में आई जोरदार तेजी के अगले ही दिन यानी शुक्रवार को ट्रेडरों ने आईटी शेयरों और बड़े बैंकों में अपना मुनाफा वसूला। इससे निफ्टी 50 में 1.07 फीसदी की गिरावट आई, जबकि छोटे शेयरों में तेजी देखने को मिली। निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.88 फीसदी की गिरावट आई, जो सभी सेक्टरों में सबसे ज्यादा है। इससे गुरुवार को हुई 3.66 फीसदी की बढ़त का लगभग आधा हिस्सा खत्म हो गया। एक दिन पहले 4.7 फीसदी से 6.4 फीसदी तक चढ़ने के बाद एचसीएल टेक में 3.03 फीसदी, इन्फोसिस में 2.68 फीसदी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में 2.57 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

पर्यटन केंद्र के रूप में निखरेगी ककरमत्ता पोखरी

समाज जागरण रंजीत तिवारी



वाराणसी । बीएलडब्ल्यू रोड स्थित ककरमत्ता स्थित पोखरी जल्द ही काशी में एक प्रमुख पर्यटन केंद्र और आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में नजर आएगी। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने शुक्रवार को पोखरी में चल रहे पुनरुद्धार एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर जमीनी हकीकत जानी।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारि और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से हर हाल में पूरे कर लिए जाएं, ताकि काशी की जनता को जल्द से जल्द इन आधुनिक सुविधाओं की सौगात मिल सके। उल्लेखनीय है कि नगर निगम ने हाल ही में 38 वर्षों से चले आ रहे विवाद को समाप्त कराते हुए करीब 1.5 बीघा (लगभग 100 करोड़ रुपये मूल्य) में फैली इस बेशकीमती सरकारी संपत्ति को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। कुछ लोगों द्वारा इस ऐतिहासिक पोखरी को कूड़ा-कचरा डालकर पाट दिया गया था। अब निगम प्रशासन इसे एक सुंदर और हरे-भरे सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित कर रहा है। पोखरी को उसके मूल स्वरूप में लौटाने के लिए निगम ने भारी अमला तैनात किया है। वर्तमान में मौके पर जेसीबी, पोकलैंड की मदद से पोखरी की सफाई और सुंदरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा, अतुल पांडेय, स्थानीय पार्षद सहित निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव कीर्ति शिखर का शुभारंभ

समाज जागरण रंजीत तिवारी



वाराणसी। जिले में शुक्रवार को वाराणसी पब्लिक स्कूल बंगालीपुर राजातालाब वाराणसी के परिसर में विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास शारीरिक व मानसिक स्वास्थ तथा खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय वार्षिक महोत्सव खेल कीर्ति शिखर 2026-27 का भव्य आयोजन किया गया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय डॉ. विनोद बिन्द (सांसद भदोही), विशिष्ट अतिथि रामसकल पटेल (बी.जे.पी. वाराणसी जिला अध्यक्ष),शिशिर सिंह (युवामोर्चा जिला मंत्री भाजपा), नन्हे सिंह (अंतराष्ट्रीय एथिलेटिक कोच), एवं सतीश सिंह (सेवानिवृत्त उप कमाण्डर सी.आर.पी.एफ.) ने दीप प्रज्वलित कर किया। दो दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत विद्यार्थियो के लिए विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। इनमें दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, कबड्डी तथा अन्य मनोरंजक एवं प्रतिस्पार्धात्मक खेल शामिल हैं। विद्यार्थियों में पूरे दिन बड़ा ही उत्साह, उमंग एवं खेल भावना के साथ सहयोग की भावना दिखायी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनोद बिन्द ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया तथा उन्हे जीवन में खेलों के महत्व, अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास एवं टीम भावना के प्रति प्रेरित किया। विद्यालय प्रबन्ध तंत्र का मानना है कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का भावना विकसित होती है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य दिलीप कुमार पाण्डेय ने भी विद्यार्थियों को खेल के महत्व को बताया। कक्षा नर्सरी से पाँच तक के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किये तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र छात्राओं अभिभावक उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया।कार्यक्रम में वाराणसी पब्लिक स्कूल, ग्रुप ऑफ एजूकेशन के उप प्रबन्धक शशिकान्त गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामानन्द जायसवाल, उपनिदेशक के.के. पाण्डेय, प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका सिंह (केराकतपुर), प्रधानाचार्य दिलीप कुमार पाण्डेय (बंगालीपुर) एवं अभिभावक उपस्थिति रहे।

नगर आयुक्त और सीईओ ने बायोडायवर्सिटी पार्क का किया निरीक्षण

समाज जागरण रंजीत तिवारी



वाराणसी। नगर आयुक्त एवं सीईओ,वाराणसी स्मार्ट सिटी श्री शाश्वत त्रिपुरारी ने आज कैंटोनमेंट क्षेत्र में प्रस्तावित ह्यबायोडायवर्सिटी पार्कह्ल के परियोजना स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की वर्तमान रूपरेखा, भौगोलिक स्थिति और आगामी कार्ययोजना की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यह बायोडायवर्सिटी पार्क शहर के पर्यावरण संरक्षण और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है, अतः इसकी गुणवत्ता, दीर्घकालिक उपयोगिता और व्यावहारिकता सुनिश्चित करने के लिए सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए।

निरीक्षण के दौरान वाराणसी स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक अमरेंद्र तिवारी सहित नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारीगण उपस्थित रही।

श्री मार्कण्डेय महादेव के सानिध्य में नौ जोड़ों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह संपन्न

- मुख्य अतिथि सागर सिंह ने नवदंपतियों को भेंट किए उपहार।

समाज जागरण अनिल कुमार



हरहुआ वाराणसी। श्री मार्कण्डेय महादेव जी के पावन सानिध्य में 27 नवंबर को सर्वजातीय सामूहिक विवाह महोत्सव का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर नौ जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरूआत की।

समारोह में मुख्य अतिथि सागर सिंह पुत्र एम एल सी अन्नपूर्णा सिंह बृजेश सिंह ने नवविवाहित वर-वधुओं को उपहार भेंट कर उनके सुखमय एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन महंत उमेश गिरि,पंकज गिरि,विनोद नाथ यति,गौरव गिरि के नेतृत्व में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में अधिवक्ता रवि प्रताप साजन सिंह, कमलाकांत पाण्डेय,राहुल पाण्डेय, आनन्द तिवारी (सुभासपा प्रवक्ता), आकाश बजाज (मऊ), मीना विश्वकर्मा,स्वराज यादव,अखिलेश यादव,अरविंद यादव एवं शिवम कैथी सहित अन्य सहयोगियों ने सराहनीय योगदान दिया।

समारोह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। गायक अभिषेक गिरि,पूजा रितिका, माही एवं मृदुल ने अपनी शानदार गायकी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया।

इस अवसर पर आयोजक महंत उमेश गिरि ने भावुक अंदाज में कहा कि जोड़ियां स्वर्ग में बनती हैं,हम लोग तो केवल एक माध्यम हैं। नौ जोड़ों का विवाह संपन्न कराकर हृदय को अपार प्रसन्नता और आत्मिक संतोष की अनुभूति हो रही है। उन्होंने बताया कि सभी नवदंपतियों को मंगलसूत्र, नथिया, मांगटीका, पायल सहित घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई,जिससे नवविवाहित जोड़ों को नए जीवन की शुरूआत करने में सहयोग मिल सके। उन्होंने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम,सामाजिक समरसता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना तथा जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करना है। सर्वजातीय सामूहिक विवाह महोत्सव ने जाति-पाति से ऊपर उठकर सामाजिक एकता, सद्भाव और मानवीय सहयोग का प्रेरणादायक संदेश दिया। समारोह में उपस्थित लोगों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

राज्य मंत्री का दर्जा मिलने के बाद पहली बार भारत हस्तशिल्प महोत्सव के मंच पर सम्मानित हुए प्रभुनाथ राय

भोजपुरी अकादमी के उपाध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन, अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने तुलसी का पौधा और रामनामी दुपट्टा भेंटकर किया सम्मान

समाज जागरण संवाददाता लखनऊ



लखनऊ वृंदावन योजना सेक्टर-15 स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित भारत हस्तशिल्प महोत्सव 2026 का सांस्कृतिक मंच शुक्रवार को भोजपुरी संस्कृति, कला और सम्मान के नाम रहा। भोजपुरी अकादमी उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त प्रभुनाथ राय ने दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। राज्य मंत्री का दर्जा मिलने के बाद पहली बार उन्हें भारत हस्तशिल्प महोत्सव के मंच पर सम्मानित किया गया।

इस विशेष अवसर पर महोत्सव के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने प्रभुनाथ राय को तुलसी का पौधा भेंटकर तथा रामनामी दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान कलाकारों को भी उनके हाथों सम्मानित होने का अवसर मिला। आयोजकों ने इसे महोत्सव के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे रामविलास यादव ने प्रभुनाथ राय के संघर्ष और उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि जीवन में संघर्ष से बड़ा कोई शिक्षक नहीं है। व्यक्ति यदि बिना फल की चिंता किए निरंतर प्रयास करता रहे तो सफलता एक दिन उसके कदम जरूर चूमती है। सफलता मिलने में देर हो सकती है, लेकिन सच्ची लगन और मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। उन्होंने कहा कि प्रभुनाथ राय ने भोजपुरी भाषा, संस्कृति और कलाकारों को पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में भोजपुरी संस्कृति को भी नई पहचान और सम्मान मिला है।

महोत्सव के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने कहा कि प्रभुनाथ राय जितने कर्मठ हैं, उतने ही सरल और सहज स्वभाव के व्यक्ति भी हैं। उन्होंने कभी पद और सम्मान की लालसा नहीं रखी, बल्कि अपने कर्म और समर्पण के दम पर लगातार आगे बढ़ते रहे। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव परिवार के लिए सौभाग्य की बात है कि राज्य मंत्री का दर्जा मिलने के बाद प्रभुनाथ राय को सबसे पहले सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद कलाकारों ने विभिन्न रंगारंग नृत्य और गायन प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भोजपुरी संगीत और भारतीय लोक संस्कृति की प्रस्तुतियों ने महोत्सव के माहौल को उत्सवमय बना दिया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री अनीता सिंह राजपूत, समाजसेविका सुरैया सिद्दीकी, पार्षद हिमांशु अंबेडकर, पार्षद धर्मेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य दीपक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. पूनम, पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित कृष्णानंद राय तथा भोजपुरी गायिका प्रिया पाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच का संचालन रॉकी गिल एवं अथर्व तिवारी ने किया।

भारत हस्तशिल्प महोत्सव का सांस्कृतिक मंच एक बार फिर कला, प्रतिभा, लोकसंस्कृति और सम्मान के संगम का गवाह बना।

छूटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ना प्राथमिकता-उपजिलाधिकारी

विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर संबंधित को दिया आवश्यक निर्देश

समाज जागरण



मीरजापुर/विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र में आज शुक्रवार को उपजिलाधिकारी मड़िहान ने लगभग एक दर्जन मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।साथ ही इस दौरान 18 से 19 वर्ष के छूटे हुए मतदाताओं के नाम को जोड़ने के लिए अपील की।इस संबंध में उपजिलाधिकारी मड़िहान संतोष कुमार ओझा द्वारा बताया गया कि शुक्रवार को खोराडीह,खटखरिया,धनसीरियां,नौडिहवां सहित लगभग एक दर्जन मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।इस दौरान उन्होंने जनगणना कर रहे व छूटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ने में लगे हुए कर्मचारियों के सहयोग के लिए कोटेदार,आंगनबाड़ी सहायिका,पंचायत सहायक अन्य सरकारी व गैर सरकारी कर्मचारियों से सहयोग करने की अपील की।इस दौरान उन्होंने जनगणना कर रहे कर्मचारियों को निर्देश दिया कि जनगणना के साथ साथ जो भी नए मतदाता वोटर लिस्ट में नहीं जुड़े हैं,उनको जोड़ने की वरीयता को प्राथमिकता दी जाए। वही निरीक्षण के दौरान कंपोजिट विद्यालय खटखरिया में पहुंचने पर उप जिलाधिकारी महोदय ने देखा कि स्कूली छात्र-छात्राएं जिमनास्टिक खेल का अभ्यास कर रहे हैं तो वहां पहुंचकर बच्चों का परिचय प्राप्त कर उनके खेल का तारीफ किया और भविष्य में किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर खेल के बढ़ावा हेतु उचित संसाधन मुहैया कराने हेतु प्रभारी प्रधानाध्यापक सतीश कुमार सिंह को निर्देशित किया। वही बच्चों के साथ सेल्फी भी खींच वाया। ऐसे अधिकारी को अपने बीच में पाकर बच्चों के चेहरे पर अलग अनुभूति दिखाई दिया। वही साथ-साथ प्रभारी प्रधानाध्यापक के शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे प्रयास किया सराहना भी किया। निरीक्षण के दौरान सर्किल कानूनगो संजय सिंह टीम के साथ मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम सख्त

अनफिट स्कूली वाहनों पर होगी कार्रवाई, यमुना एक्सप्रेस-वे के अवैध ढाबे हटेंगे

कोहरे से पहले हाईवे पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने के निर्देश

प्रवीण मिश्रा समाज जागरण



मथुरा। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने परिवहन विभाग को चेतावनी दी कि जिन स्कूली वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है, उनकी अनिवार्य रूप से जांच कराई जाए और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सभी स्कूली वाहन चालकों का पुलिस सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए गए।

डग्गेमार वाहनों और ओवरलोडिंग पर शिकंजा

जिलाधिकारी ने एआरटीओ, जिला खनन अधिकारी और पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि सड़कों पर चल रहे ओवरलोड, डग्गेमार और अनाधिकृत वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करें। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने और अभियान में जनसहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

यमुना एक्सप्रेस-वे और हाईवे पर विशेष निगरानी

आगामी ठंड और कोहरे को देखते हुए डीएम ने हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित दूरी पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। इन बोर्डों पर सीट बेल्ट लगाने, गति सीमा का पालन करने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की हिदायत अंकित हो।

यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे संचालित अवैध ढाबों और दुकानों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। इन अवैध ठिकानों पर रुकने वाले वाहनों के चालान काटने को कहा गया है।

ब्लैक स्पॉट और चिकित्सा सुविधा पर जोर

जिलाधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर चिन्हित सभी ब्लैक स्पॉट तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। दुर्घटनाएं रोकने के लिए सड़कों पर रंबल स्ट्रिप, रेडियम स्टीकर, स्पीड टेबल और कैट आई लगाने को कहा गया।

स्वास्थ्य विभाग को हाईवे और एक्सप्रेस-वे के आसपास अस्पतालों तथा एंबुलेंस की मैपिंग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही दुर्घटना में घायल लोगों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

अतिक्रमण हटाने और पुराने वाहन स्क्रैप कराने के निर्देश

डीएम ने सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रभावी अभियान चलाने को कहा। उन्होंने पुराने वाहनों को समय पर स्क्रैप कराने तथा पुलिस विभाग को थानों में वर्षों से जमा जब्त वाहनों का नियमानुसार निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, एसपी यातायात राजेश कुमार तिवारी, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक तबादला प्रकरण में जांच समिति गठित

सीडीओ पूजा गुप्ता ने कहा- न्यायालय के आदेश पर हुई थी कार्रवाई

समाज जागरण संवाददाता



मथुरा। जनपद के बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के तबादलों को लेकर उठे विवाद पर प्रशासन ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। तबादला प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों और अनियमितताओं के आरोपों के बीच मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि ये तबादले न्यायालय के आदेश के अनुपालन में किए गए हैं। साथ ही प्रकरण में प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष जांच के लिए प्रशासन स्तर पर जांच समिति का गठन कर दिया गया है।

क्या है पूरा मामला?

पिछले कुछ दिनों से जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर चचाएं और आरोप सामने आ रहे थे। तबादला प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए विभिन्न माध्यमों से प्रशासन को कई शिकायतें भेजी गई थीं। शिकायतों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल खड़े किए गए थे। मामले को लेकर विभागीय स्तर पर चर्चा तेज होने के बाद प्रशासन ने अपना पक्ष स्पष्ट किया है।

सीडीओ ने बताया न्यायालय के आदेश का अनुपालन

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति को न्यायालय का आदेश प्राप्त हुआ था। उसी आदेश के क्रम में शिक्षकों के तबादलों की प्रक्रिया पूरी की गई है। सीडीओ ने यह भी कहा कि तबादलों को लेकर प्रशासन को जो शिकायतें मिली हैं, उन्हें गंभीरता से लिया गया है। शिकायतों की सच्चाई जानने और पूरे प्रकरण की जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है।

जांच रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

प्रशासन के इस रुख के बाद तबादलों में न्यायालय के आदेश की भूमिका स्पष्ट हुई है, लेकिन प्रक्रिया से जुड़े अन्य सवालों का जवाब जांच रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा। समिति यह जांच करेगी कि तबादला प्रक्रिया में विभागीय नियमों और न्यायालय के निदेर्शों का पालन किया गया या कहीं कोई अनियमितता हुई। जांच समिति की रिपोर्ट के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर साफ हो सकेगी। फिलहाल शिक्षकों के तबादलों से जुड़ी शिकायतों और जांच के निष्कर्षों पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

बैंड-बाजा-बारात से बाजारों में बजेगी कारोबार की शहनाई

समाज जागरण

जबलपुर। देशभर में विवाह समारोहों का मौसम व्यापारिक गतिविधियों को नई गति देने जा रहा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2026 तक 25 दिनों में देशभर में लगभग 52 लाख शादियां होने का अनुमान है। इन विवाह समारोहों से करीब 7.50 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना जताई गई है। इसमें विवाह से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी के साथ विभिन्न सेवाओं का कारोबार भी शामिल है।

कैट की शोध इकाई कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा तैयार इस आकलन में देश के 25 राज्यों के प्रमुख थोक एवं खुदरा बाजारों को शामिल किया गया है। इसके लिए 300 से अधिक व्यापारिक नेताओं और 550 प्रमुख व्यापारिक संगठनों से विचार-विमर्श के साथ राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, अनुमानित कारोबार में लगभग 4.05 लाख करोड़ रुपये वस्तुओं एवं खुदरा व्यापार से तथा 3.45 लाख करोड़ रुपये विभिन्न सेवाओं से प्राप्त होने की संभावना है। आभूषण, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, खानपान, होटल, मैरिज गार्डन, सजावट, फोटोग्राफी, परिवहन और विवाह आयोजन से जुड़े कारोबारियों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने विवाह अर्थव्यवस्था को घरेलू उपभोग, रोजगार और आर्थिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बताया। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने इसे भारतीय घरेलू बाजार की क्षमता का प्रतीक बताया। राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार, प्रत्येक विवाह अनेक व्यापारिक क्षेत्रों और सेवा प्रदाताओं के लिए आर्थिक अवसर पैदा करता है। कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुमित अग्रवाल ने विवाह समारोहों में भारतीय निर्मित वस्तुओं और स्थानीय व्यापारियों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने इसे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत की भावना से जोड़ने की बात कही।

जबलपुर में 1,200 शादियों से 240 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

राष्ट्रीय स्तर पर विवाह कारोबार में तेजी के बीच जबलपुर के बाजारों और होटल उद्योग को भी बड़े व्यापार की उम्मीद है। कैट के जबलपुर संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी के प्रारंभिक स्थानीय आकलन के अनुसार, 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक शहर में लगभग 1,200 विवाह समारोह होने की संभावना है। इनसे जुड़े व्यापारिक क्षेत्रों में करीब 240 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि इस आकलन में प्रति विवाह लगभग 20 लाख रुपये के औसत खर्च को आधार बनाया गया है। इसमें विवाह स्थल, आभूषण, कपड़े, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, उपहार, खानपान, होटल, सजावट और अन्य आवश्यक सेवाओं पर होने वाला खर्च शामिल है।

डेस्टिनेशन वेडिंग और बड़े होटलों की बढ़ रही मांग

दीपक सेठी ने बताया कि जबलपुर अब केवल स्थानीय विवाह आयोजनों तक सीमित नहीं है। आसपास के शहरों और जिलों से भी परिवार यहां के बड़े होटलों, बैंक्वेट हॉल और मैरिज गार्डन में विवाह समारोह आयोजित करने पहुंच रहे हैं। शहर में डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन बढ़ रहा है। बड़े महानगरों की तुलना में जबलपुर में अपेक्षाकृत कम खर्च पर होटल, खानपान और विवाह आयोजन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था और विभिन्न आयोजन सेवाओं की उपलब्धता के कारण आसपास के जिलों के परिवार भी इसे पसंद कर रहे हैं।

आर्य समाज गोविन्दपुरम के 24वें वार्षिकोत्सव का भव्य शुभारंभ

समाज जागरण

गाजियाबाद, शुक्रवार, 27 नवंबर 2026,आर्य समाज गोविन्दपुरम के तत्वावधान में 24वें त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव का भव्य शुभारंभ आज महायज्ञ के साथ हुआ।महायज्ञ का ब्रह्मत्व सहारनपुर से पधारे आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री ने किया।मुख्य यज्ञमान रहे-डॉ. सुरेन्द्र सिंह-सरोज बाला सिंह, यज्ञ दत्त शर्मा-ममता शर्मा, सुमित चौधरी-अभिलाषा चौधरी तथा सुनील पंवार- अरुणा पंवार।

ध्वजारोहण संयोजक सुन्दर सिंह एवं बीना त्यागी के नेतृत्व में प्रधान पूनम चौधरी, समारोह अध्यक्ष मुरारी लाल और कृपाल वर्मा ने ध्वजारोहण कर समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया।

महायज्ञ के ब्रह्मा एवं मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री ने आशीर्वचन के पश्चात कहा कि भारतीय जीवन दर्शन में वैदिक शब्द केवल प्राचीन ग्रंथों तक सीमित नहीं है।यह उस ज्ञान और जीवन-शैली का प्रतीक है जो संपूर्ण मानवता के कल्याण और निरंतर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है।जो कुछ भी मनुष्य के उत्थान के लिए रचा गया है,उसे ग्रहण कर निरंतर आगे बढ़ना ही सच्ची वैदिक परंपरा है।उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य के निर्माण में प्रकृति और संस्कृति दोनों की समान भूमिका है।प्रकृति हमें भौतिक शरीर,रूप और सामाजिक संबंध प्रदान करती है,जबकि संस्कृति उन संबंधों को संवेदना,मयार्दा और उच्च चरित्र से सींचती है।जहाँ प्रकृति केवल बाहरी स्वरूप देती है, वहीं संस्कृति भीतर शालीनता और नैतिकता का भाव जाग्रत करती है।उत्तम स्वास्थ्य के बिना जीवन कष्टमय हो जाता है,ठीक उसी प्रकार संस्कार और संस्कृति के बिना समाज दिशाहीन एवं नीरस हो जाता है।आज के दौर में वैदिक सुसंस्कृति के शाश्वत मूल्यों को अपनाकर ही हम व्यक्ति, परिवार और समाज को अधिक सुंदर व संवेदनशील बना सकते हैं।

बिजनौर से पधारे सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक मोहित शास्त्री एवं प्रीति आर्या ने ईशभक्ति एवं महर्षि दयानन्द के गुणगान से भरे भजन प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य अतिथि एवं जिला आर्य सभा के मंत्री सत्यवीर चौधर ने कहा कि हमें मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम और योगेश्वर श्रीकृष्ण की संस्कृति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।महर्षि पाणिनि के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देवपूजा,संगतिकरण और दान को जीवन में उतारकर ही व्यक्ति का जीवन सार्थक बनेगा,परिवार सुदृढ़ होगा और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होगा।उन्होंने सभी से इन वैदिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की अपील की।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुरारी लाल ने कहा कि मनुष्य का परिष्कृत व्यवहार अमूर्त है, वह दीखता नहीं,जबकि सभ्यता को देखा जा सकता है। वैदिक संस्कृति को ही सुसंस्कृति कहा गया है।हमें चेतन्यों के दिव्य गुणों को देखकर आगे बढ़ना चाहिए।

सीएमओ शिवांगी सिंह बघेल को जिला शहरी विकास अभिकरण में मिली अतिरिक्त जिम्मेदारी

कलेक्टर के अनुमोदन से जारी हुआ आदेश, वर्तमान पदभार के साथ सहायक परियोजना अधिकारी का संभालेंगी दायित्व; पीएम आवास, स्वच्छ भारत मिशन और अमृत 2.0 जैसी योजनाओं की मॉनिटरिंग में देंगी सहयोग

समाज जागरण

अनूपपुर। जिले में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की महत्वाकांक्षी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन और प्रभावी मॉनिटरिंग को लेकर प्रशासन ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी किया है। इसके तहत नगर परिषद बरगवां (अमलाई) की मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती शिवांगी सिंह बघेल को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ जिला शहरी विकास अभिकरण (DUDA), अनूपपुर में सहायक परियोजना अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कार्यालय कलेक्टर, जिला अनूपपुर से 27 नवंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, श्रीमती शिवांगी सिंह बघेल को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश पर्यंत तक अस्थायी रूप से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह आदेश कलेक्टर के अनुमोदन एवं निर्देश पर अपर कलेक्टर द्वारा जारी किया गया है। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की शासन द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन, सतत मॉनिटरिंग तथा आवश्यक प्रशासनिक सहयोग के उद्देश्य से यह अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

इन योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत 2.0 एवं मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना प्रमुख रूप से शामिल हैं। श्रीमती बघेल अपने वर्तमान पद नगर परिषद बरगवां (अमलाई) के मुख्य नगर पालिका अधिकारी का कार्यभार यथावत संभालती रहेंगी। साथ ही जिला शहरी विकास अभिकरण अनूपपुर में सहायक परियोजना अधिकारी के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि उनका वेतन एवं अन्य भत्ते पूर्ववत नगर परिषद बरगवां (अमलाई), जिला अनूपपुर से ही आहरित होंगे।

इस प्रशासनिक निर्णय को जिले में शहरी विकास से जुड़ी योजनाओं की गति बढ़ाने और विभागीय कार्यों की बेहतर निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब देखना होगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ श्रीमती शिवांगी सिंह बघेल जिले की नगरीय योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी में किस तरह प्रभावी भूमिका निभाती हैं।

एनएच-43 पर मैरिज गार्डनों के कारण लगा घंटों जाम, यातायात व्यवस्था ध्वस्त

सड़क किनारे पार्किंग और अव्यवस्थित आयोजनों से आम जनता परेशान, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

समाज जागरण

शहडोल। शहडोल शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर सड़क किनारे संचालित मैरिज गार्डनों के कारण यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। शादी-विवाह के आयोजनों के दौरान मैरिज गार्डनों में आने वाले वाहनों की बेतरतीब पार्किंग और सड़क पर वाहनों की भीड़ के चलते घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। इससे आम राहगीरों, मरीजों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हैरानी की बात यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की सक्रियता नजर नहीं आ रही है। जाम के दौरान वाहन चालक घंटों तक फंसे रहते हैं, लेकिन यातायात को सुचारु बनाने के लिए प्रभावी व्यवस्था दिखाई नहीं देती। ऐसे में शहडोल पुलिस की यातायात व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल स्थानीय लोगों का आरोप है कि मैरिज गार्डन संचालकों द्वारा पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं यातायात व्यवस्था के जिम्मेदार अधिकारी और प्रभारी अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय कथित तौर पर वसूली में व्यस्त रहने के आरोपों से घिरे हैं। हालांकि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

प्रशासन कब लेगा सुध?

राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगने वाला जाम केवल असुविधा का विषय नहीं, बल्कि आपातकालीन सेवाओं के लिए भी गंभीर खतरा है। यदि समय रहते मैरिज गार्डनों की पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई और सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई नहीं हुई

आवश्यकता के अनुरूप स्ट्रीट लाइट खंबे की मांग।

समाज जागरण

बरगवां नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 11 में मुसरहाई तालाब से लेकर वीरेंद्र नाथ साहू के घर तक, रेलवे अंडर ब्रिज से लेकर विवेक नगर सीमा तक एवं रेलवे अंडर ब्रिज से लेकर नवीन नगर तिराहे तक एक भी स्ट्रीट लाइट आज तक नहीं लगाई गई वहीं अमलाई मोहडा से लेकर अमलाई स्टेडियम तक खंबे तो लगे हैं बिजली के तार भी दौड़ा दिए गए हैं लेकिन उजाले की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई स्ट्रीट लाइट व्यवस्था न होने के कारण बढ़ती ठंड और धुंध के कारण सड़क पर चलने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है ऐसे में नगर परिषद को संवेदनशील सड़क के किनारे स्ट्रीट लाइट की त्वरित व्यवस्था की जानी चाहिए।

दिनदहाड़े रेत माफिया का खेलः बुढ़ार थाना क्षेत्र के खरला कसेड़ नदी में 40 मजदूरों से हो रहा अवैध उत्खनन, मिनी ट्रकों से सप्लाई

समाज जागरण

बुढार / शहडोल। जिले के बुढार थाना क्षेत्र में रेत माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब उन्हें न तो प्रशासन का खौफ है और न ही कानून का डर। ताजा मामला खरला स्थित कसेड़ नदी का है, जहाँ रात के अंधेरे



का इंतजार किए बिना दिन के उजाले में ही रेत का अवैध उत्खनन धड़ल्ले से जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, नदी घाट पर करीब 40 मजदूरों को लगाकर खुलेआम रेत निकाली जा रही है। उत्खनन के बाद रेत को मौके पर खड़े मिनी ट्रकों में लादकर तेजी से परिवहन किया जा रहा है। दिनदहाड़े चल रही इस गतिविधि से जहाँ नदी के अस्तित्व और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँच रहा है, वहीं शासन को लाखों रुपए के राजस्व की चपत भी लग रही है।

खौफ के साए में नदी, बेखौफ माफिया

स्थानीय लोगों के मुताबिक, खरला कसेड़ नदी से लंबे समय से अवैध रूप से रेत निकालने का खेल चल रहा है। पहले जहाँ यह काम चोरी-छिपे या रात के समय होता था, वहीं अब माफियाओं ने दिन के उजाले को ही अपना ठिकाना बना लिया है। दर्जनों मजदूरों की मौजूदगी और मिनी ट्रकों की आवाजाही के बावजूद जिम्मेदार विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी निगाहें

अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के तमाम दावों के बीच बुढार थाना क्षेत्र में हो रही यह खुलेआम मनमानी प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था की पोल खोल रही है। अब देखना यह होगा कि खबर सामने आने के बाद खनिज विभाग और स्थानीय पुलिस प्रशासन कब तक नींद से जागता है और रेत माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करता है।

ग्रामसभा में बाल विवाह रोकथाम को लेकर किया जागरूक, ग्रामीणों ने ली बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ

बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की दी गई जानकारी, विवाह कराने वालों एवं सेवा प्रदाताओं पर भी हो सकती है कार्रवाई



समाज जागरण

अनूपपुर। कलेक्टर श्री रत्नाकर झा के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती संजीता भगत के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत सकरा में आयोजित विशेष ग्रामसभा में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति अनूपपुर के अध्यक्ष श्री मोहन लाल पटेल एवं विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्री अशोक कुमार त्रिपाठी ने सहभागिता करते हुए ग्रामीणों को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों एवं बाल विवाह की रोकथाम में समाज की भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास को प्रभावित करता है। इससे विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह करने, कराने तथा इसमें सहयोग करने वाले व्यक्तियों के साथ-साथ संबंधित सेवा प्रदाताओं के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई, सजा एवं जुमार्ने का प्रावधान है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए सभी लोग जागरूक बनें तथा कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचित करें। बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह उन्मूलन की शपथ दिलाई गई तथा बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सकरा के सरपंच श्री संतोष कुमार सिंह, उपसरपंच श्री दादू राम सिंह, समस्त पंचगण, पंचायत सचिव श्री संजय कुमार मिश्रा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बिना आरएफआईडी टैग के गिट्टी का परिवहन करते वाहन जब्त, खनिज विभाग द्वारा औचक जांच में मिली गड़बड़ी

समाज जागरण विजय तिवारी

कटनी - जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा दिये गये सख्त निर्देश के बाद खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में सुरखी टैंक के समीप स्थित खनिज जांच नाका पर वाहनों की औचक जांच की गई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर गिट्टी का परिवहन कर रहे एक वाहन को जब्त कर लिया गया। जांच के दौरान पाया गया कि वाहन में आरएफआईडी टैग नहीं लगा था। दस्तावेजों की जांच में यह भी सामने आया कि वाहन द्वारा ई-टीपी में निर्धारित मात्रा से अधिक गिट्टी का परिवहन किया जा रहा था। खनिज नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जांच दल ने वाहन को मौके पर ही जब्त कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस थाने में सुरक्षित खड़ा कराया। खनिज विभाग द्वारा गत सप्ताह जिले के सभी खदान संचालकों और ट्रांसपोर्टरों को निर्देश जारी कर खनिज परिवहन में लगे वाहनों पर आरएफआईडी टैग अनिवार्य रूप से लगाने को कहा गया था। साथ ही खदानों से केवल आरएफआईडी टैग लगे वाहनों में ही खनिज लोडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। विभाग के अनुसार कई खदान संचालकों और ट्रांसपोर्टरों ने निदेर्शों का पालन करते हुए अपने वाहनों में आरएफआईडी टैग लगवा लिए हैं, लेकिन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में बिना आरएफआईडी टैग अथवा ई-टीपी में दर्ज मात्रा से अधिक खनिज का परिवहन करते पाए जाने वाले वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भालूमाडॉ में नवनिर्मित मंगल भवन का शुभ-मंगल लोकार्पण 28 नवंबर को।

भालूमाडा नगर के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि मंगल भवन। 254.35 लाख रुपये की लागत से हुआ निर्माण सांसद हिमाद्री सिंह एवं पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह होंगे मुख्य अतिथि, रामलाल रौतेल और हीरा सिंह श्याम रहेंगे विशिष्ट अतिथि

समाज जागरण विजय तिवारी

भालूमाड़ा--- नगर पालिका परिषद पसान भालूमाड़ा वार्ड क्रमांक 11 में निर्मित मंगल भवन का लोकार्पण समारोह 28 नवंबर 2026, शनिवार को दोपहर 1 बजे आयोजित किया जाएगा। 254.35 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस मंगल भवन का लोकार्पण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे नगरवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। नगर पालिका परिषद पसान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह एवं अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन बिसाहूलाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह करेंगे। नगर पालिका परिषद पसान के मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशांक वर्मा ने आमंत्रित अतिथियों एवं नगरवासियों से लोकार्पण समारोह में उपस्थित होने की अपील की है। इस मंगल भवन के लोकार्पण से पसान नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को मांगलिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

दिव्यांग छात्राओं एवं दिव्यांगजनों को ई-ट्राईसाइकिल एवं मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने हेतु पात्रता परीक्षण सम्पन्न

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता



सोनभद्र। दिव्यांगजनों को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत आज विकास भवन परिसर स्थित कक्ष संख्या-11 में पात्र दिव्यांगजनों का परीक्षण किया गया। परीक्षण कार्यक्रम में स्कूल जाने वाली एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं को ई-ट्राईसाइकिल प्रदान किए जाने हेतु अनुदान योजना तथा मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल हेतु आवेदन करने वाले दिव्यांगजनों की पात्रता का परीक्षण किया गया। उक्त परीक्षण योजनाओं के लिए गठित तकनीकी समिति के सदस्य एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित चिकित्सक डॉ. शिशिर श्रीवास्तव, आर्थोपेडिक सर्जन एवं अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर वी.पी. सत्यार्थी, उपनिदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, विंध्याचल मंडल, मिजार्पुर तथा दिव्या शुक्ला, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी उपस्थित रहीं। परीक्षण कार्यक्रम में कुल 30 दिव्यांग छात्राओं एवं दिव्यांगजनों ने प्रतिभाग किया। योजनाओं का उद्देश्य पात्र दिव्यांगजनों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराकर उनकी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं दैनिक जीवन को सुगम बनाना तथा उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना है।

जय ज्योति इण्टर कॉलेज, चुर्क में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान एवं मानव तस्करी उन्मूलन विषयक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता



सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेशानुसार आज दिनांक 27.11.2026 को अपराह्न 02:00 बजे श्री राहुल, सिविल जज (सी०डि०)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र द्वारा 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' एवं बाल विवाह व जबरन विवाह के उन्मूलन हेतु अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जय ज्योति इण्टर कॉलेज, चुर्क (सोनभद्र) में एक वृहद विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र तथा मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान एवं जनपद के विभिन्न विभागों (मानव तस्करी रोधी थाना, जिला बाल कल्याण इकाई, वन स्टॉप सेंटर एवं श्रम विभाग) के समन्वय से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी की रोकथाम, पहचान, मुक्तिकरण एवं पुनर्वास के प्रति संवेदनशील बनाना तथा उन्हें उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल, सिविल जज (सी०डि०)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने कहा कि बाल विवाह और मानव तस्करी जैसी सामाजिक कुरीतियाँ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं उनके मौलिक अधिकारों के हनन का प्रमुख कारण हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को निडर होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार के शोषण या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल हेल्पलाइन नंबरों (जैसे 1098, 112) या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विधिक साक्षरता के माध्यम से ही एक सशक्त, सुरक्षित एवं बाल विवाह मुक्त समाज का निर्माण संभव है। उक्त जागरूकता शिविर में शमशेर बहादुर सिंह (चीफ एल.ए.डी.सी., सोनभद्र), सम्भव गुप्ता (पटना हाई कोर्ट अधिवक्ता), विजय कुमार (श्रम विभाग), सुश्री अनुराधा जायसवाल (केस वर्कर, वन स्टॉप सेंटर), सर्वजीत सिंह (कनिष्ठ लिपिक), सहित जय ज्योति इण्टर कॉलेज, चुर्क (सोनभद्र) विद्यालय के शिक्षकगण व लगभग 150 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों से आए रिसोर्स पर्सन द्वारा विद्यार्थियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, पॉक्सो अधि नियम 2012 (POCSO Act), महिला एवं बाल अधिकार, बंधुआ मजदूरी उन्मूलन, श्रमिक अधिकार तथा अनुसूचित जाति/ जनजाति अत्याचार निवारण अधि नियम के प्रमुख प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही, नालसा (NALSA) की विभिन्न योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। इसके अलावा बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण तथा दूर-दराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इसके व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए सोनभद्र में चलाया गया जागरूकता अभियान

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता



सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के उन्मूलन के उद्देश्य से आज बाल, कम उम्र एवं जबरन विवाह की समाप्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नीति आयोग की सहयोगी संस्था एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (AVA) के सहयोगी संगठन के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) वागीश कुमार शुक्ला ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया तथा उपस्थित लोगों को बाल विवाह निषेध की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करना, बालिकाओं की शिक्षा एवं अधिकारों की रक्षा करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर आमजन से अपील की गई कि बाल विवाह की रोकथाम में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करें।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी रमेश मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, प्रभारी प्रोबेशन अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला प्रोबेशन कार्यालय से प्रोबेशन अधिकारी/केस वर्कर श्रीमती इंद्रावती सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाल विवाह की सूचना पर आधी रात सक्रिय हुई चाइल्ड हेल्पलाइन , पुलिस के सहयोग से रुकवाया विवाह

CWC के आदेश पर बालिका को बाल गृह में कराया गया आवासित, परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन की सक्रियता के बीच 26 नवंबर 2026 की रात्रि चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता से एक बालिका का बाल विवाह रुकवा दिया गया। थाना पन्नूगंज पुलिस के सहयोग से चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने मौके पर पहुंचकर बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लिया। बाद में बाल कल्याण समिति (CWC) के समक्ष प्रस्तुत किए जाने पर समिति के आदेशानुसार बालिका को बाल गृह में आवासित कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नेवारी चैनपुरवा, थाना पन्नूगंज क्षेत्र की एक बालिका के बाल विवाह की सूचना 26 नवंबर की रात्रि चाइल्ड हेल्पलाइन के कंट्रोल रूम को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही मामले की गंभीरता को देखते हुए परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम को सक्रिय करते हुए थाना पन्नूगंज पुलिस को सूचना दी। पुलिस के सहयोग से टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक हस्तक्षेप करते हुए प्रस्तावित बाल विवाह को रुकवाया। इस दौरान परिजनों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के कानूनी प्रावधानों एवं बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा भविष्य प्रभावित होता है। बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के अवसर देना परिवार एवं समाज की जिम्मेदारी है। बालिका की सुरक्षा एवं सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा उसे बाल कल्याण समिति (CWC), सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के आदेशानुसार बालिका को सुरक्षित देखरेख एवं संरक्षण के लिए बाल गृह में आवासित कराया गया।यह कार्रवाई जिलाधिकारी श्री चर्चित गौर के संरक्षण एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया के निर्देशन में की गई। इसमें चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह, सुपरवाइजर सुधा गिरी तथा टीम सदस्य धर्मवीर सिंह एवं बजरंग सिंह की सक्रिय भूमिका रही। थाना पन्नूगंज पुलिस का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह ने आमजन से अपील की कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने के लिए सभी लोग आगे आएं।

खलियारी में हुआ महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा का आयोजन, 7 पंचायतों के संगठन अगुवाओं ने किया प्रतिभाग

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता



सोनभद्र/खलियारी। नगवां विकास संगठन ने लैंगिक समता एवं समानता अभिमुखीकरण के तहत 16 दिवसीय महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा आयोजन शुक्रवार को नगवां ब्लाक क्षेत्र स्थित खलियारी बारात भवन में किया। कार्यक्रम में कुल 30 महिला और 12 पुरुषों ने भाग लिया। आयोजन में महिला हिंसा, महिला-पुरुष में भेदभाव, असमानता, बालक-बालिकाओं में भेदभाव, उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल अधिकार, काम में भेदभाव, नशा मुक्ति, शिक्षा, काम-मजदूरी और रोजगार जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आए सभी लोगों ने अपने-अपने गांव और परिवार में हो रहे हिंसा, नशा और रोजगार की समस्याओं पर खुलकर बात की और सुधार लाने का संकल्प लिया। सभी ने निष्कर्ष निकाला कि हर गांव में बहुत कमियां हैं, जिनमें सुधार करने की जरूरत है। आयोजन में नगवां ब्लाक क्षेत्र के बलियारी, बाराडाण, माची, नगवां, दरेव, बाकी और कजियारी पंचायत के संगठन के अगुवा और सक्रिय सदस्य शामिल रहे।

तेलगुड़वा गांव में अडाणी फाउंडेशन का वृहद चिकित्सा शिविर, 430 मरीजों की हुई जांच, निःशुल्क दवाओं का वितरण

महिला रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग एवं सामान्य चिकित्सा के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं, ग्रामीणों को मिला स्वास्थ्य लाभ

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। कोटा ग्राम पंचायत के तेलगुड़वा गांव में अडाणी फाउंडेशन की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। अडाणी सीमेंट सलाईब नवा के प्रोजेक्ट हेड नीरज त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर में कुल 430 लोगों की विभिन्न रोगों से संबंधित जांच की गई तथा मरीजों को निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।शिविर में महिला रोग, सामान्य चिकित्सा, नेत्र रोग एवं हड्डी रोग से



संबंधित मरीजों की जांच के लिए चिकित्सकों की टीम मौजूद रही। चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक परामर्श देते हुए उपचार एवं बचाव के बारे में जानकारी दी। गांव में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा उपलब्ध होने से ग्रामीणों को काफी सहूलियत मिली। विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।इस अवसर पर अडाणी फाउंडेशन के साइट सीएसआर हेड मनोज चौबे ने बताया कि अडाणी फाउंडेशन समाज के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से लगातार विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका संवर्धन, पशुधन विकास, जल संरक्षण, ग्रामीण अवसंरचना, कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाना और जरूरतमंद लोगों तक बेहतर चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना फाउंडेशन की प्राथमिकताओं में शामिल है।उन्होंने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीण अंचलों में रहने वाले लोगों को उनके गांव के आसपास ही चिकित्सा जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे लोगों को छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का चक्कर न लगाना पड़े।

शिविर में अडाणी फाउंडेशन के कम्युनिटी वालेंटियर सत्यम कुमार, चिकित्सक डॉ. अरुण चौबे, डॉ. एकता, डॉ. समझ सौरव, डॉ. तान्या सहित बसंत, सुरेश यादव, वीरेंद्र राव, गांव की आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

430 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच और निःशुल्क दवा वितरण के साथ यह शिविर ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को गांव तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

नौकरी दिलाने के नाम पर 55 लाख की ठगी करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, FCI में नियुक्ति का देता था झांसा

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। नौकरी दिलाने के नाम पर भोली-भाली जनता से लाखों रुपये की ठगी करने वाले हिस्ट्रीशीटर आरोपी को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय खाद्य निगम (FCI) में असिस्टेंट (AG-III) के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से रुपये वसूलता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अब तक करीब 55 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन उपाध्याय एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुधीर कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रायपुर विजय कुमार चौरसिया की टीम ने आरोपी मनोज कुमार पाण्डेय पुत्र वीरेन्द्र बहादुर पाण्डेय निवासी ग्राम रायपुर, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र को 27 नवंबर 2026 को सुबह करीब 7:40 बजे गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 26 नवंबर को दयानंद शर्मा निवासी ग्राम सिरवनियां, पोस्ट कंचनपुर, जनपद देवरिया ने थाना रायपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि मनोज कुमार पाण्डेय और उसके सहयोगियों ने उन्हें भारतीय खाद्य निगम में असिस्टेंट (AG-III) के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। इसके एवज में कुल 10 लाख रुपये की मांग की गई और अलग-अलग किस्तों में नकद एवं बैंक खाते के माध्यम से 8 लाख 14 हजार रुपये ले लिए गए। इसके बाद आरोपियों ने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की मदद से फर्जी एडमिट कार्ड और नियुक्ति पत्र तैयार कर पीड़ित को सौंप दिया। दस्तावेजों के फर्जी होने का



संदेह होने पर जब पीड़ित ने शेष दो लाख रुपये देने से इनकार करते हुए अपनी रकम वापस मांगी, तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी थाना रायपुर का हिस्ट्रीशीटर (एचएस नंबर 36ए) है और उसके खिलाफ गुंडा एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित मामले दर्ज हैं। आरोपी खुद को रेलवे के डीआरएम कार्यालय का कर्मचारी बताकर राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के देवरिया, सोनभद्र, रॉबर्ट्सगंज सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को रेलवे एवं भारतीय खाद्य निगम में नौकरी दिलाने का झांसा देता था। पुलिस के मुताबिक उत्तर प्रदेश में अब तक 7 से 8 लोगों के साथ करीब 55 लाख रुपये की ठगी किए जाने की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक अदद मोबाइल फोन (आईफोन) और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

पंपहाउस का गेट जाम होने से ठप हुई पानी की पंपिंग, एनटीपीसी सिंगरौली के बिजली उत्पादन पर मंडराया संकट

समाज जागरण/ अकबर अली

सोनभद्र। एनटीपीसी सिंगरौली में जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। रिहंद जलाशय से पानी उठाने वाली लिंक नहर के मुहाने पर स्थित पंपहाउस का गेट जाम होकर नीचे गिर जाने से पानी की पंपिंग ठप हो गई है। इससे एनटीपीसी सिंगरौली सहित आसपास की बिजली और कोयला परियोजनाओं की जलापूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। गुरुवार को पंपिंग बंद होने के बाद औद्योगिक इकाइयों में जल संकट गहराने लगा है। वहीं, इस घटना ने पंपहाउस के रखरखाव और तकनीकी निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोविंद वल्लभ पंत सागर (रिहंद जलाशय) से लिंक नहर के माध्यम से क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण औद्योगिक परियोजनाओं को पानी की आपूर्ति की जाती है। इसी व्यवस्था के तहत एनटीपीसी सिंगरौली के 2000 मेगावाट क्षमता वाले विद्युत गृह के लिए पानी लिफ्ट किया जाता है। इसके अलावा एनसीएल की लगभग 10 कोयला खदानों और अन्य



औद्योगिक इकाइयों को भी इसी जलापूर्ति व्यवस्था का लाभ मिलता है। ऐसे में पंपिंग बंद होने से पूरे औद्योगिक क्षेत्र पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। लिंक नहर से होने वाली जलापूर्ति का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि एनटीपीसी सिंगरौली के अलावा मध्य प्रदेश स्थित 4760 मेगावाट क्षमता वाले एनटीपीसी विंध्याचल विद्युत गृह तक भी इस व्यवस्था से पानी पहुंचता है। वहीं, एनसीएल की कोयला खदानों में उत्पादन संबंधी गतिविधियों और कर्मचारियों के आवासीय परिसरों की पेयजल जरूरतें भी इसी व्यवस्था से जुड़ी हैं। पंपिंग लंबे समय तक बाधित रहने की स्थिति में बिजली उत्पादन, कोयला खनन और आवासीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। फिलहाल सभी संबंधित परियोजनाओं की निगाहें जलापूर्ति व्यवस्था बहाल होने पर टिकी हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए एनटीपीसी और एनसीएल की टीमें समस्या के समाधान में जुट गई हैं। पंपहाउस के गेट की वास्तविक स्थिति का पता लगाने और उसे दुरुस्त करने के लिए गोताखोरों, इंजीनियरों, क्रेन और भारी मशीनों की मदद ली जा रही है। अधिकारियों की ओर से युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू किए जाने की जानकारी दी गई है। हालांकि, जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य होने में कितना समय लगेगा, यह मरम्मत कार्य की प्रगति पर निर्भर करेगा।

वैकल्पिक व्यवस्था से पेयजल आपूर्ति की कोशिश

एनटीपीसी शक्तिनगर के उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. ओमप्रकाश के अनुसार, समस्या के समाधान के लिए सभी स्तरों पर काम शुरू कर दिया गया है। भारी मशीनों, क्रेन, अभियंताओं और गोताखोरों की टीम को लगाया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। वहीं, एनसीएल के प्रवक्ता राम विजय सिंह ने बताया कि जलापूर्ति की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सिविल विभाग की टीम को अलर्ट कर दिया गया है। वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से आवासीय परिसरों में पेयजल उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है। जरूरत पड़ने पर टैंकरों के माध्यम से भी पानी की आपूर्ति की जाएगी। पंपहाउस का गेट जाम होकर नीचे गिरने की घटना ने रखरखाव, तकनीकी निरीक्षण और समय रहते खराबी का पता लगाने की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर लिंक नहर के मुहाने पर लगा महत्वपूर्ण गेट किस परिस्थिति में जाम हुआ? क्या समय-समय पर इसकी तकनीकी जांच और मरम्मत की जा रही थी? यदि पहले से कोई तकनीकी खराबी थी तो उसे नजरअंदाज क्यों किया गया? बिजली उत्पादन और कोयला खनन जैसी महत्वपूर्ण औद्योगिक गतिविधियां पानी पर निर्भर हैं। ऐसे में जलापूर्ति व्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से में खराबी आने से व्यापक औद्योगिक संकट की स्थिति पैदा हो सकती है।

जरूरत है कि घटना की तकनीकी जांच कराई जाए, जिम्मेदारी निर्धारित की जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए पंपहाउस तथा लिंक नहर की नियमित निगरानी एवं रखरखाव की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। फिलहाल एनटीपीसी और एनसीएल की संयुक्त टीमें मरम्मत कार्य में जुटी हैं। अब देखना होगा कि जलापूर्ति व्यवस्था कितनी जल्दी बहाल होती है और बिजली उत्पादन एवं कोयला खनन से जुड़ी गतिविधियां सामान्य हो पाती हैं या नहीं।

ऑपरेशन शुद्धिः सोनभद्र में नशे के अवैध कारोबार पर बड़ा प्रहार, 3 तस्कर गिरफ्तार, 32 लाख का माल बरामद

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन शुद्धि के तहत सोनभद्र पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 किलोग्राम अवैध गांजा, 6 ग्राम हेरोइन, 24,200 रुपये नकद और तस्करी में प्रयुक्त दो कारें बरामद की हैं। बरामदगी की कुल अनुमानित कीमत करीब 32 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन उपाध्याय के निर्देश, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्र के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज धर्मेंद्र कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 27 नवंबर 2026 को रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम क्षेत्र में निगरानी, वांछित अभियुक्तों की तलाश तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सड़क पर सहिजन शराब भट्ठी के सामने बहद ग्राम महिजिन में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. उमर उर्फ बल्लू खान पुत्र नूर मोहम्मद निवासी बहुअरा (हिन्दुआरी), थाना रॉबर्ट्सगंज, उम्र करीब 39 वर्ष, अंशु गिरी उर्फ गोलू पुत्र सुमन्त गिरी निवासी परसिया (रामगढ़), थाना पन्नूगंज, उम्र करीब 24 वर्ष तथा पुष्पराज यादव उर्फ श्याम पुत्र बाबूलाल निवासी जैत, थाना रॉबर्ट्सगंज, उम्र करीब 24 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 25 बंडलों में 25 किलोग्राम अवैध गांजा, 6 ग्राम अवैध हेरोइन, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री से प्राप्त 24,200 रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की सिल्वर रंग की होंडा सिटी और टाटा पंच कार भी बरामद कर सीज कर दी गई। इस संबंध में थाना रॉबर्ट्सगंज में मु0अ0सं0 952/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/21/27/29/60 तथा बीएनएस की धारा 61(2)(ए) में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं प्रारंभिक विवेचना के दौरान मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। इनके नेटवर्क और मादक पदार्थों के स्रोत की गहनता से जांच की जा रही है।

मुख्य सड़क से नहीं जुड़ पाया मराजीदामर टोला, ग्रामीणों की मांग पर आनन्द पटेल दयालु ने किया दौरा

रोड नहीं तो विकास नहीं! अधिकारियों से वार्ता कर जल्द सड़क निर्माण की उठाई मांग

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। आजादी के इतने दशकों बाद भी ग्राम पंचायत रोरवा के टोला मराजीदामर की तस्वीर नहीं बदली है। आज भी यह टोला मुख्य सड़क से नहीं जुड़ पाया है। सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव में यहां के ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने अपनी इस गंभीर समस्या को लेकर आनन्द पटेल दयालु से मुलाकात कर सड़क



निर्माण कराने का आग्रह किया था। ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए आनन्द पटेल दयालु, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच अपना दल (एस) एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट ने अपनी टीम के साथ रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड कोन अंतर्गत मराजी दामर टोला का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर सड़क निर्माण का मुद्दा उठाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से मांग की कि मराजीदामर टोला को हर हाल में जल्द से जल्द मुख्य सड़क से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी गांव या टोले को मुख्यधारा से अलग रखकर विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की पहली सीढ़ी है। उन्होंने ग्रामीणों की समस्या को रेखांकित करते हुए कहा कि आज यदि गांव में कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो जाए तो एंबुलेंस तक वहां नहीं पहुंच सकती। ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिवार को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा, इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है।

आनन्द पटेल दयालु ने कहा कि सड़क निर्माण की मांग केवल एक रास्ते की मांग नहीं, बल्कि ग्रामीणों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य की मांग है। किसी भी कीमत पर इस टोले को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई जल्द से जल्द होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब समाज के अंतिम व्यक्ति और अंतिम गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचेंगी। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से शुक्ला पटेल, जनाब महताब आलम (प्रदेश सचिव, अल्पसंख्यक मंच अपना दल एस), संतोष कनौजिया (जिला सचिव), रामफेर मौर्य (वरिष्ठ नेता) सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

आनन्द पटेल दयालु का संदेशः जब तक गांव की आखिरी बस्ती तक सड़क नहीं पहुंचेगी, तब तक विकास की बात अधूरी रहेगी। आम आदमी को बुनियादी सुविधाएं मिलें, यही जनहित की प्राथमिकता होनी चाहिए।'

विंध्य एक्सप्रेस-वे के लिए जमीन अधिग्रहण से पहले हो सर्वे, पोखरा के ग्रामीणों ने उठाई मांग

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। विंध्य एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण को लेकर शुक्रवार को पोखरा गांव में तहसीलदार नटवर सिंह ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान किसानों ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले गांव का विधिवत सर्वे कराने और राजस्व अभिलेखों का सुदृढ़ीकरण करने की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना था कि जमीन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही अधिग्रहण की कार्रवाई आगे बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में किसानों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने बताया कि सर्वे में गांव शामिल होने के कारण पहले जमीन और मकानों की वास्तविक स्थिति का आकलन जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शी तरीके से सर्वे कराकर किसानों के हितों को सुरक्षित रखने की मांग की। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद तहसीलदार नटवर सिंह ने बताया कि प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे की चौड़ाई 120 मीटर होगी। सड़क के दायरे में आने वाली जमीन का पहले सर्वे कराया जाएगा और राजस्व अभिलेखों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि



किसानों को प्रति हेक्टेयर 12 लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा। तहसीलदार ने यह भी आश्वासन दिया कि जिन मकानों का थोड़ा हिस्सा भी सड़क के दायरे में आएगा, उन्हें पूरे मकान का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, कच्चे मकानों के मामले में भी उनकी स्थिति और आकलन के आधार पर मुआवजा देने की बात कही गई। इस दौरान ग्रामीणों ने जमीन, मकान और मुआवजे से जुड़ी अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। तहसीलदार ने सभी समस्याओं को सुनते हुए नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

बैठक में सर्वे लेखपाल हरिश्चंद्र, तहसील लेखपाल संजय, ग्राम प्रधान शंभूनाथ, राजबली, शिवनाथ यादव, राधेश्याम, हीरासाय, सीताराम, गणेश प्रसाद, राजकेश्वर, सुलेनचंद, विशेश्वर प्रसाद, कांति प्रसाद, श्रीगणेश, चंद्रिका प्रसाद, रामचरित्र, देवकुमार और श्यामदेव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का शिक्षकों ने किया स्वागत, समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार

सोनभद्र। विकासखंड बभनी स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (योगेश गुट) की ब्लॉक कार्यकारिणी की ओर से नवागत खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रकाश यादव का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। कार्यक्रम में शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रकाश यादव को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। स्वागत समारोह के बाद शिक्षकों की समस्याओं को लेकर विस्तृत वार्ता हुई। इस दौरान शिक्षकों ने चयन वेतनमान, स्व-जनगणना के कार्य में नेटवर्क की समस्या तथा लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया सहित अन्य विभागीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। संघ के पदाधिकारियों ने कहा



कि इन समस्याओं के लंबित रहने से शिक्षकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की। खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रकाश यादव ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष चंद्रजीत, मंत्री सुनील कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष अरविंद सिंह, सरोवर राव सेंगर, विकास राय, बिजेंद्र सिंह यादव एवं मोबीन अहमद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

हिंडाल्को से गायब हुआ 1.63 करोड़ का एल्यूमिनियम महाराष्ट्र में बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

सोनभद्र। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज से बेंगलुरु भेजा गया करीब 1.63 करोड़ रुपये का एल्यूमिनियम गायब होने के मामले में पिपरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब 15 दिनों की जांच के बाद महाराष्ट्र में दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से गायब हुआ 34.850 टन एल्यूमिनियम और उसे ले जाने वाला ट्रक भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को करोड़ों रुपये के माल की शत-प्रतिशत बरामदगी के रूप में अहम उपलब्धि माना जा रहा है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के नासिक जिले के निवासी सचिन अशोक शेल्के (26) और नवनाथ अशोक शेल्के (25) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य जांच के आधार पर आरोपियों का सुराग मिला। इसके बाद पुलिस टीम ने महाराष्ट्र पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, 24 नवंबर को महाराष्ट्र में गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर सोनभद्र लाया गया। उनके कब्जे से पूरा एल्यूमिनियम और परिवहन में इस्तेमाल किया गया ट्रक बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामला गंभीर था। पुलिस टीम लगातार सुराग जुटाने में लगी हुई थी। जांच के दौरान मिले तथ्यों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महाराष्ट्र में दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और पूरा माल बरामद कर लिया गया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि हिंडाल्को से माल लेकर जाने वाले ट्रकों के गायब होने की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। ऐसे मामलों में पुलिस पूर्व में भी एल्यूमिनियम की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी कर चुकी है। इस बार करीब 1.63 करोड़ रुपये के 34.850 टन एल्यूमिनियम की पूरी बरामदगी को पिपरी पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल और क्षेत्राधिकारी पिपरी विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

समृद्धि जन कल्याण संस्थान पुनर्वास केंद्र पर बच्चों के लिए निःशुल्क संगीत प्रशिक्षण शुरू, बच्चों में दिखा उत्साह

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार

बीजपुर/ सोनभद्र। समृद्धि जन कल्याण संस्थान के पुनर्वास केंद्र पर बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निःशुल्क संगीत प्रशिक्षण की शुरूआत कर दी गई है। प्रशिक्षण के तहत बच्चों को सोमवार, गुरुवार और रविवार को संगीत की कक्षाएं दी जाएंगी, जिससे बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ संगीत की कला भी सीख सकें। संगीत प्रशिक्षण में बच्चों को गायन, हारमोनियम, तबला सहित विभिन्न संगीत विधाओं का अभ्यास कराया जा रहा है। प्रशिक्षण देने के लिए राजेश कुमार विश्वकर्मा को शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है, जिनके मार्गदर्शन में बच्चे संगीत की बारीकियां सीख रहे हैं। कक्षाओं के शुभारंभ के साथ ही बच्चों में संगीत सीखने को लेकर खास उत्साह देखने को मिला।

संस्थान का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उनकी प्रतिभा निखारने, रचनात्मकता बढ़ाने और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने का अवसर प्रदान करना है। समृद्धि जन कल्याण संस्थान की इस पहल से क्षेत्र के बच्चों को बिना किसी शुल्क के संगीत सीखने का अवसर मिलेगा, जो उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक साबित होगा।

रोडवेज बस में जहरखुरानों ने यात्री को बनाया शिकार, 5500 रुपये लेकर फरार

समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

रेणुकूट/ सोनभद्र। औद्योगिक नगरी रेणुकूट और आसपास के क्षेत्रों में जहरखुरान गिरोह की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। बुधवार की रात रोडवेज बस में सफर कर रहे मुर्धवा निवासी जयकुमार पांडेय को दो युवकों ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इसके बाद वह बेहोश हो गए। आरोप है कि जहरखुरान उनके पास रखे करीब 5500 रुपये लेकर उन्हें डाला स्थित एक मंदिर में छोड़कर फरार हो गए। करीब 12 घंटे बाद होश आने पर उन्होंने किसी तरह परिजनों से संपर्क किया। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात करीब नौ बजे जयकुमार पांडेय ऑटो नहीं मिलने के कारण मुर्धवा जाने के लिए वाराणसी जा रही सरकारी रोडवेज बस में सवार हो गए थे। इसी दौरान बस में बैठे दो युवकों ने बातचीत के जरिए उनसे मेलजोल बढ़ाया। कुछ देर बाद दोनों युवक उनके लिए चाय लेकर आए। चाय पीने के बाद जयकुमार अचेत हो गए। इसके बाद उनके साथ क्या हुआ, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं रही। इधर, रातभर जयकुमार के घर नहीं पहुंचने से परिजन परेशान रहे। पत्नी और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गुरुवार की सुबह परिजनों ने पिपरी थाने पहुंचकर उनकी गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई। दोपहर करीब दो बजे जब जयकुमार का मोबाइल फोन चालू हुआ तो उन्होंने परिजनों से संपर्क कर बताया कि वह डाला में हैं और वहां से बस पकड़कर रेणुकूट आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहरखुरानों ने उनकी जेब में रखे लगभग 5500 रुपये निकाल लिए और उन्हें डाला स्थित एक मंदिर में छोड़ दिया था। बताया गया कि मोबाइल चार्ज करने के बाद होश में आए जयकुमार ने परिजनों को अपनी स्थिति की जानकारी दी। गुरुवार शाम करीब चार बजे वह सकुशल घर पहुंचे। इसके बाद पिपरी थाने जाकर पुलिस को अपनी वापसी की जानकारी दी।

इस घटना के बाद क्षेत्र में रोडवेज बसों और सार्वजनिक परिवहन में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। यात्रियों से अनजान लोगों द्वारा दी गई चाय, पानी अथवा खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करने की अपील की जा रही है।

निरीक्षण भवन में चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, नौ आरोपी गिरफ्तार

चोरी का लैपटॉप, गैस सिलिंडर समेत पांच सामान बरामद, अन्य चोरी की घटनाओं में संलिप्तता की भी हो रही जांच

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



पुलिस ने खगड़ा स्थित भवन निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में हुई चोरी की घटना का उद्भेदन करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का डेल कंपनी का लैपटॉप, गैस सिलिंडर, इलेक्ट्रिक आयरन समेत पांच सामान बरामद किए हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर जिले में हुई अन्य चोरी की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर 2026 को भवन निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में चोरी की घटना हुई थी। इस संबंध में भवन प्रमंडल किशनगंज में पदस्थापित पंकज कुमार सिंह ने पुलिस को लिखित आवेदन दिया था। आवेदन में बताया गया था कि भवन बंद रहने के दौरान चोरों ने वहां से लैपटॉप, पेन ड्राइव, आठ हजार रुपये नकद, गैस सिलिंडर एवं अन्य सामान चोरी कर लिया। इस मामले में किशनगंज थाना कांड संख्या 1266/26, दिनांक 21 नवंबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने अनुसंधान के दौरान मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 26 नवंबर को कार्रवाई करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करण कुमार सैनी (18), रोहित कुमार (19), मो. जाहिद (25), अंकित कुमार (22), मो. सद्दाम (32), अब्दुल हाशमी (27), मो. समीर (18), सूरज शर्मा (28) और रामा कुमार (20) के रूप में हुई है। सभी किशनगंज थाना क्षेत्र के अलग-अलग मोहल्लों के निवासी हैं।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर अब्दुल हाशमी के घर से एक गैस सिलिंडर, मो. समीर के पास से इलेक्ट्रिक आयरन और इलेक्ट्रिकल सामान तथा अंकित कुमार के पास से डेल कंपनी का लैपटॉप बरामद किया है। पुलिस की ओर से जारी सूची में कुल पांच सामान जब्त किए जाने की जानकारी दी गई है। चोरी गए अन्य सामान की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास का भी पता लगा रही है। साथ ही यह जांच की जा रही है कि जिले में हुई अन्य गृहभेदन और चोरी की घटनाओं में इनकी कोई भूमिका तो नहीं है।

इस कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक अविनाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक रामबलेश्वर राय, मुकेश कुमार, अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक प्रिंस कुमार सहित पुलिस अवर निरीक्षक बज्जू कुमार, विक्रम कुमार, सरवर इमाम एवं जयराम बिंद कुमार तथा किशनगंज थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प, किशनगंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जिले की सभी पंचायतों में निकाला गया कैंडल मार्च, हजारों महिला-पुरुषों ने लिया बाल विवाह रोकने का संकल्प

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।



भारत को वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के संकल्प के साथ अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह निषेध दिवस पर गुरुवार को किशनगंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन और नागरिक समाज संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की सहयोगी संस्था जन निर्माण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में खेल भवन में एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम जिला पदाधिकारी के निर्देश पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने बाल विवाह को जड़ से समाप्त करने की शपथ ली। बाल विवाह से बचाई गई लड़कियों, बाल विवाह रुकवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाओं और जमीनी स्तर पर सामाजिक बदलाव लाने वाली महिला नेतृत्वकताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए धर्मगुरुओं ने भी बाल विवाह के खिलाफ अपनी एकजुटता दिखाई। वहीं, जिले की सभी पंचायतों में कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में महिला और पुरुष शामिल हुए।

इस अवसर पर जन निर्माण केंद्र के सचिव राकेश कुमार सिंह ने कहा कि उनकी संस्था पिछले तीन वर्षों से सरकार और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के साथ मिलकर बाल विवाह उन्मूलन के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ शुरू हुई मुहिम अब वैश्विक आंदोलन का रूप ले रही है।

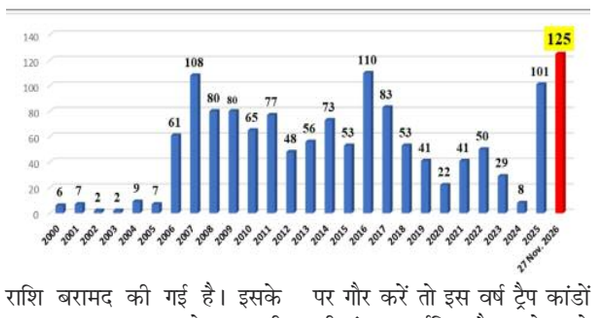
महिला एवं बाल विकास निगम के जिला समन्वयक शाहबाज आलम ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ अभियान केवल एक सामाजिक अपराध को समाप्त करने का प्रयास नहीं है, बल्कि देश की बच्चियों को उनका बचपन, शिक्षा और अपने भविष्य का चुनाव करने का अधिकार दिलाने की लड़ाई है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब बेटियां शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनेंगी। बाल विवाह इस दिशा में बड़ी बाधा है।

उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार, प्रशासन और समाज के सामूहिक प्रयासों से किशनगंज को बाल विवाह मुक्त जिला बनाया जा सकेगा।

राकेश कुमार सिंह ने बताया कि चार सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से 27 नवंबर को ह्यबाल, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवसह्न घोषित करने का प्रस्ताव स्वीकार किया था। उन्होंने इसे जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन और उसके संस्थापक भुवन ऋभु के वर्षों के प्रयासों की बड़ी वैश्विक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि भारत में बाल विवाह रोकने के लिए शुरू हुई मुहिम को संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर मान्यता मिलना देश के लिए गर्व की बात है। यह साबित करता है कि स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ सामाजिक बदलाव सामूहिक प्रयासों से वैश्विक आंदोलन बन सकता है। कार्यक्रम में जिले के सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिकाएं, एएनएम, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रतिनिधि तथा महिला एवं बाल विकास निगम के सुशील झा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

निगरानी ब्यूरो ने तोड़ा ट्रैप कांडों का रिकॉर्ड, 27 नवंबर तक 125 रिश्वतखोर गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की कार्रवाई में इस वर्ष नया रिकॉर्ड बना है। ब्यूरो की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 27 नवंबर 2026 तक ट्रैप से जुड़े कुल 125 कांड दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में अब तक 125 आरोपितों को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया जा चुका है।

निगरानी ब्यूरो के अनुसार, इन कार्रवाइयों के दौरान कुल 46 लाख 94 हजार 900 रुपये रिश्वत की राशि बरामद की गई है। इसके अलावा 37 हजार रुपये मूल्य की एक नई वाशिंग मशीन भी जब्त की गई है।

वर्ष 2000 से अब तक के आंकड़ों पर गौर करें तो इस वर्ष ट्रैप कांडों की संख्या सर्वाधिक है। इससे पहले वर्ष 2025 में 101, वर्ष 2016 में 110 और वर्ष 2007 में 108 ट्रैप कांड दर्ज किए गए थे। वहीं वर्ष 2024 में महज आठ मामले दर्ज हुए थे।

ब्यूरो की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2000 में छह, 2001 में सात, 2002 और 2003 में दो-दो, 2004 में नौ तथा 2005 में सात ट्रैप कांड दर्ज किए गए थे। इसके बाद 2006 से मामलों की संख्या में तेजी आई।

निगरानी ब्यूरो की लगातार कार्रवाई के बीच इस वर्ष दर्ज 125 ट्रैप कांड भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

भाजयुमो की नई जिला टीम गठित, राकेश गुप्ता ने की पदाधिकारियों की घोषणा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल मोहन सिंह की स्वीकृति के बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने किशनगंज जिला युवा मोर्चा की नई जिला टीम की घोषणा की है। नई टीम में युवाओं को विभिन्न संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि नई टीम के गठन का उद्देश्य जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाना है। युवा कार्यकताओं को संगठित कर पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ सामाजिक और जनहित के कार्यों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन के प्रति निष्ठा, समर्पण और अनुशासन के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम युवाओं को संगठन से जोड़ने और जिला स्तर पर युवा मोर्चा की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

नई जिला टीम के गठन पर भाजपा जिला किशनगंज के पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों तथा मंच एवं प्रकोष्ठ के संयोजकों ने जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता और उनकी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसकी जानकारी भाजपा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी सुबोध माहेश्वरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

मकराईन में बंद घर में चोरी, चोरी के सामान के साथ एक गिरफ्तार

गृहभेदन की सूचना पर पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई, पूछताछ में अन्य घटनाओं में संलिप्तता भी स्वीकार की

समाज जागरण
पारसनाथ दुबे डेहरी, रोहतास।



डालमियानगर थाना क्षेत्र के मकराईन गांव में बंद घर में चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मकराईन निवासी कृष्णा चौधरी, पिता मनोज चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से बंद घर से चोरी किया गया सामान भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, गृहभेदन की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर कृष्णा चौधरी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की, जिसमें उसने अन्य चोरी की घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पहले से भी आपराधिक मामला दर्ज है। इस संबंध में डालमियानगर थाना कांड संख्या 06/26, दिनांक 08 जनवरी 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4), 317(5) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी की आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं में उसकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

फिलहाल बरामद सामान का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया में जुटी है। वहीं, पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि घर बंद कर बाहर जाने की स्थिति में आसपास के लोगों को इसकी जानकारी अवश्य दें, ताकि चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

डीएम-एसपी ने मंडल कारा का किया औचक निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों की सुविधाओं और साफ-सफाई का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

समाज जागरण
पारसनाथ दुबे डेहरी, रोहतास।



रोहतास के जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार, 27 नवंबर 2026 को मंडल कारा, सासाराम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने कारा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया तथा विधि-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की।

निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने कारा के मुख्य द्वार, विभिन्न बैरकों, नियंत्रण कक्ष सहित परिसर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण किया। साथ ही बंदियों की सुरक्षा, उनके रहने की व्यवस्था, साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कारा में तैनात सुरक्षाकर्मियों से भी बातचीत की। उन्होंने ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरतने, अनुशासन बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया। संबंधित पदाधिकारियों को कारा की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ करने, नियमित निगरानी रखने तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कारा अधीक्षक सहित अन्य संबंधित पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने कारा की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। रोहतास पुलिस के अनुसार, जिले में विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से इस तरह के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

आरपीएफ पर मनमानी का आरोप, पांच मजदूरों की हिरासत पर कार्रवाई की मांग

मानवाधिकार कार्यकर्ता ने 24 घंटे में न्यायालय में पेश नहीं करने और परिजनों को सूचना न देने पर उठाए सवाल

समाज जागरण पारसनाथ दुबे डेहरी, रोहतास।

रोहतास जिले के मौड़ीहा गांव में पांच मजदूरों को हिरासत में लिए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। 25 नवंबर की रात रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम ने एक गोदाम में छापेमारी कर सुरेंद्र उपाध्याय सहित पांच मजदूरों को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ता संतोष उपाध्याय ने आरपीएफ पर मनमानी का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संतोष उपाध्याय का आरोप है कि हिरासत में लिए गए मजदूरों को 24 घंटे के भीतर न्यायालय में पेश नहीं किया गया और न ही उनके परिजनों को इसकी सूचना दी गई। उन्होंने इसे उच्चतम न्यायालय के डीके बसु दिशा-निर्देशों तथा संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 के प्रावधानों का उल्लंघन बताया है। मानवाधिकार कार्यकर्ता ने मांग की है कि हिरासत में लिए गए सभी पांचों मजदूरों की वर्तमान स्थिति सार्वजनिक की जाए तथा उन्हें नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाए। साथ ही उनके परिजनों को तत्काल सूचना देने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

उन्होंने कहा कि जांच में यदि आरपीएफ के किसी अधिकारी की ओर से नियमों का उल्लंघन किए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय एवं आपराधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल इस मामले में आरपीएफ का पक्ष सामने नहीं आया है।

पटना में फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने और अपडेट करने के नाम पर वसूली

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने और उसमें सुधार करने के नाम पर लोगों से अवैध वसूली करने वाले गिरोह का पटना साइबर थाने की पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने ललित भवन परिसर से एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान झारखंड के रांची स्थित अपर बाजार, रांची जीपीओ निवासी चितरंजन कुमार पांडेय के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित के साथ कई अन्य लोगों की संलिप्तता भी सामने आई है, जो एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे। गिरोह के सदस्य फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने और आधार कार्ड अपडेट करने के एवज में लोगों से अवैध वसूली करते थे। जांच के दौरान पुलिस को आरोपित के पास से निलंबित ऑपरेटर का लॉगिन पासवर्ड, सॉफ्टवेयर, लैपटॉप और अन्य संदिग्ध उपकरण मिले हैं, जिनका इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया जा रहा था।

पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपित के पास से एक लैपटॉप, दो मोबाइल फोन और एक आईरिस डिवाइस जब्त किया गया है। इस संबंध में पटना साइबर थाने में कांड संख्या 1564/26 दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2), आईटी एक्ट/बीएनएसओ (स्रोत के अनुसार) की धारा 66/66(सी) और आधार अधिनियम 2016 की धारा 34, 35, 36, 37, 38 व 39 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेजने की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान, उनके नेटवर्क और इस पूरे खेल में उनकी भूमिका को लेकर गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ भी जल्द सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना के दानापुर में मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 96,001 रुपये उड़ाए, साइबर थाने में शिकायत दर्ज

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर थाना क्षेत्र के बीबीगंज निवासी और 'सबका विकास' एनजीओ के संचालक सुजीत कुमार का मोबाइल फोन हैक कर साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते से 96,001 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। इस साइबर ठगी के बाद पीड़ित ने नेशनल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के साथ ही पटना साइबर थाना और संबंधित बैंक प्रबंधक को लिखित आवेदन दिया है। पीड़ित सुजीत कुमार ने बताया कि आईडीबीआई (IDBI) बैंक में उनका अपनी पत्नी के साथ ज्वाइंट खाता है। उनके अनुसार, पिछले 10 नवंबर को दोपहर करीब 2:35 बजे साइबर ठगों ने उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया और खाते से 96,001 रुपये एक साथ ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। मोबाइल फोन हैक होने की वजह से उन्हें लेनदेन का कोई अलर्ट मैसेज भी प्राप्त नहीं हुआ।

सुजीत कुमार ने बताया कि उन्हें इस ठगी की भनक 10 नवंबर को नहीं लग सकी। जब उन्होंने 13 नवंबर को अपना मोबाइल फोन फॉर्मेट किया और उसके बाद ई-खाता अपडेट किया, तब खाते से 96,001 रुपये निकाले जाने की जानकारी सामने आई। जानकारी मिलते ही उन्होंने बिना देर किए साइबर हेल्पलाइन 1930, साइबर थाना पटना और आईडीबीआई बैंक के शाखा प्रबंधक को लिखित रूप से पूरे मामले की सूचना दी। पीड़ित के आवेदन के आधार पर साइबर थाने की पुलिस ने मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने ठगी गई राशि को होल्ड या रिफंड कराने की दिशा में प्रयास करने का भरोसा दिलाया है। वहीं, स्थानीय लोगों और पीड़ितों के बीच इस तरह की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, क्योंकि मोबाइल हैक कर बैंक खातों से रकम उड़ाने के मामले लगातार सामने आने के बावजूद साइबर अपराधियों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है।

पटना के मनेर में 230 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद ऑटो और बाइक जब्त; तस्कर फरार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत बहपुरा मार्ग पर पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 230 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने घटनास्थल से तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे एक ऑटो और एक बाइक को भी जब्त कर लिया है। हालांकि, पुलिस की छापेमारी की भनक लगते ही शराब कारोबारी और तस्कर मौके से फरार होने में कामयाब रहे। बरामद शराब विभिन्न ब्रांड की बताई जा रही है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब दो से ढाई लाख रुपये आंकी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मनेर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बहपुरा मार्ग के समीप धान के खेत में भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर रखी गई है। बताया जाता है कि शराब को किसी अन्य स्थान से लाकर खेत में रखा गया था और वहां से अलग-अलग जगहों पर इसकी सप्लाई करने की तैयारी चल रही थी। गुप्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष रजनीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना देरी किए मौके पर पहुंचकर छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने धान के खेत में सड़क किनारे छिपाकर रखी गई 230 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। इसके साथ ही मौके से शराब की ढुलाई और सप्लाई के काम में लाए जाने वाले एक ऑटो और एक बाइक को भी जब्त कर लिया गया। हालांकि, पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही तस्करों को कार्रवाई की भनक लग गई, जिसके कारण वे अंधेरे व हालात का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले।

मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि अवैध शराब तस्करी की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अलग-अलग ब्रांड की अंग्रेजी शराब के साथ एक ऑटो और एक बाइक जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि मौके से फरार हुए शराब कारोबारियों और तस्करों की पहचान की जा रही है तथा जब्त वाहनों के मालिकों और संलिप्त नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। पुलिस फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

पटना में पालीगंज नगर पंचायत को नरक पंचायत से मुक्ति दिलाने की मांग तेज

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज नगर पंचायत क्षेत्र में बुनियादी नागरिक सुविधाओं की कमी को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि समुचित व्यवस्था के अभाव में नगर पंचायत की स्थिति बदहाल हो चुकी है और लोग इसे 'नरक पंचायत' की संज्ञा दे रहे हैं। यहां की सड़कों पर प्रतिदिन ठीक से साफ सफाई भी नही की जाती है, जिससे सड़को पर कचड़े फैले रहते है। जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बाजार के अधिकांश हिस्सों की सड़कों पर नाले का गंदा पानी बह रहा है, जिससे लोगों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाईपास सड़क के अभाव में बाजार की मुख्य सड़कों से जैसे ही कोई बड़ा वाहन गुजरता है, घंटों तक जाम की स्थिति बन जाती है। नगर पंचायत क्षेत्र में बसे कई मोहल्लों व घरों तक न तो नाली का निर्माण कराया गया है और न ही पेयजल की समुचित व्यवस्था हो सकी है। कई इलाकों में घरों तक पहुंचने के लिए लोगों को कीचड़ भरी कच्ची सड़कों से होकर गुजरना पड़ता है। संत रविदास स्मारक का पूर्वी इलाका, प्रखंड कार्यालय के पीछे का हिस्सा और मुख्य बाजार की सड़कें अतिक्रमण व जलजमाव की समस्या से जूझ रही हैं। इसके अलावा इतने पुराने और बड़े बाजार क्षेत्र में पार्क जैसी सार्वजनिक सुविधा का भी अभाव है। नागरिकों ने आरोप लगाया कि बुनियादी सुविधाओं के नाम पर पालीगंज नगर पंचायत की ओर से लोगों से टैक्स की वसूली की जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर सुविधाएं नदारत हैं। वहीं, स्थानीय बुद्धिजीवियों का कहना है कि जिला कार्यान्वयन समिति की बैठक में कुछ स्थानीय नेताओं द्वारा पालीगंज नगर पंचायत को नगर परिषद बनाने की मांग उठाई गई है। उनका कहना है कि सरकारी मानकों और शर्तों को पूरा करने वाले क्षेत्र स्वतः नगर परिषद बनने की प्रक्रिया में आते हैं, लेकिन कुछ नेता केवल वाहवाही लूटने के लिए ऐसी मांग कर जनता को गुमराह कर रहे हैं। बुद्धिजीवियों और स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि क्या जनप्रतिनिधियों की नजर यहां की जमीनी असुविधाओं पर नहीं जाती है। लोगों का कहना है कि कब तक वे बिना सुविधाओं के टैक्स चुकाते रहेंगे और क्या आम नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मिलने का अधिकार नहीं है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि पहले जल निकासी, सड़क, पेयजल व जाम जैसी समस्याओं का ठोस समाधान कर पालीगंज को इस बदहाल स्थिति से मुक्ति दिलाई जाए।

पटना के कनौहली बाजार में जाम हटाने के दौरान पुलिस जवान से मारपीट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के कनौहली बाजार में गुरुवार को सड़क जाम हटाने पहुंचे पुलिस जवान के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। इस घटना में कनौहली बाजार ओपी में तैनात पीटीसी जवान आलोक रंजन सिंह घायल हो गए। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार, 26 नवंबर को कनौहली बाजार में सड़क पर जाम लगने के कारण आवागमन बाधित हो गया था। इसी दौरान पीटीसी जवान आलोक रंजन सिंह जाम हटाने के लिए पहुंचे थे। बताया जाता है कि जाम खुलवाने के क्रम में दो युवकों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों युवकों ने जवान के साथ मारपीट शुरू कर दी, जिससे वे घायल हो गए। घटना के समय जवान वर्दी में नहीं थे, जबकि मारपीट की इस घटना से बाजार में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने मारपीट में शामिल दोनों युवकों की पहचान कर ली। इनमें से एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसकी पहचान पैनाल गांव निवासी रविश कुमार के 22 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार के रूप में हुई है। वहीं, फरार दूसरे आरोपित को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इस संबंध में बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि घायल पीटीसी जवान आलोक रंजन सिंह की लिखित शिकायत के आधार पर दोनों आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है और दूसरे की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। गौरतलब है कि कनौहली बाजार सहित बिहटा के प्रमुख मार्गों पर वाहनों के दबाव, सड़क किनारे अव्यवस्थित गतिविधियों और संकरी सड़कों के कारण जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। इस घटना ने यातायात व्यवस्था संभालने में पुलिस के सामने आने वाली चुनौतियों को भी उजागर किया है।

पटना के फतुहा में ट्रक से टकराई कार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ फतुहा-बख्तियारपुर पुरानी सड़क मार्ग पर गुरुवार की रात्रि हुए एक भीषण सड़क हादसे में कार और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में फतुहा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित भारत पेट्रोलियम के दो अधिकारियों समेत कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में घायल प्लांट ऑफिसर संदीप कुमार की स्थिति नाजुक बताई जा रही है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, फतुहा फैक्ट्री एरिया से गुरुवार की रात्रि कार पर सवार होकर भारत पेट्रोलियम के दो अधिकारी अपने चालक के साथ जा रहे थे। इसी दौरान फतुहा-बख्तियारपुर पुरानी सड़क मार्ग (एनएच-106/स्रोत के अनुसार सड़क मार्ग 106) पर मकसूदपुर मोहल्ले के पास पहुंचते ही कार की एक ट्रक से आमने-सामने या जोरदार टक्कर हो गई।

राजनीतिक मतभेदों से ऊपर मानवीय रिश्ते, अर्जुन मुंडा के आवास पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर झारखंड की राजनीति में भले ही अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराएं और मतभेद देखने को मिलते हों, लेकिन मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक रिश्ते इन सबसे ऊपर होते हैं। इसी भावना का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को अपनी पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ जमशेदपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की दिवंगत माता सायरा मुंडा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन हेलीकॉप्टर से नेमरा से सीधे जमशेदपुर के घोड़ाबांधा पहुंचे। यहां पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के आवास पर पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले दिवंगत सायरा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अर्जुन मुंडा से मुलाकात की और उनके परिवार के अन्य सदस्यों से भी बातचीत कर इस कठिन समय में अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।

इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राजनीतिक जीवन से ऊपर उठकर समाज में हम सभी के बीच व्यक्तिगत और सामाजिक रिश्ते होते हैं। इन रिश्तों का अपना महत्व है और मानवीय संवेदनाएं ही हमें एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं व्यक्तिगत संबंधों और सामाजिक सरोकारों के कारण वह आज अर्जुन मुंडा के आवास पर पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोना बेहद दुखद क्षण होता है। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करना और परिवार के साथ खड़ा रहना सामाजिक एवं मानवीय जिम्मेदारी है। उन्होंने दिवंगत सायरा मुंडा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति जताई।

राजनीतिक सीमाओं से परे दिखी मानवीय संवेदना

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। झारखंड की राजनीति में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। दोनों की राजनीतिक विचारधाराएं और दल भी अलग हैं, लेकिन दुख की इस घड़ी में मुख्यमंत्री का उनके आवास पहुंचना यह संदेश देता है कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है और व्यक्तिगत रिश्ते अपनी जगह।

राजनीति में अक्सर आरोप-प्रत्यारोप, विचारधाराओं का टकराव और सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच मतभेद देखने को मिलते हैं। ऐसे माहौल में किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के परिवार में शोक की स्थिति होने पर व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर संवेदना व्यक्त करना सामाजिक मयार्दा और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करता है।

हेमंत सोरेन ने अपने इस दौरे के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि राजनीतिक जिम्मेदारियों और सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताओं के बावजूद मानवीय संबंधों को प्राथमिकता देना जरूरी है। किसी के दुख में शामिल होना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता और आपसी सम्मान का प्रतीक है।

झारखंड की राजनीतिक संस्कृति के लिए सकारात्मक संदेश

मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन की इस मुलाकात को झारखंड की राजनीतिक संस्कृति के लिहाज से भी सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है। अर्जुन मुंडा राज्य के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। ऐसे वरिष्ठ नेता के परिवार में शोक के अवसर पर मुख्यमंत्री का पहुंचना राजनीतिक शिष्टाचार और व्यक्तिगत संबंधों की अहमियत को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिवंगत सायरा मुंडा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उनका यह दौरा इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन मानवीय रिश्ते और सामाजिक जिम्मेदारियां सभी के लिए समान महत्व रखते हैं।

सिंहभूम कॉलेज में साइबर सुरक्षा पर विशेष व्याख्यान, विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने के बताए उपाय

समाज जागरण

चांडिल। सिंहभूम कॉलेज, चांडिल के बिरसा मुंडा व्याख्यान कक्ष में शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. सुनील मुर्मू की अध्यक्षता में साइबर सुरक्षा विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी के अखिल भारतीय आईटी संगठक श्री हार्दिक मेहता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए डिजिटल युग में इंटरनेट एवं तकनीक के सुरक्षित उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, संदिग्ध ऐप तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध ऐप डाउनलोड करने तथा अपनी व्यक्तिगत एवं गोपनीय जानकारी साझा करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है।



अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. सुनील मुर्मू ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति सचेत रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कभी भी धन के लोभ में किसी भी ऐप को डाउनलोड नहीं करना चाहिए और न ही किसी अनजान लिंक पर क्लिक करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने तथा साइबर सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक होने तथा डिजिटल तकनीक का सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग करने की प्रेरणा मिली।

इस अवसर पर कॉलेज के बर्सर डॉ. जे.के. सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रिया शालिनी, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. रतन जॉन बरला, डॉ. अंबिका रजक, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. नेपाल चंद्र महतो, डॉ. समीर सेठ, डॉ. सच्चिदानंद मैती, डॉ. नीलम कुमारी सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा नियंत्रक डॉ. रिया शालिनी ने किया।

सफाई व्यवस्था को समावेशी और भेदभावमुक्त बनाने की पहल, जुगसलाई में सफाई मित्रों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर जुगसलाई स्वच्छ शहर के निर्माण में सफाई कर्मियों की भूमिका जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी उनके कार्यस्थल पर सम्मान, समानता और सहयोग का वातावरण सुनिश्चित करना भी है। इसी उद्देश्य से जुगसलाई नगर परिषद की ओर से शुक्रवार को नगर परिषद के सभी सफाई कर्मियों एवं सफाई मित्रों के लिए लैंगिक समानता एवं सामाजिक समावेश (GESI – Gender Equality and Social Inclusion) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सफाई व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों को न केवल उनके कार्यों के प्रति जागरूक किया गया, बल्कि कार्यस्थल पर भेदभाव रहित व्यवहार, आपसी सम्मान और समान अवसरों के महत्व को भी समझाया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफाई मित्रों को बताया गया कि किसी भी संस्थान अथवा कार्यस्थल की सफलता केवल काम के बेहतर संचालन से नहीं, बल्कि वहां काम करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मिलने वाले सम्मान और समान अवसरों से भी तय होती है। महिला और पुरुष कर्मचारियों के बीच किसी प्रकार का भेदभाव किए बिना सभी को समान महत्व देना एक बेहतर कार्य संस्कृति की बुनियादी आवश्यकता है। इसी सोच को मजबूत करने के लिए GESI प्रशिक्षण के तहत विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।



प्रशिक्षण के दौरान लैंगिक समानता, सामाजिक समावेश, आपसी सहयोग, समान अधिकार, कार्यस्थल पर सम्मानजनक व्यवहार और भेदभाव रहित वातावरण जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। प्रशिक्षकों ने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि समाज के प्रत्येक वर्ग और व्यक्ति को समान अवसर मिलना चाहिए। किसी व्यक्ति के महिला या पुरुष होने, सामाजिक पृष्ठभूमि अथवा अन्य व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर उसके साथ अलग व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। कार्यस्थल पर सभी की गरिमा और अधिकारों का सम्मान करना प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महिला एवं पुरुष सफाई कर्मियों का योगदान समान रूप से महत्वपूर्ण है। सफाई कार्य किसी एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामूहिक जिम्मेदारी और टीम भावना से जुड़ा कार्य है। ऐसे में सभी सफाई मित्रों को एक-दूसरे के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए तथा कार्यों के बंटवारे और जिम्मेदारियों के निर्वहन में समानता की भावना रखनी चाहिए।

प्रशिक्षकों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वच्छता के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य के दौरान कर्मचारियों को अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके साथ ही एक-दूसरे की सहायता करना, सामूहिक जिम्मेदारी निभाना और किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित अधिकारियों को जानकारी देना जरूरी है। सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण से कर्मचारियों का आत्मविश्वास बढ़ता है तथा वे अपने दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर पाते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसमें सफाई मित्रों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई। इस दौरान सफाई कर्मियों ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने काम के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों पर भी अपनी बातें रखीं। प्रशिक्षकों ने उनकी समस्याओं को सुना और आपसी संवाद के माध्यम से उनके समाधान तथा कार्यस्थल पर बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर चर्चा की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सफाई कर्मियों के बीच समानता और सामाजिक समावेश की समझ विकसित करना तथा उनके कार्यस्थल को अधिक सुरक्षित, सहयोगात्मक और सम्मानजनक बनाना रहा। नगर परिषद की इस पहल को सफाई मित्रों के अधिकारों, सम्मान और कार्यक्षमता से जोड़कर देखा जा रहा है। इस तरह के प्रशिक्षण से कर्मचारियों में न केवल जागरूकता बढ़ती है, बल्कि उनके बीच आपसी विश्वास और टीम भावना भी मजबूत होती है।

इस अवसर पर जुगसलाई नगर परिषद के नगर प्रबंधक मुकेश निरंजन, स्वच्छता विशेषज्ञ अमृता साक्षी सहित नगर परिषद के सभी सफाई मित्र एवं सफाई कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ और विकसित शहर की परिकल्पना तभी साकार हो सकती है, जब उसकी स्वच्छता व्यवस्था को संभालने वाले प्रत्येक कर्मी को समान सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्राप्त हों।

पटना के नदी थाना पुलिस ने किया आरोपी के घर से कट्टा-कारतूस बरामद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के नदी थाना पुलिस ने शुक्रवार को अवैध हथियारों के खिलाफ दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने हत्या के लिए अपहरण से जुड़े मामले में गिरफ्तार आरोपित के घर छापेमारी कर एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। वहीं, दूसरी कार्रवाई में बंका घाट रेलवे स्टेशन के पास से एक विधि विरुद्ध बालक को पकड़कर उसके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक आईफोन जब्त किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी फतुहा-01 कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पहली कार्रवाई नदी थाना कांड संख्या 449/2026 में गिरफ्तार प्राथमिकी अभियुक्त सूरज कुमार उर्फ भुट्टा (21 वर्ष, पिता गौतम महतो उर्फ गौतम कुमार, निवासी आलमपुर) के घर की गई। गिरफ्तारी के बाद मिली जानकारी के आधार पर घर की तलाशी ली गई,



जहां कमरे में चौकी पर रखे कार्टन में कपड़े के नीचे छिपाकर रखा गया एक लोहे का देसी कट्टा और 08 एमएम केएफ अंकित तीन जिंदा कारतूस मिले। इस संबंध में नदी थाना कांड संख्या 452/2026 दर्ज कर आर्म्स एक्ट के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

दूसरी कार्रवाई में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक बंका घाट रेलवे स्टेशन से पक्की दरगाह की ओर देसी कट्टा लेकर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए नदी थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम जब बंका घाट रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर पहुंची तो आरोपित भागने लगा, लेकिन सशस्त्र बल की मदद से उसे पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से एक देसी कट्टा, 08 एमएम केएफ अंकित दो जिंदा कारतूस और एक आईफोन बरामद हुआ। विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध कर नदी थाना कांड संख्या 453/2026 के तहत आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

दोनों कार्रवाइयों में कुल दो देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस और एक आईफोन बरामद किया गया है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन, अपर थानाध्यक्ष देवकर्ण बंटी, एसआई शैलेश प्रसाद व अजय कुमार समेत नदी थाना और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक अनुसंधान के दम पर अपराध जांच को मिलेगी नई धार, रांची में 21वीं राज्य पुलिस ड्यूटी मीट शुरू

डीजीपी तदाशा मिश्रा ने जैप-1 परेड ग्राउंड में किया चार दिवसीय आयोजन का उद्घाटन, राज्यभर के पुलिसकर्मी दिखाएंगे तकनीकी दक्षता और अनुसंधान कौशल

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

रांची अपराध के बदलते स्वरूप और आधुनिक तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बीच झारखंड पुलिस ने अपनी कार्यक्षमता, अनुसंधान कौशल और पेशेवर दक्षता को नई दिशा देने की पहल की है। इसी उद्देश्य से शुक्रवार, 27 नवंबर को रांची में 21वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। डोरंडा स्थित जैप-1 के परेड ग्राउंड में आयोजित चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

27 से 30 नवंबर तक चलने वाली इस राज्यस्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट में पुलिसकर्मियों की तकनीकी दक्षता, अपराध अनुसंधान की क्षमता और वैज्ञानिक पद्धतियों से जांच करने के कौशल को परखा जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप प्रशिक्षित करना, अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाना और पुलिसकर्मियों को नवीनतम तकनीकों के इस्तेमाल के लिए सक्षम बनाना है।



बदलते अपराध के स्वरूप के अनुरूप पुलिस को तैयार करने की पहल

वर्तमान समय में अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है। पारंपरिक अपराधों के साथ-साथ साइबर अपराध, डिजिटल धोखाधड़ी और तकनीक आधारित आपराधिक गतिविधियां पुलिस के सामने नई चुनौतियां पेश कर रही हैं। ऐसे में अपराधियों तक पहुंचने, साक्ष्य जुटाने और मामलों का वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान करने के लिए पुलिसकर्मियों का तकनीकी रूप से दक्ष होना बेहद जरूरी है।

इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए पुलिस ड्यूटी मीट को केवल एक प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता और अनुसंधान क्षमता को बेहतर बनाने के महत्वपूर्ण मंच के रूप में देखा जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से पुलिसकर्मियों को अपनी व्यावसायिक दक्षता प्रदर्शित करने के साथ-साथ नए तरीकों और तकनीकों को समझने का अवसर मिलेगा।

वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी दक्षता पर विशेष जोर

पुलिस ड्यूटी मीट का प्रमुख फोकस अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर रहेगा। किसी भी आपराधिक मामले की सफल जांच में घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने, उनका संरक्षण करने, उपलब्ध तथ्यों का विश्लेषण करने और साक्ष्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जांच की छोटी-सी चूक भी पूरे मामले को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में पुलिसकर्मियों को अनुसंधान के प्रत्येक चरण में अधिक सतर्क, प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने पर जोर दिया जाएगा।

इस आयोजन के जरिए पुलिसकर्मियों की व्यावहारिक समझ, निर्णय लेने की क्षमता और पेशेवर कौशल का मूल्यांकन भी किया जाएगा। इससे उन्हें अपनी कमियों को पहचानने और कार्यशैली में सुधार करने का अवसर मिलेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी से बढ़ा आयोजन का महत्व

उद्घाटन समारोह में डीजीपी तदाशा मिश्रा के अलावा एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी, एसपी सहित पुलिस विभाग के अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने इस आयोजन के महत्व को रेखांकित किया। पुलिस विभाग के लिए यह मीट राज्यभर में कार्यरत पुलिसकर्मियों की प्रतिभा, अनुभव और कार्यक्षमता को एक मंच पर लाने का अवसर भी है।

चार दिनों तक चलेगा कौशल और दक्षता का प्रदर्शन

27 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाली इस पुलिस ड्यूटी मीट में विभिन्न स्तरों पर पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता का आकलन किया जाएगा। इसमें आधुनिक पुलिसिंग की जरूरतों, वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग को प्रमुखता दी जाएगी। आयोजन के दौरान पुलिसकर्मियों को अपने अनुभव साझा करने और एक-दूसरे की कार्यशैली से सीखने का अवसर भी मिलेगा।

झारखंड पुलिस के लिए यह आयोजन भविष्य की पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अपराध नियंत्रण के साथ-साथ मामलों के त्वरित और निष्पक्ष अनुसंधान के लिए प्रशिक्षित पुलिस बल की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में 21वीं राज्य पुलिस ड्यूटी मीट से पुलिसकर्मियों की पेशेवर क्षमता को मजबूत करने और राज्य की अनुसंधान व्यवस्था को अधिक आधुनिक बनाने की उम्मीद है।

पटना सिटी में बंद मकान का ताला तोड़कर दस लाख का सामान और 52 हजार नकद चोरी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ सिटी के अगमकुआं थाना क्षेत्र अंतर्गत विजय नगर मोहल्ले में एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने गए परिवार के बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने करीब दस लाख रुपये के आभूषण व अन्य कीमती सामान के साथ 52 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। परिवार के लोग शुक्रवार की सुबह जब घर लौटे, तो ताला टूटा देखकर वारदात का पता चला। सूचना मिलते ही अगमकुआं पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थानाध्यक्ष राजेश कुमार झा ने बताया कि पीड़ित राजू कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन की जा रही है, वहीं एफएसएल (FSL) की टीम ने भी घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं। पीड़ित राजू कुमार ने बताया कि वे परिवार के सदस्यों के साथ गुरुवार रात एक शादी समारोह में गए थे। शुक्रवार की सुबह लौटने पर उन्होंने मकान का ताला टूटा पाया और अंदर कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी के लॉकर में रखे



सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान उड़ा लिए, जिनकी कीमत करीब दस लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। इसके अलावा 52 हजार रुपये नकद भी गायब हैं। परिवार के लोग घर में अन्य सामान की भी पड़ताल कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

इलाके में बाइक चोर गिरोह भी सक्रिय

मकान में चोरी की वारदात के साथ-साथ पटना सिटी के विभिन्न इलाकों में वाहन चोर गिरोह भी सक्रिय हैं। जानकारी के अनुसार, अगमकुआं थाना क्षेत्र के भागवत नगर से राजीव रंजन कुमार और इसी थाना क्षेत्र की शीतला माता मंदिर कॉलोनी से अनिकेत कुमार की बाइक चोरी हो गई। वहीं, बाइपास थाना क्षेत्र के महादेव स्थान के समीप से बड़ी पहाड़ी निवासी प्रद्युम्न कुमार की बाइक और मालसलामी थाना क्षेत्र के पीरदमरिया निवासी प्रमिला देवी का वाहन चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में पीड़ितों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और चोरों की तलाश में जांच जारी है।

स्वदेशी मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में आएगी क्रांति, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉक्टर बन सकेंगे आंत्रप्रेन्योर

समाज जागरण

लखनऊ, 27 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। योगी सरकार में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) के डॉक्टर अब इलाज और चिकित्सा शिक्षा के साथ स्वदेशी तकनीक एवं हेल्थकेयर स्टार्टअप के विकास की दिशा में भी आगे बढ़ पाएंगे। उत्तर प्रदेश में पहली बार इसकी शुरूआत करते हुए ग्रेटर नोएडा स्थित गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (GIMS) ने फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए भारत सरकार की राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति-2019 को अपनाने का निर्णय लिया है।

इस पहल के साथ राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने वाला प्रदेश का पहला सरकारी मेडिकल संस्थान बन गया है। खास बात यह है कि यह निर्णय अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) नई दिल्ली की ओर से फैकल्टी आंत्रप्रेन्योरशिप पॉलिसी प्रस्तुत किए जाने के लगभग एक सप्ताह बाद आया है। योगी सरकार के कार्यकाल में मेडिकल शिक्षा को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने की यह पहल प्रदेश के हेल्थकेयर सेक्टर में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी।

मेडिकल विद्यार्थियों और डॉक्टरों को मिलेगा स्टार्टअप का अवसर

राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति का उद्देश्य मेडिकल विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों, डॉक्टरों और शोधकताओं को अपने विचारों, शोध एवं क्लीनिकल अनुभव को तकनीकी नवाचार और स्टार्टअप में बदलने के लिए संस्थागत अवसर उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से अनुसंधान के व्यावसायीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण, तकनीकी उद्यमिता और स्वदेशी मेडिकल डिवाइस के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

इस पहल से डॉक्टरों को केवल मेडिकल तकनीक के उपयोगकर्ता के बजाय उसके विचार, डिजाइन, विकास और क्लीनिकल वैलिडेशन में सक्रिय भागीदार बनने का अवसर मिलेगा। अस्पतालों में इलाज के दौरान सामने आने वाली समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान के लिए डॉक्टरों के साथ इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को जोड़ने पर जोर रहेगा। इससे भारत की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के अनुरूप स्वदेशी मेडिकल उपकरण और हेल्थकेयर तकनीक विकसित करने का रास्ता मजबूत होगा।

आंबेडकर के नाम पर दलितों को गुमराह कर रहे अखिलेश यादव- लालजी प्रसाद निर्मल

समाज जागरण

लखनऊ, 27 नवंबर। विधान परिषद सदस्य एवं उत्तर प्रदेश वित्त एवं विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने समाजवादी पार्टी के चुनावी प्रणपत्र को छलावा और दलित विरोधी बताते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सपा के प्रणपत्र में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का जिक्र तक नहीं है। अखिलेश यादव आंबेडकर का नाम लेकर केवल दलितों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. निर्मल ने कहा कि अखिलेश यादव अपने कार्यकाल में डॉ. आंबेडकर सहित दलित महापुरुषों के नाम हटाए जाने के मामले पर खामोश हैं। उनकी चुप्पी बताती है कि उन्हें महापुरुषों के अपमान का कोई अफसोस नहीं है। सपा के प्रणपत्र में ठेकेदारी में दलितों का आरक्षण समाप्त किए जाने पर माफी मांगने की बात भी नहीं है। इसी तरह दलितों को प्रोन्नति में आरक्षण देने संबंधी विधेयक फाड़े जाने और करीब दो लाख दलित कर्मचारियों को रिवर्ट किए जाने पर भी कोई खेद नहीं जताया गया है।

एमएलसी डॉ. निर्मल ने कहा कि सपा सरकार ने नई राजस्व संहिता के माध्यम से ग्राम पंचायत की जमीनों के पट्टे आवंटन में दलितों की प्राथमिकता समाप्त कर दी थी। प्रणपत्र में इस व्यवस्था की बहाली का भी कोई आश्वासन नहीं दिया गया है। इतना ही नहीं, दलितों की जमीनों की सुरक्षा को लेकर भी कोई स्पष्ट भरोसा नहीं दिया गया है।

डॉ. निर्मल ने सपा के 25 लाख नौकरियां देने के वादे पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी ने अपने पांच साल के शासनकाल में एक लाख से भी कम नौकरियां दी थीं। उन्होंने पूछा कि जब प्रदेश में इतने सरकारी पद उपलब्ध नहीं हैं तो सपा 25 लाख नौकरियां कैसे देगी? क्या इसके लिए नए पद सृजित किए जाएंगे या यह केवल वोट हासिल करने के लिए किया गया लोकलुभावन वादा है?